शुभ लाभ DAILY
खबरें जो सोच बदल दे
हिन्दी दैनिक समाचार पत्र

मारे गए माओवादी विक्रम गौड़ा के साथियों की तलाश में 20 टीमें जुटी @ नम्मा बेंगलूरु

Postal Regd.No. HQ/SD/523/2023-25 | गुरुवार, 21 नवंबर, 2024 | हैदराबाद और नई दिल्ली से प्रकाशित | epaper.shubhlabhdaily.com | संपादक : गोपाल अग्रवाल | पृष्ठ : 14 | मूल्य-6 रु. | वर्ष-6 | अंक-321

पाकिस्तान में ट्रेनिंग लेने वाला फरार आतंकी 30 साल बाद गिरफ्तार

सुरक्षा तंत्र की खुली पोल : उमर अब्दुल्ला के खिलाफ लड़ गया चुनाव

पाकिस्तान और अफगानिस्तान में हथियार चलाने और बम बनाने की आतंकी ट्रेनिंग लेने वाला फरार आतंकवादी 30 साल बाद गिरफ्तार हुआ। इस आतंकवादी ने भारत के आंतरिक सुरक्षा तंत्र की धज्जियां उड़ा कर रख दीं। 30 साल तक वह फरार रहा, लेकिन सामाजिक और राजनीतिक तौर पर लगातार सक्रिय रहा। वह आम आदमी पार्टी का स्टार प्रचारक भी बन गया और उसने कश्मीर में नेशनल कॉन्फ्रेंस नेता उमर अब्दुल्ला के खिलाफ चुनाव भी लड़ गया। पुलिस टीम पर ग्रेनेड से हमला करने के मामले में वह फरार था। पुलिस ने उसके सिर

आम आदमी पार्टी का था स्टार प्रचारक और टिकट का दावेदार

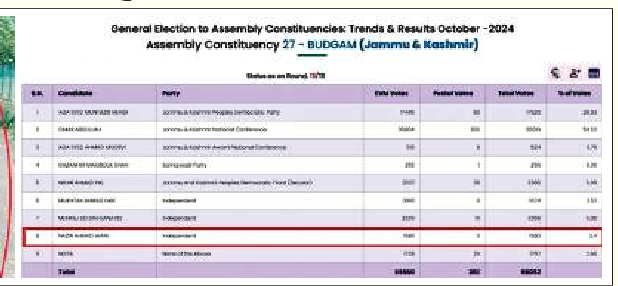

पर इनाम भी घोषित कर रखा था। वह पुलिस के सामने ही खुलेआम घूमता फिरता रहा, लेकिन पुलिस उसे पकड़ नहीं पाई। आखिरकार 30 साल के लंबे अंतराल के बाद उसे पकड़ा जा सका।1993 में उत्तर प्रदेश के देवबंद में पुलिस पर ग्रेनेड अटैक हुआ था। कुछ महीनों बाद इस मामले में एक आतंकी की गिरफ्तारी हुई।

शुभ-लाभ चिंता

1994 में इस आतंकी को जमानत भी मिल गई। इसके बाद 17 नवंबर 2024 को श्रीनगर से जब वही आतंकी फिर पकड़ा गया तब यह खुलासा हुआ कि नाम, वेशभूषा और जगह बदलकर वह करीब 30 साल से सबको चकमा दे रहा था।

इन 30 वर्षों में वह आतंकी से नेता बन गया और आम आदमी पार्टी का स्टार प्रचारक बन गया। आम आदमी पार्टी के टिकट से वह जम्मू कश्मीर में विधानसभा का चुनाव लड़ने की जुगत में था, लेकिन वहां से उसे टिकट नहीं मिला। इसके बावजूद उसने उमर अब्दुल्ला के खिलाफ निर्दलीय चुनाव लड़ा।

पुलिस पर हुए ग्रेनेड हमले में था वांछित, सिर पर था भारी इनाम

▶10 पर

56 साल में गुयाना पहुंचने वाले पहले भारतीय प्रधानमंत्री बने मोदी

पीएम मोदी के स्वागत में आई गुयाना सरकार की पूरी कैबिनेट

जॉर्जटाउन, 20 नवंबर (एजेंसियां)। पश्चिमी अफ्रीकी देश नाइजीरिया और दक्षिणी अमेरिकी देश ब्राजील का दौरा करने के बाद प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी आज गुयाना पहुंचे। गुयाना पहुंचने पर पीएम मोदी का भव्य और भावुक स्वागत किया गया। गुयाना सरकार की पूरी कैबिनेट प्रधानमंत्री मोदी का स्वागत करने के लिए हवाईअड्डे पर खड़ी थी। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी 56 वर्षों में गुयाना की यात्रा करने वाले पहले भारतीय प्रधानमंत्री बन गए हैं। एक अभूतपूर्व कदम उठाते हुए गुयाना के राष्ट्रपति डॉ. मोहम्मद इरफान अली और उनकी कैबिनेट के एक दर्जन से अधिक मंत्रियों ने हवाई अड्डे पर उनका स्वागत किया। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के औपचारिक स्वागत के बाद उन्हें सेना की तरफ से गार्ड ऑफ ऑनर दिया गया। बाद में गुयाना के राष्ट्रपति डॉ. मोहम्मद इरफान अली ने गुयाना के 4 मंत्रियों, ग्रेनेडा के प्रधानमंत्री और बारबाडोस के प्रधानमंत्री के साथ जॉर्जटाउन स्थित एक होटल में भी प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की अगवानी की।

सर्वोच्च पुरस्कार द ऑर्डर ऑफ एक्सीलेंस से मोदी को नवाजेगा गुयाना

अपनी गुयाना यात्रा के दौरान प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी गुयाना के राष्ट्रपति मोहम्मद इरफान अली के साथ द्विपक्षीय बैठक करेंगे और गुयाना की संसद की विशेष बैठक को संबोधित करेंगे। वे दूसरे भारत-कैरिकॉम शिखर सम्मेलन के लिए कैरेबियाई साझेदार देशों के नेताओं के साथ भी शामिल होंगे। गुयाना और बारबाडोस प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को अपने सर्वोच्च पुरस्कार प्रदान करेंगे। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को गुयाना अपना सर्वोच्च राष्ट्रीय पुरस्कार, द ऑर्डर ऑफ एक्सीलेंस प्रदान करेगा। बारबाडोस के प्रतिष्ठित मानद ऑर्डर ऑफ फ्रीडम से भी पीएम मोदी को सम्मानित किया जाएगा। डोमिनिका ने भी कुछ दिन पहले प्रधानमंत्री मोदी के लिए अपने शीर्ष पुरस्कार की घोषणा की थी। प्रधानमंत्री मोदी को मिले अंतरराष्ट्रीय सम्मानों की संख्या 19 हो गई है। नाइजीरिया दौर पर भी प्रधानमंत्री मोदी को वहां का सर्वोच्च नागरिक सम्मान

▶10 पर

निर्णायक साबित नहीं हुआ इस बार का जी-20 समिट

ब्राजील में हुए जी-20 शिखर सम्मेलन में दुनिया की प्रमुख अर्थव्यवस्थाओं ने पूरी भू-राजनीति को प्रभावित कर रहे वैश्विक संघर्षों को रोकने पर जोर भले ही दिया, लेकिन इसके लिए प्रयासों को लेकर किसी ठोस योजना पर सहमति नहीं बन पाई। जी-20 नेताओं ने खासे विमर्श के बाद जारी साझा बयान में भूख व गरीबी के खिलाफ मिलकर लड़ने, युद्धग्रस्त गाजा को अधिक सहायता देने और पश्चिम एशिया व यूक्रेन में शीघ्र जंग रोकने का आह्वान किया। साझा बयान में किसी को जिम्मेदार ठहराए बिना संघर्षों की निंदा की गई है।

▶10 पर

भारत की कूटनीतिक कुशलता से पिघल रही है तनाव की बर्फ

अब चीन के रास्ते कैलाश का दर्शन कर सकेंगे श्रद्धालु

जयशंकर-वांग वार्ता का सार्थक नतीजा, शीघ्र शुरू होगी सीधी उड़ान

नई दिल्ली, 20 नवंबर (एजेंसियां)। भारत और चीन के बीच अर्से से जमी तनाव की बर्फ पिघलने लगी है। बर्फीले लद्दाख में तनातनी थमी तो बर्फीले कैलाश के दर्शन का रास्ता भी खुला। भारत ने कूटनीतिक कुशलता से संबंधों को सुधारने पर जोर दिया और इसमें उसे सफलता भी मिल रही है। ऐसा लग रहा है कि चीन भी भारत की कूटनीतिक कुशलता का लोहा मान रहा है और उस अनुरूप अपना लचीलापन दिखा रहा है।

गलवान में चीन द्वारा बेवजह लादी गई मुठभेड़ में भारतीय सैनिकों की जांबाजी से चीन को बदले हुए भारत से परिचय हुआ। उसने भी चीन को लचीला बनने की तरफ प्रेरित किया। उस दौरान कई मौकों पर लगा था कि दोनों देशों में कभी भी युद्ध छिड़ सकता है। लेकिन भारत के विदेश मंत्री जयशंकर ने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की अगुआई में ऐसे तनाव को दूर करके पहले की स्थिति बहाल करने में अपनी गजब की योग्यता प्रदर्शित की और भारत के हितों को प्राथमिकता देते हुए चीन से सीधे और खरे शब्दों में बात की।

ब्राजील में जी-20 सम्मेलन के मौके पर भारत और चीन के बीच एक महत्वपूर्ण वार्ता हुई। भारत के विदेश मंत्री एस जयशंकर और चीन के विदेश मंत्री वांग यी के बीच हुई इस बातचीत के बाद संबंधों पर जमी बर्फ के पिघलने के और आसार मिले हैं। बात हुई है कि अब भारत के श्रद्धालु कैलाश मानसरोवर यात्रा फिर से चीन के रास्ते कर सकेंगे और दोनों देशों के बीच सीधी विमान सेवा भी जल्दी ही शुरू हो सकती है।

जयशंकर और वांग के बीच सहमति के कई मुद्दों पर विस्तार से चर्चा होना एक सकारात्मक संकेत माना जा रहा है। इस वार्ता में भारत और चीन के बीच चार साल से पटरी से उतरे संबंधों को दुरुस्त करने की बात आई और यह कैसे होगा, इसका खाका भी मोटे तौर पर तय किया गया। बता दें कि पूर्वी लद्दाख के सीमावर्ती स्थानों से दोनों तरफ के सैनिकों के पीछे हटने के बाद यह पहली उच्च स्तरीय वार्ता हुई थी।

▶10 पर

करीमगंज जिले का नाम अब श्रीभूमि हुआ

गुवाहाटी, 20 नवंबर (एजेंसियां)। असम के करीमगंज जिले के का नाम बदल कर श्रीभूमि कर दिया गया है। मंगलवार 19 नवम्बर को असम सरकार की कैबिनेट बैठक में यह फैसला लिया गया। असम सरकार ने कहा कि यह निर्णय जिले की सांस्कृतिक विरासत को अभिव्यक्ति देता है।असम के मुख्यमंत्री हिमंत बिस्व सरमा ने करीमगंज जिले का नाम बदले जाने पर कहा कि बंगाली या असमिया भाषा में करीमगंज शब्द नहीं है। हम ऐसे नाम बदलेंगे जिनका कोई भाषाई आधार नहीं है। सीएम सरमा ने श्रीभूमि नाम रखने के पीछे गुरुदेव रवींद्रनाथ टैगोर की 1919 में यात्रा को इसका कारण बताया। उन्होंने कहा कि 1919 में यहां रवींद्रनाथ टैगोर आए थे और उन्होंने इस इलाके को श्रीभूमि कहा था। मुस्लिम बहुल जिला करीमगंज त्रिपुरा के साथ सीमा साझा करता है। यह असम के सिलहट मंडल के अंतर्गत आता है।

सपा के खिलाफ बोलने का हुआ बुरा हश्र

दलित छात्रा का बलात्कार किया और मार डाला

मैनपुरी (यूपी), 20 नवंबर (एजेंसियां)। उत्तर प्रदेश के मैनपुरी के करहल विधानसभा क्षेत्र में समाजवादी पार्टी के खिलाफ बोलने और भाजपा को वोट देने की बात कहने पर एक दलित छात्रा के साथ बर्बरतापूर्व बलात्कार किया गया और उसकी हत्या कर दी गई। इस सनसनीखेज वारदात पर बड़बोले अखिलेश यादव की चुप्पी सधी हुई है।

बलात्कारियों ने दलित छात्रा की लाश एक बोरे में भर कर फेंक दी थी। छात्रा के परिजनों का कहना है कि समाजवादी पार्टी के प्रशांत यादव और मोहन कठेरिया ने छात्रा की रेप के बाद हत्या की है। परिजनों ने कहा कि छात्रा ने करहल विधानसभा उपचुनाव में सपा के बजाय भाजपा को वोट देने की बात कही थी, इसलिए उसकी रेप के बाद हत्या की गई। पुलिस ने दोनों आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया है। युवती के पिता ने बताया, तीन दिन पहले मैं अपनी बिटिया को कोटा छोड़ने जा रहा था। इसी बीच बबलू नेताजी ने कहा कि वोट वोट डाल कर ही जाना। तब मेरी बिटिया ने कहा कि हम तो फूल (कमल) पर ही वोट देंगे। इस पर प्रशांत यादव ने कहा कि नहीं वोट साइकिल पर ही देना। अगर नहीं दिया तो गाड़ी से नहीं उतरोगे। इसके बाद अगले दिन 12-1 बजे मेरी बेटी को जबरन उठा ले गए। इसके बाद हमारी बिटिया कहीं नहीं मिली। बिटिया को उठाने वाले में से एक का नाम प्रशांत यादव और एक नाम मोहन कठेरिया है। मेरे बेटे ने जाकर देखा तो बिटिया की चप्पले प्रशांत के यहां मिली। युवती के पिता ने आरोप लगाया कि प्रशांत यादव और मोहन कठेरिया ने सपा को वोट ना देने के चलते उनकी बेटी का रेप करके मार दिया है। उन्होंने दोषियों पर कड़ी कार्रवाई की मांग की है। यह घटना 19 नवंबर को हुई।

पुलिस ने प्रशांत यादव और मोहन कठेरिया को गिरफ्तार कर लिया है। दोनों पर एससी/एसटी एक्ट, गैंगरेप और हत्या समेत जहरीला पदार्थ देने की धाराओं में मामला दर्ज किया है। पुलिस ने कहा है कि वह मामले में आगे जांच कर कार्रवाई करेगी। करहल में यह घटना उस दिन सामने आई है जब इस सीट पर विधानसभा चुनाव के लिए मतदान हो रहा है। भाजपा को वोट देने की बात कहने के कारण हत्या करने की बात पर सपा कठघरे में आ गई है। उत्तर प्रदेश भाजपा ने इस घटना को लेकर कहा, करहल में सपाई

▶10 पर

सर्राफ़ा बाज़ार

(24 कैरेट गोल्ड)

सोना : 77,930/- (प्रति 10 ग्राम)

चाँदी : 92,890/- (प्रति किलोग्राम)

मौसम बेंगलूरु

अधिकतम : 31°

न्यूनतम : 20°

पश्चिम बंगाल में 25 हजार वोटर आईडी कार्ड का एक ही नंबर!

घुसपैठियों को वोटर बनाने का कमाल, देश का बुरा हाल

कोलकाता, 20 नवंबर (एजेंसियां)। भारतीय चुनाव आयोग (ईसीआई) को पश्चिम बंगाल के 11 विधानसभा क्षेत्रों में एक ही सीरियल नंबर के 25000 वोटर कार्ड मिले हैं। यह खोज राज्य के मुख्य निर्वाचन अधिकारी द्वारा 7.4 करोड़ नामों वाली मतदाता सूची का मसौदा जारी करने के कुछ दिनों बाद की गई। मतदाता सूची से करीब 16 लाख नाम या तो हटा दिए गए हैं या फिर सही कर दिए गए हैं।

बनगांव दक्षिण और माटीगाड़ा-नक्सलबाड़ी विधानसभा क्षेत्र में सबसे अधिक एक ही नंबर के वोटर कार्ड मिले। इसमें बनगांव की सीमा बांग्लादेश और माटीगाड़ा-नक्सलबाड़ी की सीमा नेपाल से लगती है। इसके अलावा मध्यमग्राम, राजारहाट-गोपालपुर, कैनिंग पुरबा, बारुईपुर पुरबा और पश्चिम, कर्सियांग, सिलीगुड़ी, बनगांव उत्तर और फालाकाटा में भी फर्जी वोटर कार्ड मिले हैं। चुनाव आयोग के एक अधिकारी ने बताया, हमने जिला प्रशासन से सभी वोटर कार्डों को भौतिक रूप से सत्यापित करने और मतदाता सूची से डुप्लिकेट को हटाने के लिए कहा है। हम जांच कर रहे हैं कि यह विदेशियों को भारतीय बताने की दुर्भावनापूर्ण योजना का नतीजा है या नहीं।

उल्लेखनीय है कि वोट के लिए बड़ी संख्या में बांग्लादेशी घुसपैठियों को बार्डर पार कराकर उन्हें फर्जी वोटर आईडी कार्ड देकर वोट दिलाने की साजिशों का खुलासा होने के बाद प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने देशभर में व्यापक कार्रवाई शुरू की। ईडी ने झारखंड और बंगाल के 17 ठिकानों पर एक साथ छापा मार कर फर्जी पासपोर्ट, फर्जी वोटर आईडी कार्ड, आधार कार्ड और अन्य महत्वपूर्ण दस्तावेज बरामद किए। दो बांग्लादेशी घुसपैठियों समेत चार को गिरफ्तार भी किया गया। ईडी की छापेमारी में बांग्लादेश की सीमा पर बसे बनगांव एक सेंटर से बांग्लादेशियों के लिए फर्जी दस्तावेज तैयार किए जाने के तमाम साक्ष्य बरामद किए गए। वहां फर्जी तरीके से बनाए गए पासपोर्ट, वोटर आईडी और आधार कार्ड बड़े पैमाने पर बरामद किए गए। ईडी की टीम को मौके से पिस्टल और जिंदा कारतूस भी मिले।

11 विधानसभा क्षेत्रों में मिले एक ही नंबर के हजारों वोटर कार्ड

कर्नाटक विधानसभा चुनाव के दरम्यान भी बेंगलुरु के जलाहाल्ली इलाके में एक घर से 9746 फर्जी वोटर आईडी कार्ड बरामद किए गए थे। यह इलाका राज राजेश्वरी निर्वाचन क्षेत्र में पड़ता है। वोटर आईडी कार्ड्स को छोटे बंडलों में बांधकर रखा गया था। बांग्लादेशी और रोहिंग्या घुसपैठियों को वोटर बना कर उनका वोट लेने का राजनीतिक दलों का धंधा पूरे रफ्तार से चल रहा है। राजनीतिक दलों ने वोट के लिए देश का हित ताक पर रख दिया है।

कार्टून कॉर्नर

राज्य में 15 फीसदी बीपीएल कार्ड होंगे रद्द: मंत्री संतोष लाड

सही उम्मीदवारों के कार्ड होंगे वापस

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। श्रम मंत्री संतोष लाड ने कहा कि राज्य में 15 प्रतिशत अयोग्य बीपीएल राशन कार्ड रद्द किए जा सकते हैं। उन्होंने पत्रकारों से बात करते हुए कहा कि 15 प्रतिशत से अधिक राशन कार्ड रद्द नहीं किए जाएंगे। कुछ जगहों पर आरोप लग रहे हैं कि बीपीएल कार्ड रद्द कर दिए गए हैं। उन्होंने कहा कि हमारे कालाघाटगी में 400 कार्ड रद्द कर दिये गये हैं। यदि राशन कार्डों के सत्यापन के दौरान पात्र उम्मीदवार होंगे, तो हम उनके कार्ड वापस कर देंगे। कुछ लोगों ने कहा कार्ड नहीं है। गलत जानकारी के कारण रद्द होने की स्थिति में, कार्ड ऐसे व्यक्ति को वापस दे दिया जाएगा। सरकार की मंशा है कि पात्र

बीपीएल कार्ड से वंचित न रहें और अपात्रों को ये कार्ड न मिलें। उन्होंने कहा कि हमने सभी कार्यक्रमों के लिए पैसा दिया है। हमने श्रमिक कार्ड ऑनलाइन जारी करने के लिए अंबेडकर सेवा केंद्र बनाए हैं। हम आवेदक के घर जाकर सीधे जांच करेंगे और कार्ड जारी करेंगे। हम केवल डुप्लीकेट कार्ड ही रद्द करेंगे। हम पात्रों की पहचान कर कार्ड देंगे।

उन्होंने बताया कि वे स्थानीय विधायक के माध्यम से सर्वे कराकर मजदूरों का कार्ड बनाने जा रहे हैं। मंत्रिमंडल के पुनर्गठन की मांग पर उन्होंने कहा कि हर किसी में मंत्री बनने की क्षमता है। कांग्रेस में 136 विधायक हैं। मंत्री पद मांगने में कुछ भी गलत नहीं है। इस पर फैसला मुख्यमंत्री और उपमुख्यमंत्री लेंगे। उन्होंने कहा कि विधायक नरेंद्रस्वामी की राय सिर्फ एक की नहीं, कई लोगों की राय है। अनुदान को लेकर कांग्रेस विधायक गवियप्पा की नाराजगी पर मंत्री ने कहा कि उन्हें पृष्ठभूमि की जानकारी नहीं है। आपने वही बात क्यों कही?

उन्होंने कहा कि आपको गवियप्प से ही पूछना चाहिए। सरकार ने कितना खर्च किया है इसकी जानकारी मिलेगी। सरकार ने अनुदान नहीं रोका है। कुछ विशेष अनुदान उपलब्ध नहीं हो सकते हैं। विधायक अनुदान की कोई कमी नहीं है। उनके कार्यकाल में भी भाजपा को विशेष अनुदान नहीं मिला। हमें बोलने की आजादी है। तो हमारे विधायक बोलते हैं। लेकिन उन्होंने पलटवार करते हुए कहा कि भाजपा विधायकों को बोलने की आजादी नहीं है। एक सवाल के जवाब में उन्होंने कहा प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी मणिपुर नहीं गये हैं। मानो उन्हें कुछ हुआ ही न हो। वे वहीं बोलते हैं जहां उन्हें वोट मिलता है। अगर अगले 10 साल नहीं जागे तो मुश्किल हो जाएगी। यह देश पतन की ओर जा रहा है। इससे पहले विधान परिषद के सदस्य और भाजपा के पूर्व राष्ट्रीय महासचिव सी.टी. रवि ने आरोप लगाया कि राज्य सरकार ने गरीबों से 14 लाख बीपीएल कार्ड छीनने का जघन्य अपराध किया है। उन्होंने आपत्ति जताई कि जाति और समुदाय के आधार पर बीपीएल कार्ड रद्द करने की शिकायतें हैं कि क्या उन्होंने हमें वोट दिया है। उन्होंने आलोचना की कि यह गरीबों का भोजन छीनने का घोर अन्याय है। मैंने सोशल मीडिया पर देखा है कि जाति के कारण कार्ड रद्द कर दिया गया। उन्होंने आरोप लगाया कि ऐसी सरकार है जो गरीबों का चावल तक चुरा लेती है।

शोरूम में आग लगने से महिला की जलकर मौत, 20 इलेक्ट्रिक वाहन नष्ट

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। शहर के राजकुमार रोड पर मंगलवार शाम को इलेक्ट्रिक वाहन शोरूम में लगी भीषण आग में 20 वर्षीय महिला की जलकर मौत हो गई। पीड़ित की पहचान प्रिया के रूप में हुई है, जो पिछले तीन वर्षों से व्यस्त नवरंग बार जंक्शन पर स्थित शोरूम में कैशियर के रूप में काम कर रही थी।

आग पर काबू पाने के बाद अग्निशमन और आपातकालीन सेवा कर्मियों ने मलबे से उसका शव निकाला। शव को पोस्टमार्टम के लिए अस्पताल भेजा गया। रिपोर्ट के अनुसार, शोरूम के अंदर 20 से अधिक इलेक्ट्रिक वाहन आग में जलकर नष्ट हो गए, जिसके शॉर्ट सर्किट से लगने का संदेह है। जबकि अन्य कर्मचारी भागने में सफल रहे, प्रिया इमारत के अंदर फंसी रही। फायर डिपार्टमेंट के एक वरिष्ठ अधिकारी ने बताया कि शुरुआती जांच से पता चलता है कि शोरूम में पर्याप्त सुरक्षा उपाय नहीं थे। हमें बताया गया है कि इमारत में आग बुझाने के उपकरण नहीं थे। राजाजीनगर पुलिस स्टेशन में लापरवाही के कारण हुई मौत का मामला दर्ज किया गया है और घटना की जांच शुरू कर दी गई है। पुलिस उपायुक्त (उत्तर) सैदुलु अदावथ ने स्थिति का आकलन करने के लिए घटनास्थल का दौरा किया। इस घटना ने वाणिज्यिक प्रतिष्ठानों, खासकर इलेक्ट्रिक वाहनों से संबंधित प्रतिष्ठानों में अग्नि सुरक्षा प्रोटोकॉल को लेकर चिंताएं बढ़ा दी हैं।

कर्नाटक में राज्य कृषि विकास एजेंसी की स्थापना का रास्ता साफ : मंत्री

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। राज्य के कृषि मंत्री एन. चेलुवरायस्वामी ने कहा कि राज्य मंत्रिमंडल ने बेहतर विकास सुनिश्चित करने के लिए बुवाई बीज केंद्रों, रैयत संपर्क केंद्रों, जिला कृषि प्रशिक्षण केंद्रों और जैविक नियंत्रण प्रयोगशालाओं को एक साझा मंच पर लाने के लिए कर्नाटक राज्य कृषि विकास एजेंसी की स्थापना के प्रस्ताव को मंजूरी दे दी है। यहां कृषि और वाटरशेड विभागों के कामकाज की समीक्षा के बाद मीडियाकर्मियों से बातचीत करते हुए, मंत्री ने कहा कि ऐसी एजेंसी की स्थापना कृषि क्षेत्र के समन्वित विकास को सुनिश्चित करने में एक लंबा रास्ता तय करेगी। राज्य ने खरीफ फसल के संबंध में बुवाई में अपने लक्ष्य का 99 प्रतिशत हासिल किया है, जिसमें 82.48 लाख हेक्टेयर के लक्ष्य के मुकाबले 81.36 लाख हेक्टेयर भूमि पर बुवाई की गई है। रबी फसल के लिए, अब तक 52 प्रतिशत प्रगति हुई है, क्योंकि 25.53 लाख हेक्टेयर के लक्ष्य के मुकाबले 13.38 लाख हेक्टेयर में बुवाई की गई है। वास्तविक बुआई में और वृद्धि होने की उम्मीद है, क्योंकि बुआई का काम पूरा होने में दिसंबर तक का समय है। राज्य मंत्रिमंडल ने किसानों के लिए बाजार का विस्तार करने और उपभोक्ताओं तक पहुंच सुनिश्चित करने के लिए बेंगलूरु के हेब्बल में एक जैविक और बाजरा केंद्र स्थापित करने को भी मंजूरी दी थी।

राजस्थानी मित्र मंडल द्वारा हेल्थ इस वेल्थ सेमिनार आयोजित

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। राजस्थानी मित्र मंडल विजयनगर के तत्वावधान में नूरा सेंटर द्वारा मास्टर हेल्थ चेकअप सेमिनार का आयोजन किया गया। यह आयोजन सदस्य परिवार के लिए हुआ। कार्यक्रम का शुभारंभ मंगलाचरण द्वारा सामूहिक नमस्कार महामंत्र से किया गया। संस्था के अध्यक्ष महेन्द्र टेबा ने सभी का स्वागत करते हुए सभी को स्वस्थ रहने के लिए प्रोत्साहित किया। सेमिनार के मुख्य वक्ता अभय कुमार ने नूरा हेल्थ चेकअप के बारे में जानकारी दी एवं आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस द्वारा आधुनिक तकनीक से कैसे आप अपने पूरे शरीर का जांच कर सकते हैं, के बारे में बताया। नूरा टीम से धारा सुतरिया एवं रत्नेश ने भी अपने विचार रखे। इस सेमिनार में नूरा हेल्थ चेकअप टीम ने 20 प्रतिशत डिस्काउंट दिया। उपस्थित सदस्य परिवार द्वारा अनेक प्रश्न पूछे गए, जिसका समाधान भी टीम द्वारा किया गया। सफल संचालन राजेश चावत ने किया। आभार ज्ञापन मंत्री कैलाश बोहरा ने व्यक्त किया। इस अवसर पर मंडल पूर्व अध्यक्ष कैलाश गांधी, प्रेम चावत, कैलाश गुरलिया, महावीर टेबा, मनीष देरसरिया, महावीर नंदावत, विनोद गांधी व कार्यकारिणी के अनेक सदस्य उपस्थित रहे।

सीएम ने नाबार्ड ऋण कटौती पर चर्चा के लिए वित्त मंत्री सीतारमण से मिलने का मांगा समय

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। कर्नाटक के मुख्यमंत्री सिद्धरामैया ने बुधवार को कहा कि उन्होंने राष्ट्रीय कृषि एवं ग्रामीण विकास बैंक (नाबार्ड) से इस वर्ष राज्य को मिलने वाले ऋण की राशि में कटौती पर चर्चा के लिए केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण से मिलने का समय मांगा है। सिद्धरामैया ने कहा दिल्ली में नंदिनी उत्पादों का शुभारंभ हो रहा है, इसलिए मैं दिल्ली जा रहा हूं। मैंने केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण से भी मिलने का समय मांगा है, क्योंकि इस वर्ष राज्य को मिलने वाले नाबार्ड ऋण में कटौती की गई है। पिछले वर्ष 5,600 करोड़ रुपये दिए गए थे, इस वर्ष 2,340 करोड़ रुपये दिए गए हैं। इसमें 58 प्रतिशत की

कटौती की गई है। यहां पत्रकारों से बात करते हुए उन्होंने कहा कि नाबार्ड वित्त मंत्रालय के अधीन आता है। मैं उनसे अनुरोध करूंगा। यह पूछे जाने पर कि क्या वह इस यात्रा के दौरान कांग्रेस आलाकमान से मिलेंगे, मुख्यमंत्री ने कहा मुझे गुरुवार शाम तक (राज्य में) लौटना होगा। अगर मुझे समय मिला, तो मैं उनसे मिलूंगा। सिद्धरामैया गुरुवार को दिल्ली में नंदिनी डेयरी उत्पादों को लॉन्च करने वाले हैं। कर्नाटक मिल्क फेडरेशन अपने डेयरी उत्पादों को नंदिनी ब्रांड के तहत बेचता है।

पात्र लोगों को मिलेगा बीपीएल कार्ड, चिंता न करें : डीके

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। राज्य के उपमुख्यमंत्री डीके शिवकुमार ने आश्वासन दिया है कि पात्रों से आवेदन मिलने के बाद दोबारा बीपीएल राशन कार्ड जारी किए जाएंगे। किसी को चिंता करने की जरूरत नहीं है। पत्रकारों से बातचीत में उन्होंने कहा कि केंद्र सरकार के नियमानुसार बीपीएल कार्डों का पुनरीक्षण चल रहा है। जिन पात्रों के कार्ड निरस्त कर दिए गए हैं, वे चिंता न करें। उन्होंने कहा कि पात्र लोगों से दोबारा आवेदन कराकर बीपीएल कार्ड जारी किया जाएगा। केंद्र सरकार द्वारा बनाए गए नियमों के अनुसार, जिनके पास वाहन है और 7.50 एकड़ जमीन है, वे बीपीएल के अंतर्गत नहीं आते हैं। कुछ आयकर दाताओं, सहकारी समितियों के स्थायी अधिकारियों, सरकारी कर्मचारियों को कार्ड

मिला हुआ है। यह जानकारी कुछ लोगों ने शपथ पत्र जमा करते समय पकड़ ली है। एक कस्बे में 10-20 पात्र लोगों के कार्ड निरस्त कर दिए गए हैं। इन सबकी जांच की जा रही है। पहले, जब आवेदन जमा किया जाता था, तो सत्यापन के बाद कार्ड जारी किया जाता था। कोई घर-घर सर्वेक्षण नहीं किया गया। हमारी सरकार गरीबों के लिए है। इसलिए उनके साथ गलत व्यवहार नहीं किया जायेगा। कुछ लोगों को दस्तावेजों के आधार पर कार्रवाई करना कठिन लगता है। उन्होंने कहा कि अगर वे सहयोग करेंगे तो अगले कुछ दिनों में इसे ठीक कर दिया जायेगा। मुख्यमंत्री पहले ही मंत्रियों और विधायकों को निर्देश दे चुके हैं। विधायक और गारंटी योजनाओं के क्रियान्वयन के अधिकारी स्वयं जाकर पात्र लोगों के साथ हो रहे अन्याय को सुधारेंगे। उन्होंने मंत्रिमंडल के पुनर्गठन के संबंध में मुख्यमंत्री से स्पष्टीकरण मांगने की सलाह दी। मुख्यमंत्री नंदिनी दूध बाजार के विस्तार के लिए दिल्ली दौरे पर हैं। इससे हमारे किसानों को लाभ होगा। दूध का बाजार बढ़ने से दुग्ध संघों को फायदा होगा। मुझे भी दिल्ली जाना था। लेकिन उन्होंने कहा कि वह दिल्ली की यात्रा पर नहीं जा रहे हैं क्योंकि उन्हें मुरुदेश्वर में मछली बाजार के उद्घाटन में जाना है। नक्सली नेता विक्रम गौड़ा की हत्या को लेकर सरकार के खिलाफ वामपंथी नेताओं के आक्रोश पर टिप्पणी करने से इनकार करते हुए शिवकुमार ने कहा कि गृह मंत्री डॉ. जी. परमेश्वर इस मामले पर जानकारी देंगे।

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। *कर्नाटक हित रक्षणा सेना संजीवनी नगर द्वारा तीन दिवसीय गोरावनाहल्ली श्री लक्ष्मी देवी उत्सव हर्षोल्लास के साथ मनाया गया। देवी मां की प्रतिष्ठापना, महा मंगल आरती, अन्नदान, शिक्षण सामग्री वितरण, कंबल वितरण, रस मंजरी कार्यक्रम एवं शोभा यात्रा का आयोजन किया गया। विशिष्ट अतिथि महेंद्र मुणोत ने देवी मां के दर्शन कर आशीर्वाद लिया एवं जरूरतमंद बच्चों में शिक्षण सामग्री वितरित की। सेना के अध्यक्ष सम्राट, मंजू एवं वेंकट नायक ने मुणोत को सम्मानित किया।*

बारह व्रत दीक्षा कार्यशाला का आयोजन

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। अखिल भारतीय तेरापंथ युवक परिषद द्वारा निर्देशित बारह व्रत दीक्षा कार्यशाला का आयोजन युगप्रधान आचार्य श्री महाश्रमण जी की सुशिष्या साध्वी सिद्धप्रभा जी के पावन सानिध्य में तेरापंथ भवन हनुमंतनगर में तेयुप एचबीएसटी हनुमंतनगर द्वारा किया गया।

कार्यक्रम की शुरुआत साध्वी द्वारा नवकार महामंत्र के मंगल मंत्रोचार से हुआ। श्रावक निष्ठा पत्र का वाचन सभा मंत्री हेमराज मांडोत द्वारा किया गया। तत्पश्चात परिषद अध्यक्ष कमलेश झाबक ने सभी पधारे हुए श्रावक-श्राविकाओं का स्वागत करते हुए अपने व्यक्तव्य में ज्यादा से ज्यादा सभी को बारह व्रती बनने की प्रेरणा दी। साध्वी सिद्धप्रभा जी ने

भगवान महावीर द्वारा प्रदत्त गृहस्थों को जीवन यापन के लिए आगर धर्म के बारे में बताते हुए बारह व्रती बनाने की प्रेरणा दी। साध्वी ने आवश्यक हिंसा के अलावा संकल्पजा स्थूल हिंसा का कुछ कुछ अपवादों के साथ त्याग की प्रेरणा दी।

इसके साथ साथ सम्यक दीक्षा एवं गुरुधारना के बारे में समझाया। श्रावक-श्राविका समाज की बारह व्रत को लेकर जिज्ञासाओं का समाधान किया। 12 नियम एवं 14 नियमों की जानकारी दी। पानी को हमेशा छान कर पीने की प्रेरणा प्रदान की।

सभा अध्यक्ष गौतम दक, महिलामंडल अध्यक्ष सरोज दुगड़ ने बारह व्रती बनने की शुभकामनाएं सम्प्रेषित की। इस कार्यशाला में 16 नए सदस्यों ने बारह व्रत की दीक्षा धारण की। इस अवसर पर महिलामंडल मंत्री मीनाक्षी देरासरिया, अशोक नागोरी, अभातेयुप से गौतम खाब्या, तेयुप उपाध्यक्ष द्वितीय देवेंद्र आंचलिया, सहमंत्री प्रथम नवरतन बोल्या, सहमंत्री द्वितीय रक्षित लोढा, कोषाध्यक्ष धवल बोल्या, ललित बोहरा, प्रतीक पोरवाड़, महावीर देरासरिया सहित स्थानीय संघीय संस्थाओं के पदाधिकारियों एवं श्रावक-श्राविका समाज की गरिमामय उपस्थिति रही। कार्यक्रम का सफल संचालन उपाध्यक्ष प्रथम राहुल मेहता ने किया।

संयम का मार्ग शूरवीरों का मार्ग: डॉ. वरुणमुनि

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। राजाजीनगर स्थानक में विराजित पंकजमुनि के सानिध्य में मुमुक्षु बहन प्रीति पोखरना और मुमुक्षु भाई सुमति पोखरना का श्रीसंघ की ओर से अभिनंदन किया गया।

मुमुक्षु ने अपने विचार व्यक्त कर श्री संघ को आगामी दीक्षा कार्यक्रम में पधारने का निवेदन किया और संतों से आशीर्वाद लिया। मुमुक्षु दंपति की दीक्षा आगामी 7 फरवरी 2025 को जयपुर में आचार्य विजयराज महाराज के सानिध्य में होगी। डॉ. वरुणमुनि ने दीक्षार्थी दंपति को आशीर्वाद प्रदान करते हुए कहा कि संयम मार्ग शूरवीरों का मार्ग है, कोई विरले ही होते है जो इस पथ के पथिक बनकर अपना

आत्मोद्धार करते है।

आप दोनों इस मार्ग पर चलते हुए जिनशासन एवं गुरुजनों की सेवा करना। संघ मंत्री नेमीचंद दलाल ने दीक्षार्थियों की श्री संघ की ओर से अनुमोदना करते हुए कहा कि मुमुक्षु भाई बहन ने संयम पथ पर बढ़कर पोखरना परिवार ही नहीं अपितु संपूर्ण जिनशासन के गौरव को बढ़ाने का कार्य किया है। इस अवसर पर अध्यक्ष प्रकाश चाणोदिया, मंत्री नेमीचंद दलाल, कोषाध्यक्ष प्रसन्न भलगट, अमरचंद गांधी, डॉ. मदनलाल पोखरना, महिला मंत्री रेखा पोखरना व अन्य उपास्थित थे। सभी ने मुमुक्षु का अभिनंदन किया।

पश्चिमी घाट के जंगलों में

मारे गए माओवादी विक्रम गौड़ा के साथियों की तलाश में 20 टीमें जुटी

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। नक्सल विरोधी बल (एएनएफ) और स्थानीय पुलिस की 20 से अधिक टीमें बुधवार को भी कर्नाटक के तटीय क्षेत्र उडुपी और दक्षिण कन्नड़ जिलों के पश्चिमी घाट के घने जंगलों में मारे गए माओवादी विक्रम गौड़ा के साथियों की तलाश में जुटी रहीं। खूंखार और मोस्ट वांटेड माओवादी 46 वर्षीय विक्रम गौड़ा को सोमवार शाम राज्य पुलिस ने पुलिस मुठभेड़ में मार गिराया। पुलिस बलों ने क्षेत्र में माओवादियों की गतिविधियों के बारे में जानकारी एकत्र करने के बाद तलाशी अभियान शुरू किया था। जंगलों और सुनसान इलाकों में तलाशी अभियान के लिए ड्रोन और डॉग स्क्वॉड का इस्तेमाल किया जा रहा है। चिकमंगलूरु जिले के श्रृंगेरी, कोप्पा, मुदिगेरे और कलासा तालुकों में हाई अलर्ट जारी किया गया है। तटीय क्षेत्र के उडुपी जिले के करकला क्षेत्र में भी तलाशी अभियान शुरू किया गया है। सूत्रों ने बताया कि जंगलों में अक्सर आने-जाने वाले स्थानीय आदिवासियों से जानकारी जुटाई जा रही है। विक्रम गौड़ा के परिवार के लोग शव का अंतिम संस्कार करने की तैयारी कर रहे हैं। उनके शव का पोस्टमार्टम केएमसी अस्पताल में जज की मौजूदगी में किया गया। शव लेने मोर्चरी आई विक्रम गौड़ा की बहन सुगुना ने कहा अधिकारियों ने हमें बताया है कि वे हमारे भाई का शव सौंप देंगे। हमने विक्रम गौड़ा के शव का अंतिम संस्कार अपने खेत में करने का फैसला किया है, जहां हमारा घर भी है। उन्होंने कहा, मैं, विक्रम गौड़ा और एक और भाई सुरेश उसी घर में पले-बढ़े हैं। सुगुना ने कहा हमारे पास अपनी जमीन है और विक्रम गौड़ा के शव को अनाथों की तरह कहीं और क्यों जलाया जाना चाहिए। वह कई साल पहले घर से चला गया था। वह कभी हमारे परिवार के पास वापस नहीं आया और न ही हमसे संपर्क में रहा। विक्रम गौड़ा के एक रिश्तेदार प्रवीण गौड़ा ने कहा कि परिवार ने उनके घर पर ही अंतिम संस्कार करने का फैसला किया है। सूत्रों ने बताया कि विक्रम

गौड़ा की हत्या उस समय की गई जब वह अपनी टीम के साथ राशन लेने आया था। पुलिस ने इस संबंध में जानकारी जुटाई है। विक्रम गौड़ा को माओवादी सावित्री से प्यार हो गया था और उनकी शादी जंगलों में हुई थी। हालांकि, शादी के बाद सावित्री ने उसे शादी से पहले आत्मसमर्पण करने के लिए मजबूर किया। सूत्रों ने बताया कि इससे सहमत न होने पर वह उससे अलग हो गया। सूत्रों ने आगे बताया कि माओवादी कस्तूरीरंगन रिपोर्ट के कार्यान्वयन पर बहस के बाद तटीय कर्नाटक क्षेत्र और राज्य के मलनाड (पहाड़ी) क्षेत्रों में अपना आधार बनाने की कोशिश कर रहे हैं, जिसमें पश्चिमी घाट को बचाने के लिए किसानों को बेदखल करने की सिफारिश की गई है। रिपोर्ट के कार्यान्वयन से उडुपी, दक्षिण कन्नड़, उत्तर कन्नड़, चिकमगलूरु के मलनाड जिलों और शिवमोग्गा के तटीय जिलों के किसान प्रभावित होंगे। कस्तूरीरंगन रिपोर्ट के लागू होने के बाद बेदखली के डर से इन क्षेत्रों के किसानों और लोगों की असुरक्षा को भुनाने की माओवादी योजना बना रहे हैं। अधिकारियों को पहले ही जानकारी मिली थी कि विक्रम गौड़ा और मुंडागरू लता के नेतृत्व में टीम वन क्षेत्रों के किनारे रहने वाले परिवारों से मिल रही है और बैठकें कर रही है। कस्तूरीरंगन समिति की रिपोर्ट के अनुसार कर्नाटक और अन्य राज्यों के क्षेत्र सहित पश्चिमी घाट क्षेत्र के 56,826 वर्ग किलोमीटर को केंद्रीय पर्यावरण और वन मंत्रालय द्वारा वर्गीकृत किए जाने से राज्य में कड़ा विरोध हुआ है। कर्नाटक सरकार पहले ही कस्तूरीरंगन समिति की रिपोर्ट को खारिज कर चुकी है और रिपोर्ट की सिफारिशों का विरोध कर चुकी है। आशंका है कि रिपोर्ट के लागू होने से क्षेत्र का विकास प्रभावित होगा।

कमजोर पश्चिमी घाट के लिए विनाशकारी

पूर्व मुख्यमंत्री बसवराज बोम्मई ने पूर्व केंद्रीय पर्यावरण, वन और जलवायु परिवर्तन मंत्री भूपेंद्र यादव के साथ वर्चुअल बैठक में स्पष्ट किया था कि पश्चिमी घाट क्षेत्र को संवेदनशील क्षेत्र के रूप में वर्गीकृत करने से क्षेत्र के लोगों के जीवन और उनकी आजीविका पर असर पड़ेगा। उन्होंने यह भी कहा कि इस प्रस्ताव का लोगों के साथ-साथ राज्य सरकार द्वारा भी विरोध किया जा रहा है। कर्नाटक में देश के सबसे बड़े वन क्षेत्र हैं। विशेषज्ञों का मानना है कि कस्तूरीरंगन समिति का विरोध पारिस्थितिकी रूप से कमजोर पश्चिमी घाट के लिए विनाशकारी होगा। रिपोर्ट में प्रस्ताव दिया गया है कि पश्चिमी घाट के कुल क्षेत्रफल का 37 प्रतिशत, जो लगभग 60,000 वर्ग किलोमीटर है, को पारिस्थितिकी-संवेदनशील क्षेत्र (ईएसए) घोषित किया जाना चाहिए।

सीएम ने मुठभेड़ में माओवादी नेता विक्रम गौड़ा की हत्या को उचित ठहराया

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। कर्नाटक के मुख्यमंत्री सिद्धरामैया ने बुधवार को माओवादी नेता विक्रम गौड़ा की नक्सल विरोधी बल (एएनएफ) के साथ मुठभेड़ में हत्या को उचित ठहराया। उन्होंने कहा कि उस पर कई आपराधिक मामले दर्ज हैं और उसने हथियार डालकर मुख्यधारा में शामिल होने के सरकार के निर्देश की भी अनदेखी की। सिद्धरामैया ने सोमवार को मुठभेड़ के बारे में कुछ बुद्धिजीवियों द्वारा संदेह व्यक्त किए जाने के बारे में पूछे गए सवाल के जवाब में कहा एक स्थायी आदेश है। हमने कहा है कि अगर वे (नक्सली) आत्मसमर्पण करते हैं तो उन्हें सभी सुविधाएं दी जाएंगी। उन्होंने (गौड़ा) आत्मसमर्पण नहीं किया। केरल सरकार ने उन पर 25 लाख रुपये का इनाम घोषित किया था, हमारी सरकार ने 5 लाख रुपये का इनाम घोषित किया था। उन्होंने पूछा, आपको इसकी (मुठभेड़) सराहना करनी चाहिए। क्या नक्सलवाद रहना चाहिए या खत्म हो जाना चाहिए? उडुपी जिले के हेबरी के पास कब्बीनाले इलाके में पीतेबाइलू गांव के पास एएनएफ और माओवादियों के एक समूह के बीच कथित गोलीबारी में गौड़ा (46) की मौत हो गई। अधिकारियों के अनुसार, वह कर्नाटक के सबसे वांछित माओवादी नेताओं

में से एक था, जिसके खिलाफ राज्य में हत्या और जबरन वसूली सहित 61 मामले और केरल में 19 मामले दर्ज हैं। इससे पहले कर्नाटक के गृह मंत्री जी परमेश्वर ने मंगलवार को कहा कि नक्सली नेता विक्रम गौड़ा के साथ आए तीन अन्य लोग भाग गए हैं, जिन्हें 18 नवंबर की रात को उडुपी जिले में कर्नाटक पुलिस ने मार गिराया था और पुलिस उनकी तलाश कर रही है। उन्होंने कहा कि गौड़ा ने पुलिस पर हमला करना शुरू कर दिया, जिसके कारण पुलिस ने उसे मार गिराया। उन्होंने कहा नक्सली विक्रम गौड़ा 20 साल से फरार था। पिछले सप्ताह राजू और लता नाम के दो नक्सली देखे गये थे। इसी पृष्ठभूमि में पहाड़ी इलाके में कांबिंग चल रही थी। कुछ सूचनाओं के आधार पर पुलिस उसकी तलाश में निकली। पुलिस को देखते ही नक्सलियों ने फायरिंग शुरू कर दी। बदले में एनकाउंटर होना तय था। ऑपरेशन में विक्रम गौड़ा की मौत हो गई और उनके साथ मौजूद 2-3 लोग भाग निकले। उन्होंने कहा कि फिलहाल इससे ज्यादा जानकारी नहीं है। उन्होंने कहा कि सरकार उन लोगों को हर तरह की सहायता देने के लिए तैयार है जो हथियार छोड़कर समाज की मुख्यधारा में शामिल होना चाहते हैं और सामान्य जीवन जीना चाहते हैं। पिछले 20 वर्षों से नक्सली के रूप में पहचाने जाने वाले विक्रमगौड़ा छुपे हुए थे। पुलिस की लाख कोशिशों के बाद भी पुलिस उसे गिरफ्तार नहीं कर सकी और न ही उसका एनकाउंटर कर सकी। इससे पहले कई नक्सलियों ने हथियार डालकर आत्मसमर्पण कर दिया था। उन्हें बाद में समाज की मुख्यधारा में शामिल किया गया। पावागढ़ा समेत कई हिस्सों में नक्सलियों ने इसी तरह सरेंडर किया। वह योजना अभी भी चल रही है। उन्होंने कहा कि जो नक्सली हथियार डालकर आत्मसमर्पण करना चाहते हैं, सरकार उनका पुनर्वास करेगी।

माओवादी एनकाउंटर मामला

पुलिस ने कानून का पालन किया, सुरक्षा पर राजनीति का सवाल ही नहीं: परमेश्वर

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। कर्नाटक पुलिस द्वारा माओवादी विक्रम गौड़ा के एनकाउंटर पर टिप्पणी करते हुए गृह मंत्री जी. परमेश्वर ने बुधवार को स्पष्ट किया कि सब कुछ कानून के दायरे में किया गया। कर्नाटक पुलिस ने सोमवार शाम को उडुपी जिले के कबीनाले वन क्षेत्र में मुठभेड़ में दक्षिण भारत के सबसे वांछित माओवादी नेताओं में से एक विक्रम गौड़ा को मार गिराया था। हालांकि, कुछ तत्वों ने मामले की जांच की मांग की है। इस मुद्दे पर राजनीति पर टिप्पणी करते हुए परमेश्वर ने कहा कि विक्रम गौड़ा ने कहा था कि वह आत्मसमर्पण करेगा, लेकिन उसने ऐसा नहीं किया। यहां पत्रकारों से बात करते हुए उन्होंने कहा कि राजनीति का कोई सवाल ही नहीं है, क्योंकि राज्य की सुरक्षा सर्वोपरि है और विक्रम गौड़ा के एनकाउंटर के संबंध में किसी भी संदेह की कोई गुंजाइश नहीं है। वामपंथियों द्वारा की गई आलोचना पर टिप्पणी करते हुए परमेश्वर ने कहा मुझे जो जानकारी मिली है, उसके अनुसार विक्रम गौड़ा के पास खतरनाक हथियार थे। इसके अलावा, हत्या के एक मामले सहित, उसके खिलाफ 60 से अधिक मामले दर्ज थे। उन्होंने बताया एक पखवाड़े पहले नक्सली मुंडागरू लता और राजू को देखा गया था। तत्काल तलाशी अभियान शुरू किया गया। इस बीच सुरक्षा बलों को विक्रम गौड़ा की मौजूदगी और गतिविधियों के बारे में जानकारी मिली। विक्रम गौड़ा को राज्य में माओवादी गतिविधियों को अंजाम देने देना राज्य की सुरक्षा के खिलाफ था। इसी पृष्ठभूमि में मुठभेड़ को अंजाम दिया गया। विक्रम गौड़ा की मुठभेड़ की जांच की मांग करने वाले कुछ लोगों के आह्वान पर कर्नाटक के गृह मंत्री ने कहा आप (मीडिया) हमें बताएं कि विक्रम गौड़ा के पास मशीन गन थी और उसका नाम 60 पुलिस मामलों में था। हमें किस आयाम में उसकी मुठभेड़ की जांच करनी है? मुठभेड़ के बाद भाजपा

नेता सुनील कुमार ने कहा था, नक्सल विरोधी बल (एएनएफ) पुलिस ने कुख्यात नक्सली विक्रम गौड़ा को मुठभेड़ में मार गिराया। मैं पुलिस के प्रयासों की सराहना करता हूं। अपनी जान जोखिम में डालकर पुलिस ने बिना किसी हिचकिचाहट के राष्ट्र विरोधी ताकतों का निर्णायक रूप से मुकाबला करके सराहनीय काम किया है। हालांकि, घटना के बाद कुछ सवाल अभी भी बने हुए हैं। 15 साल बाद राज्य में नक्सली गतिविधियां इतनी खुलकर क्यों सामने आ रही हैं? इसके लिए कौन जिम्मेदार है? उन्होंने दावा किया कि स्थानीय प्रतिनिधियों के प्रयासों और विकास ने स्थानीय लोगों को नक्सली विचारधाराओं को खारिज करने के लिए प्रेरित किया है। स्थानीय समर्थन के बिना, नक्सली गतिविधियां लगभग खत्म हो गई थीं। लेकिन कांग्रेस सरकार के सत्ता में आने के बाद, इन गतिविधियों को नई गति मिली है। क्या सीएम सिद्धरामैया द्वारा शहरी नक्सलियों को दिखाया गया प्रत्यक्ष और अप्रत्यक्ष समर्थन इस पुनरुत्थान के पीछे की प्रेरणा हो सकता है?

सरकार ने राज्य में निर्माण श्रमिकों के कार्ड रद्द करने की कर ली तैयारी

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। आय सीमा के बहाने बीपीएल राशन कार्ड रद्द करने के सरकार के फैसले के बाद पूरे राज्य में जनता के विरोध के बाद सरकार ने राज्य में निर्माण श्रमिकों के कार्ड रद्द करने की तैयारी कर ली है। कुछ तकनीकी कारणों का हवाला देकर श्रम विभाग ने चुप-चाप 2.46 लाख कार्ड रद्द करने की तैयारी कर ली है। बताया जा रहा है कि श्रम विभाग पहले ही 2,46,951 कार्डों को फर्जी बता चुका है और जल्द ही इनका ट्रायल भी कराया जाएगा। राज्य सरकार ने केंद्र सरकार के ई-श्रम पोर्टल को एकीकृत कर केवल आधार कार्ड आधारित पंजीकरण के माध्यम से पात्रों को सुविधा प्रदान करने के लिए कदम उठाया है। भवन एवं अन्य सन्निर्माण कर्मकार कल्याण बोर्ड में लगभग 38 लाख 42 हजार श्रमिकों का पंजीयन किया गया है। 38.42 लाख में से 2.46 हजार कार्ड निलंबित किये जा रहे हैं। हावेरी में सबसे ज्यादा 1,69,180 कार्ड रद्द किये जायेंगे। विवाह, मृत्यु, प्रसव, दुर्घटना की स्थिति में बड़ी मात्रा में वित्तीय सहायता उपलब्ध है। इसी पृष्ठभूमि में फर्जी जॉब कार्ड बनाए जाते हैं। ऑनलाइन आवेदन कर कार्ड बनवाने का मौका है, क्योंकि लाखों लोग ऑनलाइन आवेदन करते हैं, ऐसे में श्रम विभाग के लिए रिकॉर्ड जांचना मुश्किल होता है। यह उन लोगों के लिए सुविधाजनक है जो फर्जी कार्ड बनवाते हैं। मोबाइल ऐप के जरिए ई-अटेंडेंस की सुविधा देने की योजना बनाई गई है। जिस स्थान पर भवन एवं अन्य निर्माण कार्य चल रहा हो, वहां जाकर श्रमिकों का पंजीयन स्वयं कराने की योजना बनाई गई है। मौके पर ही ई-कार्ड जारी करने की व्यवस्था भी लागू करने की

तैयारी की जा रही है। श्रम विभाग ने डॉ. बीआर अंबेडकर सेवा केंद्र की स्थापना की है, जो वास्तविक निर्माण श्रमिकों को विशेषाधिकार प्रदान करने के साथ-साथ नकली कार्डों की खोज भी कर रहा है। सरकार ने अब एक कदम उठाया है। प्रवासी होने के कारण, वे काम के लिए एक शहर से दूसरे शहर जाते हैं। हर जगह रजिस्ट्रेशन के बजाय पोर्टिंग का प्रावधान किया गया है। एक बार कार्ड प्राप्त हो जाने के बाद, यह जहां भी काम करता है, वहां जानकारी रखने की व्यवस्था की जाती है। कार्डधारकों को कई सुविधाएं मिलती हैं। कर्नाटक भवन और अन्य निर्माण श्रमिक कल्याण बोर्ड वृद्धावस्था पेंशन, विकलांगता पेंशन, टूल किट, आवास सुविधा, मातृत्व, शैक्षिक सब्सिडी, चिकित्सा सब्सिडी सुविधा, दुर्घटना मुआवजा, विवाह सब्सिडी, अंतिम संस्कार व्यय आदि जैसी 15 से अधिक सुविधाओं के लिए वित्तीय सहायता प्रदान करता है।

मुडा घोटाला मामला

सीएम के साले ने लोकायुक्त पुलिस के समक्ष गवाही दी

मैसूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। कर्नाटक के मुख्यमंत्री सिद्धरामैया के साले मल्लिकार्जुन स्वामी ने कथित मुडा साइट आवंटन घोटाले की जांच कर रही लोकायुक्त पुलिस के समक्ष गवाही दी।

लोकायुक्त सूत्रों ने बताया कि स्वामी मंगलवार रात करीब 8 बजे दस्तावेजों के साथ लोकायुक्त पुलिस कार्यालय पहुंचे। सूत्रों के अनुसार, लोकायुक्त अधिकारियों ने बैंक लेनदेन से संबंधित विवरण मांगे। लोकायुक्त पुलिस द्वारा दर्ज मैसूरु शहरी विकास प्राधिकरण मामले में तीसरे नंबर के आरोपी मल्लिकार्जुन स्वामी से पहले भी पूछताछ की जा चुकी है। मुडा मामले में मुख्यमंत्री सिद्धरामैया और उनकी पत्नी पार्वती बी एम भी आरोपी हैं। लोकायुक्त पुलिस सामाजिक कार्यकर्ता स्नेहमयी कृष्णा की शिकायत के बाद पार्वती को मैसूरु के पॉश इलाके में 14 मुडा स्थलों के आवंटन की जांच कर रही है।

सिद्धरामैया, शिवकुमार कर्नाटक को बना रहे पाकिस्तान: आर अशोक

चिक्कबल्लापुर/शुभ लाभ ब्यूरो। कर्नाटक में विपक्ष के नेता आर अशोक ने मंगलवार शाम को आरोप लगाया कि मुख्यमंत्री सिद्धरामैया और उपमुख्यमंत्री डी के शिवकुमार अपनी नीतियों से कर्नाटक को पाकिस्तान बना रहे हैं।

जब तक यह सरकार सत्ता में है, यह स्थिति बनी रहेगी। हम वक्फ बोर्ड को खत्म करने की मांग को लेकर शीतकालीन सत्र में कर्नाटक विधानसभा में जोरदार लड़ाई लड़ेंगे। वक्फ बोर्ड बेकाबू होकर फैल रहा कैंसर है। मैं इसके खिलाफ विधानसभा में जोरदार लड़ाई लड़ने और इसे खत्म करने की मांग करने की कसम खाता हूं, यह सुनिश्चित करते हुए कि इस मुद्दे को नजरअंदाज नहीं किया जाएगा। उन्होंने भाजपा सांसद के सुधाकर के साथ वक्फ विवाद पर भाजपा द्वारा चिक्कबल्लापुर शहर में आयोजित एक विरोध रैली को संबोधित करते हुए यह बात कही। उन्होंने कहा कि वक्फ बोर्ड जमीन और संपत्तियों पर कब्जा कर रहा है। अलग राष्ट्र की मांग करने वाले मुसलमानों को पाकिस्तान दे दिया गया। इसके बावजूद पूर्व प्रधानमंत्री मनमोहन सिंह ने कहा कि इस जमीन पर पहला

अधिकार मुसलमानों का है। उन्होंने कहा हम ऐसे बयानों को स्वीकार नहीं कर सकते। कोलार में हनुमान मंदिर के पास कब्रिस्तान का निर्माण और प्रसिद्ध व्यक्तित्व स्वर्गीय सर एम. विश्वेश्वरैया द्वारा अध्ययन किए गए ऐतिहासिक स्कूल को कथित तौर पर वक्फ संपत्ति के रूप में शामिल करने जैसी घटनाएं इसके उदाहरण हैं। वक्फ बोर्ड अलग कानूनों के तहत काम कर रहा है। हिंदुओं के लिए अलग कानून हैं। कांग्रेस पार्टी ने हिंदुओं की दुर्दशा को इस स्तर तक पहुंचा दिया है। उन्होंने कहा कि वक्फ बोर्ड संपत्तियों पर मालिकाना हक जताने के लिए पुराने दस्तावेजों को गढ़ने में लगा है और कांग्रेस सरकार इन गतिविधियों का समर्थन कर रही है। जबकि हिंदुओं को अपनी जमीन बचाने के लिए सरकारी दफ्तरों के चक्कर लगाने पड़ते हैं, वहीं वक्फ रातों-रात संपत्तियों पर कब्जा कर लेता है। अगर हम जागरूकता नहीं फैलाएंगे, तो हमारे मंदिर गायब हो जाएंगे। यहां तक कि मांड्या जिले के श्रीरंगपटना शहर में भी मंदिरों की जमीन को वक्फ संपत्ति के तौर पर चिह्नित किया गया है। लोगों को सटीकता सुनिश्चित करने के लिए अपने भूमि रिकॉर्ड की जांच करनी चाहिए। उन्होंने दावा किया कि मंत्री जमीर अहमद खान समेत कांग्रेस के नेता जानबूझकर वक्फ सूची में जमीन जोड़ रहे हैं, जबकि आम लोग आवासीय भूखंड पाने के लिए संघर्ष कर रहे हैं, मुख्यमंत्री ने खुद 14 भूखंड जब्त कर लिए हैं। यह सरकार हिंदुओं को उनके अधिकारों से वंचित कर रही है। प्रधानमंत्री मोदी वक्फ बोर्ड के खतरे को खत्म करने के लिए एक नया विधेयक लाने पर काम कर रहे हैं। किसानों और हिंदू संपत्तियों को पंजीकृत करने के वक्फ बोर्ड के प्रयास मंदिरों, स्कूलों और कृषि भूमि को निशाना बनाकर भूमि जिहाद अभियान है।

पूर्णिया एयरपोर्ट भी भरेगा कामयाबी की उड़ान, चार महीने में बनकर तैयार होगा अंतरिम टर्मिनल : संजय झा

पटना (एजेंसियां)।

जनता दल यूनाईटेड के कार्यकारी अध्यक्ष संजय झा ने पूर्णिया एयरपोर्ट को लेकर बयान दिया है। उन्होंने कहा कि हमें विश्वास है, जिस तरह दरभंगा एयरपोर्ट सफलता के निरंतर नये कीर्तिमान स्थापित कर रहा है, निकट भविष्य में पूर्णिया एयरपोर्ट भी कामयाबी की उड़ान भरना शुरू करेगा। पूर्णिया एयरपोर्ट की शुरूआत आसपास के कई जिलों के लोगों के लिए बड़ी सौगात साबित होगी। सांसद संजय झा ने कहा कि पूर्णिया एयरपोर्ट पर बनने वाले अंतरिम टर्मिनल का डिजाइन तैयार हो गया है। एयरपोर्ट अथॉरिटी ऑफ इंडिया ने इसके निर्माण के लिए टेंडर भी जारी कर दिया है। यह अंतरिम टर्मिनल टेंडर आवंटित होने के बाद चार महीने में बनकर तैयार हो जाएगा।

संजय झा ने आगे कहा कि पूर्णिया एयरपोर्ट पर चहारदीवारी के निर्माण के लिए एयरपोर्ट अथॉरिटी ऑफ इंडिया और भवन निर्माण विभाग, बिहार सरकार के बीच कल चेण पर हस्ताक्षर हो गये हैं।

सोशल मीडिया पर पोस्ट लिखकर उन्होंने कहा कि हमलोग पीएम नरेंद्र मोदी के आभारी हैं कि उन्होंने छोटे शहरों में रहने वाले आम लोगों के हवाई सफर के सपने को पूरा करने के उद्देश्य से 'उड़ान' जैसी क्रांतिकारी योजना शुरू की और इसके तहत बिहार को दो एयरपोर्ट दिये। सीएम नीतीश कुमार का आभार जताते हुए कहा कि सीएम ने उड़ान स्कीम का एक एयरपोर्ट पूर्णिया में स्थापित करने का फैसला किया और लगातार इसकी मॉनिटरिंग करते रहे। उन्होंने 24 अगस्त 2024 को भी पूर्णिया जाकर एयरपोर्ट से संबंधित कार्यों की समीक्षा की थी। इस दौरान उन्होंने पूर्णिया सैन्य हवाई अड्डे से सिविल एयरपोर्ट का संचालन शुरू करने में पेश आ रही समस्याओं का निराकरण करते हुए एयरपोर्ट का निर्माण कार्य शीघ्र प्रारंभ कराने के निर्देश अधिकारियों को दिये थे। साथ ही पूर्णिया एयरपोर्ट तक यात्रियों के सुचारु आवागमन के लिए सड़क संपर्कता एवं अन्य मूलभूत सुविधाओं की बेहतर व्यवस्था सुनिश्चित करने को भी कहा था।

वहीं संजय झा ने कहा कि केंद्रीय केंद्रीय नागरिक उड्डयन मंत्री से मैंने 21 सितंबर 2024 को मुलाकात की थी और पूर्णिया एयरपोर्ट से जल्द उड़ान शुरू करने की दिशा में जरूरी कार्रवाई करने का अनुरोध किया था। मैंने उन्हें बताया था कि पूर्णिया में रनवे का निर्माण तथा कई अन्य तैयारियां पूरी कर ली गई हैं। बिहार सरकार ने चहारदीवारी निर्माण का प्रस्ताव एयरपोर्ट अथॉरिटी ऑफ इंडिया को भेज दिया है, जिसकी स्वीकृति मिलते ही राज्य सरकार चहारदीवारी निर्माण कार्य शुरू करा देगी। साथ ही उनसे अनुरोध किया था कि जिस तरह दरभंगा में एक अंतरिम टर्मिनल का निर्माण कर उड़ान सेवा संचालित की जा रही है, उसी तरह पूर्णिया में भी तत्काल एक अंतरिम टर्मिनल का निर्माण कर उड़ान सेवा जल्द शुरू कराने की पहल करें। माननीय मंत्री ने उक्त अनुरोधों को गंभीरता से लेते हुए विभागीय अधिकारियों को आवश्यक कार्रवाई के निर्देश दिये। इसके बाद मैंने पिछले माह नई दिल्ली में परिवहन, पर्यटन एवं संस्कृति संबंधी स्थाई संसदीय समिति की बैठक के दौरान भी अधिकारियों से पूर्णिया एयरपोर्ट की प्रगति के संबंध में चर्चा की थी।

आईटीआई छात्रा की संदिग्ध मौत

कोसी (एजेंसियां)।

सुपौल के महिला आईटीआई कॉलेज के हॉस्टल में एक छात्रा द्वारा आत्महत्या किए जाने का मामला सामने आया है। छात्रा का शव मंगलवार को हॉस्टल के कमरे में फंदे से लटका हुआ पाया गया। पुलिस ने कमरे का दरवाजा तोड़कर शव को बरामद किया। मृतका की पहचान निर्मली थानाक्षेत्र के वेलासिंगारमोती निवासी रामएकबाल महतो की बेटी पुनिता कुमारी (सत्र 2023-25 की छात्रा) के रूप में हुई है।

जानकारी के मुताबिक, सुबह अन्य छात्राओं ने पुनिता के कमरे का दरवाजा बंद पाया और खटखटाने के बावजूद दरवाजा नहीं खुला। संदेह होने पर हॉस्टल प्रबंधन और पुलिस को सूचना दी गई। सदर थाना पुलिस ने मौके पर पहुंचकर दरवाजा तोड़ा, तो अंदर शव फंदे से लटका हुआ था।

मृतका के चचेरे मामा सहदेव मेहता ने बताया कि पुलिस द्वारा दरवाजा खोलने पर पुनिता का शव लटका हुआ पाया गया। आत्महत्या के कारणों का पता नहीं चल सका है। वहीं, सदर थाना अध्यक्ष अनिरुद्ध कुमार ने बताया कि कमरे का दरवाजा अंदर से बंद था। प्रारंभिक जांच में यह मामला आत्महत्या का प्रतीत हो रहा है। हालांकि, सभी संभावित कारणों की गहन जांच की जा रही है। पुलिस ने शव को पोस्टमॉर्टम के लिए सदर अस्प-ताल भेज दिया है।

घटना के पीछे संभावित कारण अभी स्पष्ट नहीं हैं। पुलिस छात्रा के मानसिक स्थिति, व्यक्तिगत कारणों या किसी दबाव की जांच कर रही है। वहीं, इस घटना ने कॉलेज और हॉस्टल में शोक और चिंता का माहौल बना दिया है। छात्राओं और प्रबंधन से पूछताछ कर घटना से जुड़े तथ्यों को जानने का प्रयास किया जा रहा है।

राजद विधायक के छोटे भाई को एसटीएफ ने किया गिरफ्तार

जदयू नेता हत्याकांड में 11 साल से फरार था

गया (एजेंसियां)।

बिहार की चर्चित जदयू नेता सुमरिक यादव हत्याकांड मामले में 11 साल के बाद पुलिस को सफलता हाथ लगी है। हत्याकांड के मुख्य आरोपी अतरी विधानसभा के राजद विधायक अजय यादव उर्फ रंजीत यादव के छोटे भाई विवेक यादव को पुलिस ने गिरफ्तार किया है। उक्त मामले में गिरफ्तार विवेक यादव के पिता राजद के पूर्व अतरी विधायक राजेंद्र यादव और उनकी पत्नी पूर्व विधायक कुंती देवी को गया व्यवहार न्यायालय से उम्रकैद की सजा सुनाई गई थी। सजा काटने के दौरान पूर्व विधायक कुंती देवी की तबीयत बिगड़ गई थी। इलाज के दौरान मौत हो गई थी।

जदयू नेता हत्याकांड से ही अतरी के राजद विधायक अजय यादव के छोटे भाई विवेक यादव फरार चल रहा था। तबसे पुलिस विवेक यादव की तलाश कर रही थी। मंगलवार की देर रात 11 साल से फरार अतरी विधानसभा से राजद विधायक अजय यादव उर्फ रंजीत यादव के भाई विवेक यादव को एसटीएफ की टीम ने गिरफ्तार किया है। जदयू के तत्कालीन प्रखंड अध्यक्ष सुमिरक यादव की हत्या 26 फरवरी 2013 को नीमचक बथानी बाजार में राजनीतिक रंजिश के कारण लाठी-डंडे और लोहे की रॉड से पीट-पीटकर किया गया था। उस दौरान पांच लोगों के खिलाफ एफआईआर दर्ज किया गया था।

एफआईआर में कहा गया था कि अतरी के पूर्व विधायक स्व कुंती देवी के इशारे पर अन्य अभियुक्तों के द्वारा लाठी डंडा और लोहे की रॉड से मारकर सुमिरक यादव की हत्या की गई थी। इस हत्याकांड में अतरी विधायक कुंती देवी को उम्रकैद की सजा सुनाई गई थी। गया केन्द्रीय कारागार में उम्रकैद की सजा काटने के दौरान तबियत खराब होने पर पीएमसीएच ले जाया गया था। जहां 23 अप्रैल 2021 को निधन हो गया था। कुंती देवी के निधन के बाद उसका पुत्र अजय यादव उर्फ रंजीत यादव राजद के अतरी से वर्तमान विधायक है।

सरकारी अस्पताल में डीएम के औचक निरीक्षण से हड़कंप, रोस्टर में गायब दिखे डॉक्टर

मुजफ्फरपुर (एजेंसियां)।

मुजफ्फरपुर के डीएम सुब्रत सेन ने मंगलवार को सदर अस्पताल का औचक निरीक्षण कर स्वास्थ्य सेवाओं की खामियों पर सख्त रुख अपनाया। निरीक्षण के दौरान कई चिकित्सकों के ड्यूटी रोस्टर के अनुसार अनुपस्थित पाए जाने और अस्पताल में अव्यवस्थाओं के कारण डीएम ने प्रबंधक और स्टाफ को फटकार लगाई। उन्होंने स्पष्ट चेतावनी दी कि मरीजों के इलाज में लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी और दोषी कर्मियों पर कार्रवाई की जाएगी।

डीएम सुब्रत सेन ने निरीक्षण के दौरान ओपीडी, ऑपरेशन थिएटर (ओटी) और विभिन्न विभागों की व्यवस्था का जायजा लिया। मरीजों से बातचीत कर उन्होंने अस्पताल में दी जा रही सुविधाओं के बारे में जानकारी प्राप्त की। इस दौरान कई चिकित्सक ड्यूटी रोस्टर के अनुसार मौजूद नहीं थे। वहीं, नाइट ड्यूटी वाले डॉक्टर दिन में ड्यूटी पर दिखे, जबकि कुछ चिकित्सक अनुपस्थित पाए गए। साथ ही बड़ी संख्या में मरीजों के लौटने और लंबी कतारों की शिकायतों पर डीएम ने नाराजगी व्यक्त की।

डीएम ने अस्पताल अधीक्षक से रोस्टर की पूरी रिपोर्ट मांगी है। उन्होंने अनुपस्थित चिकित्सकों को शो-कॉज नोटिस जारी करने और कुछ के वेतन काटने का निर्देश दिया है।

डीएम ने कहा कि अस्पताल प्रबंधन को मरीजों की बढ़ती संख्या को देखते हुए संसाधन और व्यवस्था में सुधार करना होगा। डीएम ने मरीजों की भीड़ को नियंत्रित करने और ओपीडी सेव-ाओं को बढ़ाने के निर्देश दिए। उन्होंने स्पष्ट कहा कि ऑपरेशन और डिलीवरी के लिए आने वाले मरीजों को वापस नहीं लौटना चाहिए। डीएम ने पुराने और नए भवनों की व्यवस्थाओं की तुलना करते हुए स्टाफ और डॉक्टरों को गंभीरता से काम करने की हिदायत दी।

निरीक्षण में ऑपरेशन थिएटर से जुड़े मरीजों के प्रबंधन में खामियां सामने आईं। डीएम ने निर्देश दिया कि ऑपरेशन के बाद मरीजों को बेहतर देखभाल के लिए भर्ती किया जाए और यह सुनिश्चित किया जाए कि कोई भी मरीज इलाज अधूरा छोड़कर वापस न जाए।

डीएम ने कहा कि राज्य सरकार के निर्देश के तहत अस्पतालों में चिकित्सा सेवाओं को बेहतर बनाना सर्वोच्च प्राथमिकता है। उन्होंने कहा कि मरीजों की शिकायतों को नजरअंदाज करने वालों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की जाएगी।

बिहार के 1.14 लाख शिक्षकों को राज्यकर्मी का दर्जा

सीएम नीतीश कुमार ने वितरण किए नियुक्ति पत्र

पटना (एजेंसियां)।

बिहार के एक लाख 14 हजार 138 नियोजित शिक्षकों को राज्यकर्मी का दर्जा मिल गया है। इसके लिए पटना समेत कई जिले में नियुक्ति पत्र वितरण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। गया, भोजपुर, कैमूर, सीतामढ़ी, वैशाली, मुजफ्फरपुर में आचार संहिता लागू होने के कारण यहां नियुक्ति पत्र वितरण कार्यक्रम नहीं हो रहा। पटना में सीएम नीतीश कुमार, उपमुख्यमंत्री सम्राट चौधरी, मंत्री विजेंद्र यादव, मंत्री विजय चौधरी, मंत्री सुनील कुमार ने सक्षमता परीक्षा पास नियोजित शिक्षकों नियुक्ति पत्र प्रदान किया। जिन नियोजित शिक्षकों ने सक्षमता परीक्षा पास कर लिया, उन्हें राज्यकर्मी का दर्जा मिल गया। अब से यह विशिष्ट शिक्षक कहलाए जाएंगे

सीएम नीतीश कुमार ने कहा कि यह बहुत खुशी की बात है कि नियोजित शिक्षक अब सक्षमता परीक्षा पास कर राज्यकर्मी बन गए हैं। आप सबलोग हाथ उठाकर शपथ लीजिए कि बच्चों को खूब पढ़ाइएगा। अच्छे से पढ़ाइएगा। आप सब लोगों को बहुत बहुत शुभकामनाएं। सबलोग बुलंदी से रहिए।

सीएम नीतीश ने कहा कि हमलोगों जब 2005 में आए थे तब शिक्षा और स्वास्थ्य की व्यवस्था कैसी थी? यह सब जानते ही हैं। पहले लोग घर से कोई निकलता था। शाम होते ही लोग घर में रहते थे। हम जब सांसद थे तो अपने क्षेत्र में घूमने के लिए भी पैदल चलना पड़ता था। पहले स्कूलों की संख्या भी काफी कम थी। जितने लोगों को पढ़ना था, वह पढ़ नहीं पाते थे। इसके बाद हमलोग आए तो शिक्षा पर काम किया। पंचायत और नगर निकाय स्तर पर बड़े पैमाने पर स्कूल में शिक्षकों की बहाली की गई।

सीएम नीतीश कुमार ने कहा कि शिक्षक भर्ती परीक्षा के दो चरणों में दो लाख 17 हजार से अधिक शिक्षकों की बहाली हुई। इसी समय हमलोगों ने फैसला लिया कि नियोजित शिक्षकों को सक्षमता परीक्षा पास करवाकर राज्यकर्मी का दर्जा दिलवाया जाए। सरकार ने निर्णय लिया कि इन लोगों ने शुरू से काम किया तो इन्हें राज्यकर्मी बनाया जाए। पहली सक्षमता परीक्षा में एक लाख 87 हजार 818 नियोजित शिक्षक पास हुए। दूसरी सक्षमता परीक्षा में 65 हजार नियोजित शिक्षक पास हुए। परीक्षा पास करते के बाद सभी लोग राज्यकर्मी बन जाएंगे। बाकी और परीक्षाएं ली जाएंगे। 85 हजार नियोजित शिक्षक शेष बचे हैं। हमलोग चाहते हैं कि उनकी भी परीक्षा हो जाए और पास कर सरकारी शिक्षक बन जाएं। अब आप जान लीजिए कि हमलोगों ने कितना काम किया है। 2005 से अब तक बिहार के विकास में लगे हैं। स्कूल में पोशाक और साइकिल बांटे गए।

सीएम नीतीश कुमार ने महागठबंधन के साथ जाने वाली बात को फिर से दुहराई। उन्होंने फिर कहा कि अब हम एनडीए को छोड़कर कहीं नहीं जाएंगे। सीएम नीतीश कुमार ने कहा कि एक एक काम सबलोगों ने मिलकर लोगों ने मिलकर किया। बाकी तो दो बार हमलोगों से गलती करवा दिए तो उधर चले गए।

सीएम नीतीश कुमार ने कहा कि हमलोगों का रिश्ता 1995 से ही था। हमलोग साथ में थे। बीच में इधर-उधर चले गए थे। अब हमलोग कहीं नहीं जाएंगे। एक-एक काम हो रहा था। पहले सब एक एक काम साथ मिलकर करते थे। अब हमलोग कहीं जाएंगे।

वहीं शिक्षा मंत्री सुनील कुमार ने कहा कि बिहार की शिक्षा व्यवस्था में काफी महत्वपूर्ण बदलाव आया है। 2024 में 63 हजार करोड़ का बजट केवल शिक्षा का रखा गया। बिहार में पांच लाख 77 हजार शिक्षक हैं। महिला साक्षरता 77 फीसदी है। शिक्षकों से अपनी है कि आप अनुशासन में रहें। आपके हाथ में बिहार का भविष्य है। आप बच्चों को अच्छा नागरिक बनाएं।

मुझे मरवाना है तो मरवाएं, लेकिन परिवार की बात नहीं करें : पप्पू यादव

पूर्णिया (एजेंसियां)।

पूर्णिया सांसद राजेश रंजन उर्फ पप्पू यादव ने स्थानीय अर्जुन भवन में प्रेस वार्ता कर स्पष्ट किया है कि उन्हें बार-बार धमकियां मिल रही हैं। वह धमकियों से डरने वाले नहीं हैं, लेकिन मामले की जांच होनी चाहिए। फोन कॉल से लेकर मोबाइल एसएमएस से भी धमकियां मिली हैं। उन्होंने कहा कि मुझे मरवाना है तो मरवाएं, लेकिन परिवार की बात नहीं करें। 27 से संसद सत्र प्रारंभ हो रहा है, लेकिन वहां वे अपने लिए कोई मांग नहीं रखेंगे। जनता के लिए उनका संघर्ष जारी रहेगा। कोसी और सीमांचल का विकास ही उनकी प्राथमिकताओं में शामिल है। धमकियों को लेकर सरकार गंभीर नहीं है। इसके पीछे के लोगों को सच सामने आना चाहिए। पूर्णिया सांसद ने स्पष्ट किया कि बिना व्यवस्था में बैठे लोगों की सहमति से यह सब होना संभव नहीं है। सिस्टम को पप्पू यादव से दिक्कत है तो हमें मरवा दे, लेकिन परिवार की बात नहीं करें।

बीते कुछ दिनों से पप्पू यादव को लगातार धमकियां मिल रही हैं। कथित रूप से लॉरेंस बिश्नोई गैंग के गुर्गे पप्पू यादव को धमकी दे रहे हैं। 18 नवंबर को पप्पू यादव को पाकिस्तान के नंबर से वॉट्सऐप कॉल आया था। धमकी देते हुए शख्स ने कहा, अगर पप्पू यादव ने लॉरेंस बिश्नोई से माफी नहीं मांगी तो 24 दिसंबर से पहले जान से मार देंगे। पप्पू यादव ने आगे कहा कि बांध और भीमनगर बराज के नवीनीकरण का मुद्दा वह उठाते रहे हैं। इसको लेकर पीएम को भी पत्र का लिखा था, जिसके जवाबी पत्र के बारे में बताते हुए उन्होंने कहा कि सूचना के अनुसार, 2026 तक डीपीआर बनकर तैयार होगा और 2027 तक कार्य प्रारंभ हो जाएगा।

पत्र के अनुसार, नेपाल में स्थित सप्तकोसी बांध बहुउद्देशीय परियोजना और सप्तकोसी कमला डाइवर्जन बहुउद्देशीय के लिए विस्तृत परियोजना रिपोर्ट तैयार करने के लिए 2003 में एक संयुक्त परियोजना कार्यालय का गठन किया गया था। सप्तकोसी उच्च बांध एक भंडारण परियोजना है। जिसकी अवधारणा उत्तरी बिहार में बाढ़ रोकने के लिए बाढ़ कुशल प्रदान करने के लिए की गई है। उन्होंने बताया कि केंद्रीय जल आयोग द्वारा सूचित किया गया है कि वर्तमान परिस्थितियों में परियोजना का सर्वेक्षण और अन्वेषण का कार्य और विस्तृत परियोजना रिपोर्ट मार्च 2026 तक पूरी हो जाएगी। पूर्णिया को पहले ही तीन एनएच मिल चुका है एक्सप्रेस वे में अधिकांश हिस्सा पूर्णिया का आ रहा है। उन्होंने दावा किया कि हवाई अड्डा की मांग पूर्ण हो गई है। बांध और सड़क का उनका वादा जल्द पूर्ण हो जाएगा। वे क्षेत्र के विकास के लिए लगातार प्रयत्नशील रहेंगे।

भोजपुर में दुकानदार की धारदार हथियार से हत्या, वजह तलाश रही पुलिस

पटना (एजेंसियां)।

भोजपुर में अपराधियों ने एक दुकानदार की धारदार हथियार से हमला कर उसकी हत्या कर दी है। मृतक के सिर और गर्दन पर धारदार हथियार से हमला किया गया है, जिससे उसकी घटनास्थल पर ही मौत हो गई। घटना को लेकर गांव एवं आसपास के इलाके में सनसनी मच गई है। मृतक गंगाजल डिहरी गांव निवासी गुपुत साह का पुत्र श्याम बाबू साह (35) बताया गया है। घटना तीयर थाना क्षेत्र के गंगाजल डिहरी गांव स्थित नहर के पास की है।

घटना के संबंध में परिजनों और ग्रामीणों का कहना है कि श्याम बाबू साह छोटा दुकानदार था एवं वह ठेला पर चाट और गोलगप्पा लेकर गांव में घूम-घूमकर बेचता था। उधर घटना के बाद स्थानीय ग्रामीणों का आक्रोश भड़क उठा, जिसके बाद आक्रोशित ग्रामीणों ने आरोपियों की गिरफ्तारी की मांग को लेकर गंगाजल डिहरी गांव स्थित मुख्य सड़क को जाम कर दिया। सड़क जाम होने के कारण दोनों तरफ वाहनों की लंबी कतारें लग गई एवं आवागमन पूरी तरह से ठप हो गया।

घटना और सड़क जाम की सूचना मिलने पर तीयर थानाध्यक्ष उमाकांत राय पुलिस बल के साथ घटनास्थल पर पहुंचे और लोगों को समझाने-बुझाने में जुट गए। उन्होंने जाम को हटवाया और फिर एफएसएल की टीम को भी बुलाया। एफ.एस.एल की टीम घटनास्थल पर पहुंची और घटनास्थल पर साक्ष्य को संकलन किया. पुलिस शव को अपने कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए आरा सदर अस्पताल भेज दिया है। भोजपुर पुलिस अधीक्षक मिस्त्र राज ने एक टीम का गठन कर अपराधियों के धड़पकड़ के लिए छापेमारी शुरू कर दी है।

घटना के संबंध में तियर थाना अध्यक्ष उमाकांत राय ने फोन पर बताया कि ग्रामीणों के द्वारा एक युवक की हत्या की सूचना मिली थी। सूचना मिलते ही तत्काल हमलोग घटनास्थल पर पहुंच कर जांच पड़ताल शुरू कर दिए। शुरुआती दौर में हत्या के कारण की स्पष्ट जानकारी नहीं मिली है। थानाध्यक्ष ने बताया कि युवक की हत्या किसी लोहे के हथियार से करने की आशंका है। अभी मामले की जांच की जा रही है। उन्होंने कहा कि परिजनों के आवेदन के आधार पर आगे की कार्यवाई की जावेगी।

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक, सम्पादक गोपाल अग्रवाल द्वारा श्री शेषसाई इंटरप्राइजेज प्लॉट नंबर. 98/1, को-ऑपरेटिव इंडस्ट्रीयल एस्टेट, गांधी नगर, बालानगर के पास मेडचेल-मल्काजगिरि जिला. हैदराबाद 500037, तेलंगाना स्टेट से मुद्रित तथा प्लॉट नं. ए-23/5 तथा 6, दूसरा माला, ओपीआईई, बालानगर, हैदराबाद, मेडचल मलकाजगिरी जिला, तेलंगाना राज्य-500037 से प्रकाशित। आर. एन. आई रजिस्टर्ड नं. TELHIN/2019/78163, फोन नं. 040-29551811. E-mail : dailyshubhlabh@gmail.com

मतदान खत्म होते ही एक्ज़िट पोल के आकलन आने लगे

महाराष्ट्र और झारखंड में एनडीए की संभावना प्रबल

नई दिल्ली, 20 नवंबर (एजेंसियां)।

महाराष्ट्र और झारखंड में इस बार पार्टी से ज्यादा गठबंधन चर्चा में रहा। बुधवार को मतदान खत्म होने के बाद कई एजेंसियों के एग्जिट पोल्स सामने आए। महाराष्ट्र में बीते पांच साल के दौरान कई नाटकीय सियासी घटनाक्रम हुए। इसके बाद विधानसभा चुनाव की बारी आई। यहां भाजपा बनाम कांग्रेस के साथ-साथ दो शिव-सेना और दो एनसीपी के बीच मुकाबला था। यानी एकनाथ शिंदे की शिवसेना बनाम उद्धव ठाकरे की शिवसेना और अजीत पवार की एनसीपी बनाम शरद पवार की एनसीपी। दोनों क्षेत्रीय दलों के ये धड़े भाजपा और कांग्रेस की अगुआई वाले गठबंधनों का हिस्सा हैं। 288 सीटों वाले इस राज्य में मतदान की प्रक्रिया बुधवार को खत्म हो गई। इसके बाद एग्जिट पोल्स का सिलसिला शुरू हुआ। इसी के साथ 81 सीटों वाले झारखंड और उत्तर प्रदेश की नौ विधानसभा सीटों पर हुए उप-चुनाव से जुड़े एग्जिट पोल्स भी सामने आए। महाराष्ट्र में विधानसभा चुनाव के लिए आज सभी 288 सीटों पर वोट डाले गए हैं। मतदान खत्म होने के साथ ही तमाम एग्जिट पोल के आकलन भी सामने आने लगे। महाराष्ट्र में अभी तक कुल नौ एग्जिट पोल्स के आंकड़े सामने आए हैं। इसमें से सात एग्जिट पोल्स ने राज्य में महायुति को सबसे ज्यादा सीटें यानी उसके सत्ता वापसी के संकेत दिए हैं। जबकि सिर्फ दो एग्जिट पोल्स में महा विकास अघाड़ी को बहुमत के करीब की सीटें मिलने का अनुमान है।

वहीं 81 विधानसभा सीटों वाले झारखंड में भी विधानसभा चुनाव के लिए आज दूसरे चरण के तहत 38 सीटों पर वोट डाले गए हैं। राज्य में पहले चरण में 43 सीटों पर 13 नवंबर को वोट डाले गए थे। आज चुनाव खत्म होने के बाद एग्जिट पोल्स ने राज्य को लेकर अपने आंकड़े जारी किया है। अभी तक छह एग्जिट पोल्स में से चार में एनडीए को ज्यादा सीटें यानी राज्य में सत्ता वापसी के संकेत है। जबकि मात्र दो एग्जिट पोल्स में झामुमो-कांग्रेस के सत्ता बरकरार रखने का अनुमान है।

दो राज्यों में विधानसभा चुनाव के साथ-साथ उत्तर प्रदेश में नौ विधानसभा सीटों पर उपचुनाव के लिए आज वोटिंग हुई है। यूपी को लेकर कुछ एग्जिट पोल्स ने आंकड़े जारी किए हैं। जिसमें अभी तक तीन के तीनों एग्जिट पोल्स में एनडीए को सबसे ज्यादा सीटें मिलने के संकेत हैं। वहीं समाजवादी पार्टी भाजपा के मुकाबले कम सीटें मिलती दिख रही है।

डिसएंगेजमेंट के बाद भी भारत की सैन्य तैयारियों में कोई कमी नहीं

नई दिल्ली, 20 नवंबर (एजेंसियां)।

पूर्वी लद्दाख में भारत और चीन के बीच हाल ही में हुए डिसएंगेजमेंट के बावजूद भारतीय सेना अपनी सैन्य तैयारियों में कोई कमी नहीं छोड़ रही है। स्वदेशी रूप से विकसित हल्के टैंक जोरावर का अंतिम फील्ड ट्रायल 21 नवंबर से लद्दाख के न्योमा में शुरू होने जा रहा है. यह परीक्षण 15 दिसंबर तक चलेगा. इससे पहले जोरावर का ट्रायल मैदानी और रेगिस्तानी इलाकों में सफलतापूर्वक पूरा हो चुका है।

यह परीक्षण ईस्टर्न लद्दाख के क्षेत्र में हो रहा है, जहां 2020 के सीमा तनाव के दौरान भारत और चीन की सेनाएं आमने-सामने खड़ी थीं। डिसएंगेजमेंट के बाद अब पेट्रोलिंग की पूर्ववर्ती स्थिति बहाल की जा रही है, लेकिन भारतीय सेना इस इलाके में अपनी रणनीतिक बढ़त बनाए रखना चाहती है।

जोरावर का यह परीक्षण लद्दाख के ऊंचाई वाले इलाकों में हो रहा है, जो अपनी कठिन भौगोलिक परिस्थितियों और रणनीतिक महत्व के लिए जाने जाते हैं। न्योमा और पैंगोंग झील के आसपास के क्षेत्र चीन की सीमा के करीब होने के कारण बेहद संवेदनशील हैं।

जोरावर के फायर पावर, मोबिलिटी और प्रोटेक्शन की जांच यहां के दुर्गम इलाकों में की जाएगी ताकि इसे ऊंचाई वाले क्षेत्रों में तैनात करने की उपयुक्तता को सुनिश्चित किया जा सके।

संसद के शीतकालीन सत्र से पहले सरकार ने रविवार को बुलाई सर्वदलीय बैठक

नयी दिल्ली, 20 नवंबर (एजेंसियां)।

सरकार ने संसद के शीतकालीन सत्र से पहले रविवार को दोनों सदनों में राजनीतिक दलों के नेताओं के साथ एक बैठक बुलाई है।संसदीय कार्य मंत्रालय की बुधवार को एक विज्ञप्ति में यह जानकारी दी गयी। सर्वदलीय बैठक रविवार को पूर्वाह्न 11 बजे संसद परिसर में होगी।

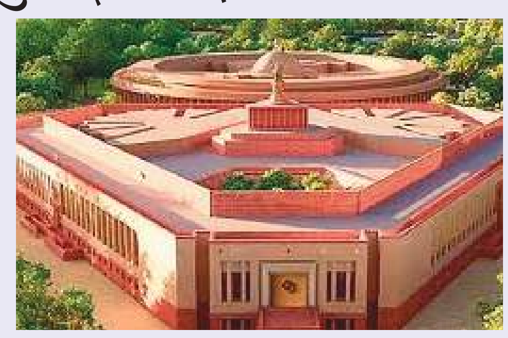

जुलाना विधायक विनेश फोगाट के गुमशुदगी के पोस्टर सोशल मीडिया पर वायरल

जींद, 20 नवंबर (एजेंसियां)।

हरियाणा में जुलाना से विधायक और ओलंपियन विनेश फोगाट की गुमशुदगी के पोस्टर सोशल मीडिया पर वायरल हो रहे हैं। पोस्टर में लिखा है लापता विधायक की तलाश। पूरा विधानसभा सत्र निकल गया, लेकिन विधायक मैडम पूरे सत्र से लापता रही। अगर किसी को दिखें तो जुलाना वालों को संपर्क करें। यह पोस्टर सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रहा है।

विनेश फोगाट ने कुश्ती के बाद राजनीति में कदम रखा। उन्होंने कांग्रेस के टिकट पर जुलाना विधानसभा सीट से चुनाव लड़ा और जीत हासिल की। उन्होंने

भाजपा उम्मीदवार योगेश बैरागी को हराया था। विनेश को 65 हजार 80 और बैरागी को 59 हजार 65 वोट मिले थे। जबकि इनेलो-बसपा के उम्मीदवार डॉ. सुरेंद्र लाठर को 10 हजार 158 वोट मिले थे।

बता दें 19 नवंबर तक हरियाणा विधानसभा का 4 दिवसीय सत्र चला था। इस सत्र में पहली बार जुलाना से विधायक बनी विनेश फोगाट शामिल नहीं हुईं। विनेश फोगाट ने वायनाड में प्रियंका गांधी वाड्रा के लिए प्रचार किया था। इसके बाद वह महाराष्ट्र में प्रचार करने गई थीं।

विनेश फोगाट के पीए सोनू ने बताया था कि कांग्रेस ने उन्हें स्टार प्रचारक बनाया हुआ है। महाराष्ट्र और झारखंड में चुनाव में प्रचार के लिए ड्यूटी लगाई गई है। वह प्रचार में व्यस्त होने की वजह से विधानसभा सत्र शामिल नहीं हुईं। लेकिन, जुलाना विधानसभा क्षेत्र की समस्याओं को प्रमुखता से उठाया जाएगा।

मणिपुर के मुख्यमंत्री एन बीरेन सिंह का ऐलानिया बयान

महिलाओं-बच्चों की हत्या करने वालों के लिए कोई जगह नहीं

इंफाल, 20 नवंबर (एजेंसियां)।

मणिपुर में मैतेई समुदाय की तीन महिलाओं और तीन बच्चों के अपहरण के बाद उनकी हत्या की मुख्यमंत्री एन बीरेन सिंह निंदा की है। उन्होंने 19 नवंबर को कहा कि निर्दोष महिलाओं और बच्चों की हत्या करने वाले आतंकवादियों के लिए किसी भी समाज में कोई जगह नहीं है। कुकी आतंकियों के इस अपराध के बाद राज्य में फिर से हिंसा फैल गई है और कई मंत्रियों-विधायकों के आवास को निशाना बनाया गया।

उन्होंने कहा कि 40-50 भारी हथियारों से लैस आतंकवादियों ने बोरोबेक्रा में एक राहत शिविर और स्थानीय पुलिस स्टेशन को हमला करके विस्थापित लोगों को निशाना बनाया था। सीएम ने कहा, मैं सीआरपीएफ और राज्य बलों को उनके उल्लेखनीय साहस और कर्तव्य के प्रति

प्रतिबद्धता के लिए दिल से आभार व्यक्त करता हूं।उल्लेखनीय है कि 11 नवंबर के इस हमले के बाद सुरक्षाबलों ने 10 आतंकियों को मार गिराया था। इसके बाद उन्होंने जिरीबाम में मैतेई समुदाय की महिलाओं एवं बच्चों का अपहरण कर लिया था और बाद में उनकी लाश मिली थी। इसके बाद इलाके में हिंसा फैल गई थी, जिसके कारण कर्फ्यू लगाना पड़ा था। उस थाना क्षेत्र में अफसपा को भी लागू किया गया है।

सीमा पर शांति के लिए परस्पर विश्वास बढ़ाएं भारत और चीन : राजनाथ

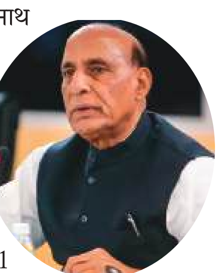

वियनतियाने, 20 नवंबर (एजेंसियां)। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने बुधवार को चीन के रक्षा मंत्री के साथ मुलाक़ात की और कहा कि दोनों देशों को करीब साढ़े चार वर्ष पहले सीमा पर हुई हिंसक झड़प से सबक लेते हुए तनाव कम करने के लिए परस्पर विश्वास बढ़ाने के उपायों पर जोर देना चाहिए।

श्री राजनाथ सिंह ने लाओस की राजधानी वियनतियाने में आसियान देशों के रक्षा मंत्रियों की 11 वीं बैठक से इतर चीन के रक्षा मंत्री एडमिरल डोंग जून से मुलाकात की। हाल ही में सैनिकों की वापसी के समझौते और ब्रिक्स शिखर सम्मेलन के मौके पर प्रधान मंत्री नरेन्द्र मोदी तथा चीन के राष्ट्रपति शी जिनपिंग की मुलाकात के बाद यह दोनों रक्षा मंत्रियों की पहली बैठक थी। रक्षा मंत्री ने कहा कि दुनिया के दो सबसे बड़े देशों भारत और चीन के बीच सौहार्दपूर्ण संबंधों का वैश्विक शांति और समृद्धि पर सकारात्मक प्रभाव पड़ेगा। उन्होंने कहा कि कि दोनों देश पड़ोसी हैं और रहेंगे इसलिए हमें संघर्ष के बजाय सहयोग पर ध्यान केंद्रित करने की आवश्यकता है। श्री सिंह ने 2020 की दुर्भाग्यपूर्ण सीमा झड़पों से सीखे गए सबक पर विचार करने, ऐसी घटनाओं की पुनरावृत्ति को रोकने के उपाय करने और भारत-चीन सीमा पर शांति बनाए रखने का आह्वान किया। उन्होंने तनाव कम करने के माध्यम से दोनों पक्षों के बीच अधिक विश्वास बनाने पर जोर दिया।दोनों पक्ष आपसी विश्वास और समझ बनाने के लिए एक रोडमैप की दिशा में मिलकर काम करने पर सहमत हुए।

अदालत के आदेश पर हुआ संभल के जामा मस्जिद का सर्वे

हरिहर मंदिर पर बना है संभल का जामा मस्जिद

संभल (यूपी), 20 नवंबर (एजेंसियां)

उत्तर प्रदेश के संभल स्थित जामा मस्जिद का मंगलवार 19 नवंबर को कलेक्टर की उपस्थिति में सर्वे हुआ। इस दौरान भारी पुलिस फोर्स की मौजूदगी में वीडियोग्राफी भी की गई। जामा मस्जिद को हरिहर मंदिर होने का दावा करते हुए हिंदू पक्ष ने कोर्ट में एक वाद दायर किया था। इसके बाद कोर्ट ने एडवोकेट कमिश्नर को नियुक्त करते हुए पूरे परिसर का सर्वे कराने का आदेश दिया।

कोर्ट का आदेश मिलते ही एवोकेट कमिश्नर रमेश राघव की निगरानी में डीएम डॉक्टर राजेंद्र पैंसिया और पुलिस अधीक्षक कृष्ण कुमार विश्नोई पुलिस फोर्स के साथ पहुंचे। एडवोकेट कमिश्नर रमेश राघव ने बताया कि मंगलवार को मुख्य हॉल और अन्य हॉल की वीडियोग्राफी कराई गई है। बाकी हिस्सों की भी वीडियोग्राफी कराई जा सकती है। यह रिपोर्ट 29 नवंबर 2024 तक कोर्ट में पेश की जाएगी।

हिंदू पक्ष के अधिवक्ता विष्णु शंकर जैन का कहना है कि कोर्ट के आदेश पर शाही जामा मस्जिद

में सर्वे किया गया है। अभी आगे भी होना है। उन्होंने कहा कि मस्जिद के अंदर सिर्फ फोटोग्राफर और कैमरामैन ही गए थे। इस दौरान दोनों पक्षों के लोग मौजूद रहे। वहीं, मुस्लिम पक्ष के लोग आसपास की छतों पर आ गए और हालात तनावपूर्ण हो गया। हालात को संभालने के लिए प्रशासन को काफी मशक्कत करनी पड़ी। इस दौरान मंदिर का दावा करने वाले कैला देवी मंदिर के महंत ऋषिराज को मुस्लिम पक्ष ने मस्जिद में घुसने से रोक दिया। बाद में प्रशासन ने महंत को वहां से हटा दिया। इस मस्जिद का सर्वे करने का आदेश सिविल जज सीनियर डिवीजन आदित्य सिंह की कोर्ट ने दोपहर में दिया था और शाम को सर्वे का काम शुरू कर दिया गया। सर्वे लगभग दो घंटे तक हुआ। चार महीने पहले एएसआई ने भी यहां सर्वे किया था। हिंदू पक्ष द्वारा 95 पेज के वाद में दावा किया गया है कि हरिहर मंदिर को तोड़कर जामा मस्जिद बनवाया गया है और मस्जिद समिति इसका अनाधिकृत उपयोग कर रही है। हिंदू पक्ष का दावा है कि आक्रमणकारी बाबर ने 1529 में इस मंदिर को तोड़कर मस्जिद में परिवर्तित कर दिया था। विष्णु शंकर जैन ने कहा कि उन्होंने ऐतिहासिक साक्ष्यों और हिन्दू आस्था के आधार पर यह याचिका दाखिल की है। विष्णु शंकर जैन ने इस मामले में उत्तर प्रदेश सरकार, भारत सरकार, पुरातत्व सर्वेक्षण विभाग (एएसआई), संभल के जिलाधिकारी और जामा मस्जिद कमेटी को पक्षकार बनाया है। उन्होंने कहा कि यह विवादित ढांचा एएसआई द्वारा संरक्षित स्थल है। उन्होंने दावा किया है कि हरिहर मंदिर को वर्तमान समय में गलत ढंग से मस्जिद के रूप में प्रयोग किया जा रहा है।

संभल की जामा मस्जिद को हरिहर मंदिर बताते हुए हिन्दू पक्ष कोर्ट पहुंच गया है। संभल के कैला देवी मंदिर के ऋषिराज गिरी समेत आठ वादकारियों ने सिविल जज सीनियर डिवीजन आदित्य कुमार सिंह की चंदौसी स्थित कोर्ट में वाद दाखिल किया है। कोर्ट ने कमीशन गठित कर रिपोर्ट मांगी है। अगली सुनवाई के लिए 29 नवंबर की तिथि निर्धारित की गई है। सुप्रीम कोर्ट के अधिवक्ता हरिशंकर जैन की ओर से उनके पुत्र विष्णु शंकर जैन ने मंगलवार को कोर्ट में वाद दाखिल किया। उन्होंने विवादित परिसर के सर्वे के लिए कोर्ट कमिश्नर नियुक्त किए जाने और सर्वे की वीडियोग्राफी और फोटोग्राफी कराए जाने का अनुरोध किया। कोर्ट ने इस मामले की सुनवाई करते हुए रमेश सिंह को सर्वे कमिश्नर नियुक्त किया। साथ ही सुनवाई की अगली तिथि 29 नवंबर निर्धारित की है।

कोर्ट के बाहर इस मामले पर चर्चा करते हुए अधिवक्ता विष्णु शंकर जैन ने दावा किया कि संभल में हरिहर मंदिर था, जिसे तोड़कर जामा मस्जिद बना दी गई। इतिहास में ऐसा प्रमाण मिलता है कि 1529 में बाबर ने हरिहर मंदिर को एक मस्जिद में तब्दील कर दिया था। इसका प्रमाण बाबरनामा में भी मिलता है। उन्होंने कहा कि कोर्ट के समक्ष भी यही बात कही गई है ताकि हरिहर मंदिर का सच सामने आ सके। वादी गण के स्थानीय अधिवक्ता गोपाल शर्मा ने बताया कि उत्तर प्रदेश सरकार की ओर से डीजीसी प्रिंस शर्मा, यूनियन बैंक ऑफ इंडिया की तरफ से विष्णु शर्मा एडवोकेट भी कोर्ट में उप-स्थित रहे।

कोर्ट कमिश्नर ने बताया कि अभी प्राथमिक तौर पर सर्वे किया है। जिसमें पुलिस-प्रशासन का सहयोग रहा। अभी मस्जिद की पैमाइश नहीं की गई है। सर्वे की प्रक्रिया अभी जारी रहेगी। उसके बाद ही सर्वे रिपोर्ट न्यायालय में पेश होगी। इसके लिए हमारे पास एक सप्ताह का समय है। विष्णु शंकर जैन कहा कि ऐसी मान्यता है कि भगवान विष्णु का कल्कि अवतार इसी जगह पर होगा। इसलिए यह स्थान पूरे समाज के लिए महत्वपूर्ण पूजा स्थल है। सीनियर डिविजन संभल स्थित चंदौसी के सामने दीवानी दावा किया गया है। जिससे हरिहर मंदिर का सच कोर्ट के सामने आ सके।

ग्रीन महाकुंभ, सुरक्षित महाकुंभ : महाकुंभ में पहली बार तैनात होंगे ऑल-टेरेन व्हीकल

प्रयागराज, 20 नवंबर (एजेंसियां)।

महाकुंभ 2025 को सुरक्षित और हरित महाकुंभ बनाने के लिए संकल्पित योगी सरकार अनेक उपाय कर रही है। इसी क्रम में पहली बार महाकुंभ में ऑल टेरेन व्हीकल तैनात किया जा रहा है। यह व्हीकल मेला क्षेत्र में कहीं भी आग की घटना होने पर चंद सेकेंड्स में घटनास्थल पर पहुंचकर आग पर काबू पा सकेगा। यह फायर एस्टींगुशर समेत तमाम अत्याधुनिक फायर सेफ्टी डिवाइसेज से लैस होगा। रेत, दलदल और छिछले पानी में भी यह पूरी रफ्तार से दौड़ सकेगा। अग्निशमन विभाग के ट्रेन्ड फायरकर्मी इस पर सवार होकर पूरे मेला क्षेत्र में आपात स्थिति पर नजर रखेंगे। इसे पहली बार महाकुंभ में उपयोग में लाया जाएगा। इसके लिए चार ऑल-टेरेन व्हीकल्स प्रयागराज पहुंच चुके हैं और अग्निशमन कर्मियों को इसकी राइडिंग और उपयोग की ट्रेनिंग दी जा रही है। सीएम योगी 25 नवंबर को इन चारों व्हीकल्स समेत अन्य डिवाइसेज को हरी झंडी दिखा सकते हैं। इलेक्ट्रिक बैट्री से संचालित होने वाला यह व्हीकल सीएम योगी के सुरक्षित और हरित महाकुंभ के संकल्प को साकार करेगा।

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के निर्देश पर उत्तर प्रदेश अग्निशमन और आपातकालीन सेवाएं (यूपी फायर सर्विसेज) की ओर से मेला क्षेत्र को जीरो फायर इंसिडेंट जोन बनाने की व्यापक तैयारी की गई है। ऑल-टेरेन व्हीकल उसी तैयारी का हिस्सा है। प्रयागराज के मुख्य अग्निशमन अधिकारी और महाकुंभ के नोडल अधिकारी प्रमोद शर्मा ने बताया कि चार ऑल-टेरेन व्हीकल्स को जर्मनी से प्रयागराज लाया गया है। लगभग ढाई करोड़ की लागत वाले इन व्हीकल्स को सीएम योगी स्वयं हरी झंडी दिखाकर रवाना करेंगे। इन व्हीकल्स की तैनाती से यह सुनिश्चित किया जा सकेगा कि महाकुंभ मेला प्रारंभ होने के बाद क्षेत्र के भीड़भाड़ वाले इलाकों में भी सुचारू रूप से फायर सेफ्टी सर्विसेज का परिचालन किया जा सके। उन्होंने बताया कि वाहन में पानी की टंकियां, नल और पंप सहित अग्निशमन उपकरण लगे हैं, जिससे अधिकारी आग लगने पर तुरंत कार्रवाई कर सकेंगे। यह त्वरित कार्रवाई आग को फैलने से रोकने में महत्वपूर्ण है, खासकर शुरुआती चरणों में।

उन्होंने कहा कि इसमें नॉर्मल एस्टींगुशर के साथ एयर कंप्रेसर और वैमपैक फायर एस्टींगुशर भी है। इसमें गन से 9 लीटर तक पानी का छिड़काव किया जा सकता है। इसमें 8 लीटर पानी और एक लीटर केमिकल होता है जो छिड़काव के बाद फोम बन जाता है। फ्लोरीन-मुक्त फोम में आग बुझाने की प्रभावी क्षमता होती है। यह आग को तेजी से बुझा सकता है। यह ज्वलनशील तरल पदार्थ की आग को भी दबा सकता है और दोबारा आग लगने से रोक सकता है, जिससे यह पारंपरिक फोम का एक विश्वसनीय विकल्प बन जाता है। इसकी डिस्चार्ज डिस्टेंस 45 फीट तक होती है, जिससे सिस्टम ऑपरेटर और आग के बीच सुरक्षित दूरी बनी रहती है। इसमें 75 फीट की नली होती है जो उपयोगकर्ता को किसी भी दिशा में यूनिट के 100 फीट के भीतर आग तक पहुंचने में सक्षम बनाती है। यह दूरी ऑपरेटर और फायरमैन को विकिरण गर्मी और जहरीली गैसों से भी सुरक्षा प्रदान करती है। यह वाहन अग्निशामकों और प्रथम प्रतिक्रियाकर्ताओं के लिए अधिक सुरक्षित है। यह बायोडिग्रेडेबल और ग्रीन शील्ड प्रमाणित भी है। फ्लोरीन-मुक्त फोम वाले वाहनों का उपयोग करने के लिए अग्निशमन कर्मियों को विशेष प्रशिक्षण दिया जा रहा है।

पांच सौ साल पहले एकजुट हुए होते तो गुलामी नहीं देखनी पड़ती : योगी

अयोध्या में सुग्रीव किले के श्री राजगोपुरम द्वार का अनावरण

अयोध्या, 20 नवंबर (एजेंसियां)। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने बुधवार को अयोध्या में सुग्रीव किले के भव्य श्री राजगोपुरम द्वार का अनावरण किया।

इस अवसर पर देशभर से आए साधु-संतों को संबोधित करते हुए उन्होंने अयोध्या की पौराणिक और ऐतिहासिक महत्ता की चर्चा की।

मुख्यमंत्री ने अयोध्या में भव्य श्रीराममंदिर के निर्माण और सनातन धर्म की एकता पर बल देते हुए कहा कि जो काम 500 साल से रुका हुआ था, जिसके लिए न जाने कितनी पीढ़ियां बलिदान हो गईं, वो केवल सनातनियों के एकजुट होने मात्र पर मोदी जी के नेतृत्व में दो वर्ष में ही पूरा हो गया। अगर 500 साल पहले हमने एकता दिखाई होती, तो गुलामी का सामना नहीं करना पड़ता।

मुख्यमंत्री ने कहा कि हमारी स्मृतियां हमें समाज को सही दिशा में आगे बढ़ाने की प्रेरणा देती हैं। जब भी हम एकता का परिचय देंगे, तो दुनिया की कोई ताकत हमें कमजोर नहीं कर सकेगी। मुख्यमंत्री ने श्रीराम जन्मभूमि मंदिर के निर्माण को पीढ़ियों के संघर्ष का परिणाम बताया। उन्होंने कहा कि 500 साल का लंबा इंतजार समाप्त हुआ है। प्रधानमंत्री के नेतृत्व में रामलला को उनके भव्य मंदिर में विराजमान करने का सपना पूरा हुआ है। उन्होंने सनातन धर्मावलंबियों की एकता को इस सफलता का आधार बताया।

मुख्यमंत्री ने अपने उद्बोधन में धर्म और समाज को कमजोर करने वाले तत्वों के खिलाफ सख्त रुख अपनाने की बात कही।

उन्होंने कहा कि कोई भी समस्या जो समाज और राष्ट्र को कमजोर करती हो, हमें उससे खुद को अलग करना होगा। ऐसे तत्वों को बेनकाब कर समाज से अलग-थलग करना धर्म का कार्य होना चाहिए।

मुख्यमंत्री ने कहा कि सुग्रीव किला का संबंध देवरहा बाबा से भी रहा है। उन्होंने बताया कि यह स्थल श्रीराम के वनवास काल से जुड़ा है, जब भरत जी ने इसे श्रीराम के निवास के लिए तैयार किया था।

मुख्यमंत्री ने कहा कि पहले इस किले तक पहुंचने का मार्ग संकरा था, लेकिन अब इसे चौड़ा और सुगम बना दिया गया है। उन्होंने इसे अयोध्या के विकास की एक महत्वपूर्ण कड़ी बताया। योगी ने कहा कि अयोध्या अब न केवल धार्मिक और आध्यात्मिक वातावरण का केंद्र है, बल्कि विश्व की सबसे सुंदर नगरी के रूप में भी विकसित हो रही है।

योगी आदित्यनाथ ने अयोध्या के विकास की योजनाओं का उल्लेख करते हुए बताया कि यहां इंटरनेशनल एयरपोर्ट बन चुका है, जो अयोध्या को वैश्विक स्तर पर जोड़ने में मदद करेगा। उन्होंने अयोध्या को विश्व की सबसे सुंदर नगरी बनाने का संकल्प दोहराया और इसे अयोध्यावासियों की जिम्मेदारी बताया कि वे इस धरोहर को सुरक्षित और संरक्षित रखें।

मुख्यमंत्री ने अयोध्या के विकास के साथ अन्य धार्मिक स्थलों के कायाकल्प की भी बात कही।

उन्होंने कहा कि संतों के मार्गदर्शन में अयोध्या को श्रीराम के आदर्शों वाली नगरी के रूप में विकसित किया जाएगा। उन्होंने संत पुरुषोत्तमाचार्य जी महाराज के योगदान का भी उल्लेख करते हुए उनके प्रति श्रद्धा व्यक्त किया।

इस अवसर पर जगद्गुरू रामानुजाचार्य पूज्यस्वामी श्रीविश्वेशप्रपन्नाचार्य जी महाराज, श्रीरंगम से पधारे संतजन, हनुमानगढ़ी के श्रीमहंत धर्मदास जी महाराज, श्रीमहंत रामलखन दास, महापौर गिरीशपति त्रिपाठी सहित पूज्य संतजन एवं अन्य गणमान्य मौजूद रहे।

झांसी अग्निकांड: कब थमेगा मौत का सिलसिला?

अब तक 14 बच्चों की मौत, कार्रवाई कुछ नहीं

झांसी, 20 नवंबर (एजेंसियां)। झांसी मेडिकल कॉलेज की एसएनसीयू में आग से झुलसकर हुई नवजातों की मौत की संख्या में इजाफा हो गया है। बुधवार को दो और बच्चों ने दम तोड़ दिया। इन दोनों ही मासूमों को अग्निकांड के दौरान रेस्क्यू के दौरान बचाया गया था। विद्युत सुरक्षा विभाग ने जून की ऑडिट रिपोर्ट में अनहोनी की आशंका जताकर खामियां जल्द दुरुस्त करने के निर्देश दिए थे। ऑडिट में कई जगह प्रतिबंधित एल्युमिनियम तार मिले। कई जगह कॉपर वायर के इंसुलेशन कमजोर मिले। पैनल भी मानक के अनुसार नहीं मिले। ट्रांसफार्मरों से लेकर वार्ड, ओपीडी आदि कई खामियां मिली थीं। यह रिपोर्ट जिला प्रशासन के साथ-साथ कॉलेज प्राचार्य को भी भेजी गई मगर किसी ने भी ध्यान नहीं दिया।

मेडिकल कॉलेज की एसएनसीयू (स्पेशल न्यूबोर्न केयर यूनिट) में शुक्रवार की रात करीब साढ़े 10 बजे शॉर्ट सर्किट हुआ, जिससे एक्सटेंशन कॉर्ड में आग लगी। बुझाने से पहले ही आग नजदीक के वेंटिलेटर तक पहुंच गई। कुछ ही देर में आग विकराल हो गई और 10 नवजात शिशुओं की जलकर मौत हो गई। उप मुख्यमंत्री ब्रजेश पाठक ने बताया कि फरवरी में सेफ्टी ऑडिट हुई थी और जून में मॉकड्रिल, इसलिए आग लगने का पता लगाकर दोषी पर कार्रवाई होगी। वहीं, अब सामने आया है कि जिलाधिकारी के निर्देश पर चीफ फायर ऑफिसर और सहायक निदेशक विद्युत सुरक्षा ने मेडिकल कॉलेज की अग्नि सुरक्षा ऑडिट की जिसमें तमाम खामियां मिलीं। दोनों अधिकारियों ने इसकी रिपोर्ट सौंपी। सहायक निदेशक विद्युत सुरक्षा ने दो पेज की रिपोर्ट में बताया कि कई जगह पर प्रतिबंधित एल्युमिनियम के तार लगे हुए हैं। कई जगह कॉपर के वायर की इंसुलेशन खराब है। ट्रांसफार्मर से लेकर पैनल तक और वार्ड से ओपीडी तक कई खामियां हैं। रिपोर्ट में जल्द खामियां सुधारने की बात कहते हुए अनहोनी की आशंका भी जताई गई। हैरानी की बात है कि कॉलेज प्रशासन ने ऑडिट रिपोर्ट को गंभीरता से नहीं लिया, जिससे 14 नवजातों की जान चली गई।

सहायक निदेशक विद्युत सुरक्षा सीबी चौबे ने बताया कि जून की ऑडिट रिपोर्ट में मिली खामियों की रिपोर्ट प्रशासन के माध्यम से कॉलेज प्रशासन को भेजी गई थी। रिपोर्ट में खामियों का उल्लेख करते हुए जल्द दुरुस्त करने के लिए कहा गया था। कई जगह प्रतिबंधित एल्युमिनियम तार लगे मिले, जिनके जोड़ों में जंग लगने से शॉर्ट सर्किट हो सकता है।

शासन की तरफ से भेजी गई जांच टीम की अध्यक्ष चिकित्सा शिक्षा महानिदेशक डॉ. किंजल सिंह ने कहा विद्युत सुरक्षा की ऑडिट रिपोर्ट में प्रतिबंधित एल्युमिनियम वायर के प्रयोग की बात है।

चकबन्दी विभाग में वर्षों से रुकी पदोन्नति खुली, 122 को मिली तरक्की

लखनऊ, 20 नवंबर (एजेंसियां)। सीएम योगी आदित्यनाथ के निर्देश पर चकबन्दी विभाग में वर्षों से रुकी हुई पदोन्नति प्रक्रिया को तेज गति मिली है। बीते महीने 728 चकबंदी लेखपालों की पदोन्नति के बाद अब लंबे समय से प्रतीक्षारत संयुक्त संचालक, उप संचालक, बन्दोबस्त अधिकारी, चकबन्दी अधिकारी, और सहायक चकबन्दी अधिकारी जैसे महत्वपूर्ण पदों पर 122 अधिकारियों को पदोन्नति दी गई है। वहीं 288 चकबन्दी लेखपालों को सहायक चकबन्दी अधिकारी के पद पर पदोन्नति की प्रक्रिया जारी है।

चकबन्दी आयुक्त भानु चन्द्र गोस्वामी ने बताया कि विभाग के कई पद वर्षों से रिक्त थे, जिससे कार्यों में कठिनाई का सामना करना पड़ रहा था। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के निर्देश पर शासन और निदेशालय स्तर पर विभागीय पदोन्नति समिति का गठन किया गया, जिसने पात्र अभ्यर्थियों की सेवा स्थिति का परीक्षण कर निर्णय लिया गया है।

उन्होंने बताया कि चकबन्दी विभाग में संयुक्त संचालक, उप संचालक, बन्दोबस्त अधिकारी, चकबन्दी अधिकारी, और सहायक चकबन्दी अधिकारी जैसे महत्वपूर्ण पदों पर 122 अधिकारियों को पदोन्नति किया गया है। विभाग द्वारा 5 चकबंदी अधिकारियों की शीर्ष पदों पर पदोन्नति दी गई है। जिसमें संयुक्त संचालक चकबन्दी के रिक्त पद पर मधुसूदन दूबे को पदोन्नत करते हुए मुख्यालय में तैनात किया गया है। वहीं, उप संचालक चकबन्दी के 4 रिक्त पदों पर आलोक कुमार, मातादीन मौर्य, शशिकांत शुक्ला और अनिल कुमार को पदोन्नति दी गई है। चकबन्दी अधिकारी के पद पर पिछले 23 वर्षों से कार्यरत 17 अधिकारियों को बन्दोबस्त अधिकारी चकबन्दी के पद पर पदोन्नति प्रदान की गई है। यह निर्णय विभागीय कार्यों की सुगमता और कुशल प्रबंधन में बड़ा बदलाव लाने वाला है। वर्ष 1998 में नियुक्त सहायक चकबन्दी अधिकारियों को 26 वर्षों तक पदोन्नति का इंतजार करना पड़ा। सीएम योगी के प्रयासों से अब पात्र 55 सहायक चकबन्दी अधिकारियों को चकबन्दी अधिकारी के पद पर पदोन्नत किया गया है, जिनमें 2 दिव्यांगजन भी शामिल हैं। इसके अलावा आशुलिपिक के पद पर पिछले 7 वर्षों से रुकी हुई पदोन्नति प्रक्रिया को पूरा करते हुए 42 आशुलिपिकों को उनके अग्रतर श्रेणी में पदोन्नति दी गई है। इसके अतिरिक्त मुख्यालय स्तर पर 1 वरिष्ठ सहायक को प्रधान सहायक और 2 कनिष्ठ सहायकों को वरिष्ठ सहायक के पद पर पदोन्नत किया गया है। चकबन्दी विभाग में रिक्त पदों पर त्वरित पदोन्नति से विभागीय कार्यों को नई गति मिलेगी। यह कदम प्रदेश की कृषि प्रणाली को मजबूत करने में सहायक होगा। चकबन्दी प्रक्रिया को कुशलता से पूरा कर कृषि भूमि के बेहतर प्रबंधन और उपयोग में मदद मिलेगी, जिससे प्रदेश के किसानों का सर्वांगीण विकास सुनिश्चित होगा। चकबन्दी आयुक्त भानु चन्द्र गोस्वामी ने बताया कि सीएम योगी के निर्देश पर इतने कम समय में विभाग में 850 पदों पर पदोन्नति प्रक्रिया पूरी करना एक ऐतिहासिक उपलब्धि है। इससे कर्मचारियों का मनोबल बढ़ा है और विभाग में उत्साह का वातावरण बना हुआ है। उन्होंने कहा कि सीएम योगी के नेतृत्व में प्रदेश सरकार का यह कदम न केवल विभागीय कार्यों को सुचारु बनाने की दिशा में है, बल्कि राज्य के कृषि और कृषकों के विकास में भी मील का पत्थर साबित होगा।

वाराणसी में इदरीश के साथ पकड़ा गया सुलेमान

महाकुंभ में नकली नोट चलाने की योजना थी

वाराणसी, 20 नवंबर (एजेंसियां)। उत्तर प्रदेश पुलिस के आतंकवाद निरोधक दस्ते (एटीएस) ने प्रयागराज महाकुंभ में नकली नोटों को खपाने की बड़ी साजिश का पर्दाफाश किया है। मोहम्मद सुलेमान अंसारी और इदरीश की गिरफ्तारी के बाद यह खुलासा हुआ है। दोनों को 1.97 लाख रुपए मूल्य के नकली नोटों के साथ 19 नवंबर को वाराणसी के सारनाथ से गिरफ्तार किया गया।

इनके साथी जाकिर की तलाश की जा रही है। वही इस रैकेट का सरगना बताया जा रहा है।

सुलेमान और इदरीश को जाकिर ही नकली नोट देता था। फिर दोनों उत्तर प्रदेश के विभिन्न जिलों में इसकी सप्लाई करते। जाकिर पश्चिम बंगाल के मालदा का रहने वाला है। पूछताछ में पता चला है कि उसे बांग्लादेश से नकली भारतीय करेंसी की सप्लाई मिल रही थी। सुलेमान और इदरीश बिहार के वैशाली जिले के रहने वाले हैं।

सुलेमान मालदा में पंक्चर बनाता था। इसी दौरान वह जाकिर के संपर्क में आया। सुलेमान को इससे पहले बिहार पुलिस ने भी एक बार 2 लाख रुपयों के नकली नोट के साथ पकड़ा था। इसके बाद वह करीब 6 महीने तक हाजीपुर जेल में बंद भी रहा था।

▪ बंगाल से नकली नोटों की सप्लाई करता था जाकिर

▪ यूपी में नकली नोट खपाते थे सुलेमान और इदरीश

सुलेमान और इदरीश की गिरफ्तारी के बाद सारनाथ थाने में एटीएस इंस्पेक्टर भारत भूषण तिवारी ने मामला दर्ज कराया है।

इसकी प्रति के पास मौजूद है। इसके अनुसार एटीएस को काफी समय से उत्तर प्रदेश में नकली नोटों की तस्करी की सूचना मिल रही थी। इसमें मालदा के जाकिर और वैशाली के मोहम्मद सुलेमान की संलिप्तता की की भी सूचना थी। 19 नवंबर को एटीएस को सूचना मिली की कुछ लोग पश्चिम बंगाल से नकली नोटों की खेप ले कर वाराणसी में ट्रेन से उतरे हैं। पुलिस ने संदिग्धों की तलाश शुरू की। इसी दौरान दो लोग फरीदपुर बाइपास पर पिट्ठू बैग के साथ खड़े दिखे। पुलिस को देखते ही दोनों भागने लगे। पकड़े जाने के बाद पूछताछ में एक ने अपना नाम मोहम्मद सुलेमान अंसारी (67) बताया। उसके पास से मोबाइल फोन, पैन कार्ड, नकद और रेल टिकट बरामद हुआ। वहीं दूसरे ने अपना नाम इदरीश बताया। उसके पास से भी रेल टिकट और मोबाइल फोन बरामद किया गया।

तलाशी के दौरान इनके पास से 500-500 के नकली नोटों की गड्डियां बरामद हुईं। दोनों ने बताया कि 2 दिन पहले वे वैशाली से मालदा गए थे। यहीं जाकिर ने उन्हें करीब दो लाख मूल्य के नकली नोट दिए थे। 30 हजार रुपए मूल्य के असली नोट के बदले इन्हें 1 लाख रुपए मूल्य के नकली नोट मिलते थे।

पूछताछ में इन्होंने बताया कि नकली नोट मिलने के बाद वे अलग-अलग वाहनों से पश्चिम बंगाल से लौटे। वे ये नोट वाराणसी में खपाने वाले थे। इसके बाद जो नोट बच जाते उन्हें दोनों अगले साल जनवरी में प्रयागराज में होने वाले महाकुंभ में खपाते। गिरफ्तारी से पहले दोनों रास्ते में चायपानी और छोटी-मोटी खरीदारी के लिए नकली नोट का इस्तेमाल भी कर चुके थे।

यूपी के सोलर पावर मॉडल को अपनाएंगे अन्य राज्य

रायपुर में गुड गवर्नेंस पर आईएएस अफसरों का हो रहा सम्मेलन

लखनऊ, 20 नवंबर (एजेंसियां)। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व में उत्तर प्रदेश में उन्नति की कहानी से पूरा देश रूबरू होगा। केंद्र सरकार द्वारा छत्तीसगढ़ के रायपुर में आयोजित की जा रही रीजनल कॉन्फ्रेंस ऑन गुड गवर्नेंस में यूपी में जल जीवन मिशन की परियोजनाओं में सोलर पावर के इस्तेमाल का डंका बजेगा। कॉन्फ्रेंस में देशभर से आए आईएएस अफसर जानेंगे कि किसी तरह से उत्तर प्रदेश जल

जीवन मिशन की परियोजनाओं में सोलर पावर का इस्तेमाल कर परियोजना की लागत को कम कर रहा है। साथ ही साथ कॉर्बन उत्सर्जन कम करके पर्यावरण को भी सुरक्षित करने में अहम भूमिका निभा रहा है। 21 नवंबर से शुरू होने वाली दो दिवसीय कॉन्फ्रेंस में इनोवेशन स्टेट के तौर पर पहले सत्र में नमामि गंगे विभाग के अपर मुख्य सचिव जल जीवन मिशन में सोलर पावर के इस्तेमाल पर व्याख्यान देंगे। इसमें दूसरे राज्यों के अफसरों को बताया जाएगा कि किस तरह से यूपी जैसे बड़े राज्य में जल जीवन मिशन को सफलता से लागू किया गया और ये परियोजनाएं लंबे समय तक कम कीमत पर चल सकें, इसके लिए सोलर पावर का इस्तेमाल किया गया। भारत सरकार के प्रशासनिक सुधार एवं लोक शिकायत विभाग द्वारा गुड गवर्नेंस के क्षेत्र में उत्तर प्रदेश की इस योजना को चुना गया है। ये कॉन्फ्रेंस देशभर के टॉप आईएएस अफसरों के लिए आयोजित की जाती है, जिसमें देशभर में चलाई जाने वाली योजनाओं में हुए उत्कृष्ट कार्यों को शामिल किया जाता है।

गौरतलब है कि उत्तर प्रदेश में मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के निर्देशन में जल जीवन मिशन की 80 प्रतिशत से अधिक परियोजनाएं सोलर पावर पर आधारित हैं। जल जीवन मिशन परियोजना में इतने बड़े पैमाने पर सोलर पावर का इस्तेमाल करने वाला उत्तर प्रदेश देश का पहला राज्य है। भारत सरकार की तरफ से आयोजित की जा रही इस कॉन्फ्रेंस का मकसद है कि देश के दूसरे राज्य भी इसी तरह का मॉडल अपनाएं। जिससे बिजली की बचत हो सके और परियोजनाएं लंबे समय तक चल सकें। गौरतलब है कि उत्तर प्रदेश में जल जीवन मिशन के अंतर्गत यूपी में कुल 41539 परियोजनाएं हैं। जिसमें से 33,157 जल जीवन मिशन के प्रोजेक्ट्स में सोलर एनर्जी का उपयोग किया जा रहा है, जिससे रोजाना 900 मेगावाट बिजली पैदा हो रही है। ऐसा करने वाला उत्तर प्रदेश देश का अग्रणी राज्य है।

सोलर तकनीक के इस्तेमाल से गांवों में की जाने वाली जलापूर्ति की लागत में 50 प्रतिशत से अधिक की कमी आई है। साथ ही पानी की सप्लाई के लिए इलेक्ट्रिसिटी पर निर्भर नहीं रहना पड़ता है। लो मेंटेनेंस के साथ-साथ इन सौर ऊर्जा संयंत्रों की आयु 30 साल होती है। 30 साल के दौरान इन परियोजनाओं का संचालन सौर ऊर्जा के जरिए होने से करीब 1 लाख करोड़ रुपये की बचत होगी। इससे करीब 13 लाख मीट्रिक टन कार्बन डाई ऑक्साइड का इमिशन प्रतिवर्ष कम होगा। जल जीवन मिशन में सोलर आधारित पंपों को चलाने के लिए ग्रामीण इलाकों में 12.50 लाख लोगों को ट्रेनिंग दी गई है। ट्रेनिंग पाने वाले ग्रामीण ही इन परियोजनाओं का संचालन और सुरक्षा करेंगे।

संपादकीय

प्रदूषण 'राष्ट्रीय शर्म' है

राष्ट्रीय राजधानी दिल्ली के जानलेवा प्रदूषण और सरकारों के कामकाज को अब 'राष्ट्रीय शर्म' घोषित कर देना चाहिए। इसके अलावा विकल्प भी क्या है? जिस समय सर्वोच्च अदालत के 'कोर्ट रूम' में प्रदूषण पर सुनवाई चल रही थी, उस समय वहां का वायु गुणवत्ता सूचकांक 994 था। वह 'बेहद गंभीर' श्रेणी का प्रदूषण था। दिल्ली के कई इलाकों में वायु गुणवत्ता 978 भी दर्ज की गई। ऐसे प्रदूषण में जीना भी 'राष्ट्रीय शर्मिन्दगी' है। सर्वोच्च अदालत का वह विशेष और संवेदनशील कक्ष होता है, जहां की हवा 'गैस चैंबर' के हालात को भी लांघ गई थी। यह शर्मनाक स्थिति नहीं है, तो और क्या है? राजधानी दिल्ली की 'प्रदूषित हवा' का औसत सूचकांक 500 को पार कर चुका है। अब एक दिन ऐसा आएगा, जब सडक़ों पर 'मास्कधारी आबादी' ही दिखाई देगी, लिहाजा अब सर्वोच्च अदालत की फटकार ही पर्याप्त नहीं है। अब सर्वोच्च अदालत सरकारों से सवाल न करे, बल्कि राज्यों के मुख्यमंत्रियों और मुख्य सचिवों को 'प्रतीकात्मक जेल' की सजा सुनाए।

> दिल्ली के कई इलाकों में वायु गुणवत्ता 978 भी दर्ज की गई। ऐसे प्रदूषण में जीना भी 'राष्ट्रीय शर्मिन्दगी' है। सर्वोच्च अदालत का वह विशेष और संवेदनशील कक्ष होता है, जहां की हवा 'गैस चैंबर' के हालात को भी लांघ गई थी। यह शर्मनाक स्थिति नहीं है, तो और क्या है? राजधानी दिल्ली की 'प्रदूषित हवा' का औसत सूचकांक 500 को पार कर चुका है। अब एक दिन ऐसा आएगा, जब सडक़ों पर 'मास्कधारी आबादी' ही दिखाई देगी, लिहाजा अब सर्वोच्च अदालत की फटकार ही पर्याप्त नहीं है। अब सर्वोच्च अदालत सरकारों से सवाल न करे, बल्कि राज्यों के मुख्यमंत्रियों और मुख्य सचिवों को 'प्रतीकात्मक जेल' की सजा सुनाए। प्रदूषण सिर्फ दिल्ली-एनसीआर तक ही सीमित नहीं है। यहां तो 'गैस चैंबर' से भी बदतर हालात हैं।

प्रदूषण सिर्फ दिल्ली-एनसीआर तक ही सीमित नहीं है। यहां तो 'गैस चैंबर' से भी बदतर हालात हैं। अस्पतालों में मरीजों की संख्या 30-35 फीसदी बढ़ गई है। सांसें टूट रही हैं। दिल का दौरा पड़ा है। अस्थमा, दमा का अटैक पड़ा है। लोग बुरी तरह खांस रहे हैं। मस्तिष्क पर भी प्रभाव पड़ा है, लिहाजा ऐसे मरीज भी अस्पताल तक दौड़ रहे हैं। आम दृश्यता धुंध में कहीं खो गई है, लिहाजा 100 से अधिक विमान देरी से उड़े, 15 को अन्य राज्यों की ओर मोड़ा गया और कुछ उड़ानें रद्द करनी पड़ीं। यह कोई आपातकाल या संक्रमण काल नहीं है, रोजमर्रा की जिंदगी पर प्रदूषण का प्रभाव है। प्रदूषण से 22 लाख लोग सालाना मर जाते हैं। करीब 90 करोड़ भारतीय 'गंभीरतम प्रदूषण' में सांस लेने को विवश हैं। वे भी हरेक सांस के साथ अकाल मृत्यु की तरफ बढ़ रहे हैं। पर्यावरण में इतना धुआं औसत आदमी एक दिन में 49.2 सिगरेट पीने के समान निगलने को विवश है। हरियाणा में यह औसत 33.25 सिगरेट के धुएं के बराबर है। उप्र और बिहार में प्रतिदिन लोग औसतन 10 सिगरेट पीने को मजबूर हैं। आदमी के दिल, फेफड़े और गुर्दे कब तक साथ देंगे? आम आदमी की उम्र औसतन 8 साल घट रही है। हम लोग छोटे, बौने, निहित स्वार्थ के मुद्दों पर साल भर में औसतन एक लाख से अधिक आंदोलन करने के आदी हैं। जाति, धर्म, आरक्षण, आर्थिक मुद्दों पर भी राष्ट्रव्यापी आंदोलन छेड़े गए हैं, लेकिन प्रदूषण जैसे जानलेवा हालात पर कोई आंदोलन नहीं! हालिया चुनावों में भी प्रदूषण पर कोई चर्चा, बहस सामने नहीं आई है। हमारे सामने चीन का उदाहरण है। वह एक तानाशाही किस्म का देश है, लेकिन वहां लोगों ने 'गैस चैंबर' सरीखे प्रदूषण पर ऐसा आंदोलन छेड़ा कि सरकार हिल गई। आज वहां प्रदूषण लगभग नियंत्रण में है। भारत में वैसा क्यों नहीं किया जा सकता? सर्वोच्च अदालत भी फटकारना बंद करे और संवैधानिक दायित्व तय करे, क्योंकि स्वच्छ हवा में सांस लेना भी हमारा संवैधानिक अधिकार है। पराली जलाना, घरेलू धुआं, औद्योगिक प्रदूषण, वाहनों से निकलने वाले जहरीले कण, पाबंदी के बावजूद आतिशबाजी आदि के मद्देनजर ग्रैप-4 की पाबंदियां भी स्थायी और पर्याप्त असरकारक नहीं हैं। बड़े वाहन बंद, निर्माण-कार्य बंद, फैक्ट्रियों में उत्पादन बंद, दफ्तर बंद, स्कूल बंद...आखिर निठल्ले बैठकर प्रदूषण से कैसे लड़ा जा सकता है? प्रदूषण पर असर डालने वाले कारकों पर सोचना होगा, लिहाजा सरकारें विशेषज्ञों की सलाह लें। जिम्मेदारी भारत सरकार की भी है, बल्कि ज्यादा है। दिल्ली में ही राष्ट्रपति, उपराष्ट्रपति, प्रधानमंत्री और पूरी कैबिनेट, संसद स्थित हैं। सर्वोच्च अदालत और प्रधान न्यायाधीश भी दिल्ली में ही मौजूद हैं। सभी देशों के दूतावास भी दिल्ली में हैं। राजधानी होने के कारण दिल्ली की अपनी प्रतिष्ठा और गरिमा है। यदि प्रदूषण वाकई 'राष्ट्रीय शर्म' मान लिया गया, तो भारत की छवि कलंकित होगी। प्रदूषण से जानलेवा खतरा हिंदू, मुसलमान, सिख, ईसाई, दलित, पिछड़ों सभी को है, लिहाजा इस मुद्दे पर क्षुद्र राजनीति भी नहीं करनी चाहिए। यदि सरकारें प्रदूषण काबू करने में ही नाकाम, असहाय हैं, तो उन्हें बर्खास्त कर देना चाहिए।

आम आदमी पार्टी के बढ़ते संकट एवं गिरते राजनीतिक मूल्यों के कारण उसकी चुनौतियां खत्म होने का नाम ही नहीं ले रही

गहलोत के इस्तीफे का झटका, बड़े संकट का संकेत

ललित गर्ग

> दिल्ली सरकार के प्रमुख मंत्री कैलाश गहलोत ने जिस तरह से चुनावी वादों को पूरा न करने जैसे ऐसे अनेक मुद्दों का जिक्र करते हुए अपने पद एवं प्राथमिक सदस्यता से इस्तीफा दिया है जो अरविंद केजरीवाल की छवि पर सीधी चोट करने वाले हैं। दिल्ली के विकास की बजाय 'आप' सरकार का सारा समय केंद्र सरकार से झगड़ा करने में बीतने की बात कहकर गहलोत ने आम आदमी पार्टी की एक बड़ी कमजोरी को उजागर किया है, जो 'आप' के लिये एक बड़ा राजनीतिक संकट का संकेत है।

दिल्ली में विधानसभा चुनावों से पहले आम आदमी पार्टी को एक बड़ा झटका लगा। दिल्ली सरकार के प्रमुख मंत्री कैलाश गहलोत ने जिस तरह से चुनावी वादों को पूरा न करने जैसे ऐसे अनेक मुद्दों का जिक्र करते हुए अपने पद एवं प्राथमिक सदस्यता से इस्तीफा दिया है जो अरविंद केजरीवाल की छवि पर सीधी चोट करने वाले हैं। दिल्ली के विकास की बजाय 'आप' सरकार का सारा समय केंद्र सरकार से झगड़ा करने में बीतने की बात कहकर गहलोत ने आम आदमी पार्टी की एक बड़ी कमजोरी को उजागर किया है, जो 'आप' के लिये एक बड़ा राजनीतिक संकट का संकेत है। अरविंद केजरीवाल ने सामाजिक कार्यकर्ता अन्ना हजारे के साथ भ्रष्टाचार के खिलाफ एक बड़ा आंदोलन शुरू करके इस पार्टी का गठन किया, लेकिन खुद एवं उसके अन्य बड़े नेता भ्रष्टाचार के आरोप में जेल की यात्रा कर आये, अनेक मतभेदों, विवादों एवं केजरीवाल के अहंकार, गलत नीतियों के चलते पार्टी के कई दिग्गज नेता पार्टी से दूर होते चले गए, जिनमें किरण बेदी, कवि कुमार विश्वास, आशुतोष, आशीष खेतान, शांति भूषण, प्रशांत भूषण, योगेंद्र यादव, शाजिया इल्मी और कपिल मिश्रा और अब कैलाश गहलोत जैसे नाम शामिल हैं। लगता है अब आम की झाड़ू ही नहीं, बल्कि आप के राजनीतिक मूल्य भी तार-तार हो गये हैं। आम आदमी पार्टी के बढ़ते संकट एवं गिरते राजनीतिक मूल्यों के कारण उसकी चुनौतियां खत्म होने का नाम ही नहीं ले रही है। कैलाश गहलोत ने पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष अरविंद केजरीवाल और दिल्ली की सीएम आतिशी को इस्तीफा भेजा है। दिल्ली की सीएम आतिशी ने गहलोत का इस्तीफा स्वीकार कर लिया है। गहलोत ने अपने पद और पार्टी की प्राथमिक सदस्यता से इस्तीफा देते हुए एक लम्बा पत्र केजरीवाल को भेजा है। उन्होंने इस्तीफे में यमुना की सफाई और शीशमहल निर्माण का मुद्दा उठाया है। गहलोत ने पत्र में आरोप लगाते हुए लिखा है कि जिस ईमानदार राजनीति के चलते वह आम आदमी पार्टी में आए थे, वैसा अब नहीं हो रहा है। उन्होंने पार्टी के संयोजक व पूर्व सीएम अरविंद केजरीवाल के सरकारी आवास को शीशमहल करार देते हुए कई आरोप भी लगाए हैं। ऐतिहासिक भ्रष्टाचार विरोधी आंदोलन से जन्मी इस पार्टी का यह हश्र एवं दुरगति राजनीतिक महत्वाकांक्षा का परिणाम है। आम आदमी पार्टी खुद को ईमानदारी के उच्चतम मानकों पर रखने का दावा भले ही करती रही हो, लेकिन उसने सत्ता

का दुरुपयोग करते हुए राजनीतिक एवं नैतिक मूल्यों को ध्वस्त ही किया है। आप का उदय एक ताज़ी हवा का झोंका था लेकिन आज वह दूषित राजनीति का पर्याय बन गया है। दिल्ली विधानसभा चुनाव से पहले कैलाश गहलोत का इस्तीफा आम आदमी पार्टी के लिये उल्टी गिनती का द्योतक है, यह राजनीतिक रूप से नुकसान पहुंचाने वाला है, क्योंकि गहलोत ने एक तो यह कहा कि आम आदमी पार्टी की सरकार यमुना को साफ नहीं कर सकी और स्थिति यह है कि वह पहले से अधिक गंदी हो गई है। इसके अलावा उन्होंने यह भी रेखांकित किया कि 'आप' सरकार का सारा समय केंद्र सरकार से झगड़ा करने में बीतता है। भले ही 'आप' कैलाश गहलोत की इन बातों को यह कहकर खारिज कर सकती है कि वह भाजपा की भाषा बोल रहे हैं और यह भी कहा जा सकता है कि गहलोत पर ईडी-सीबीआइ आदि का दबाव था। निश्चित ही गहलोत के खिलाफ ईडी और इनकम टैक्स के कई मामले चल रहे थे। कैलाश गहलोत पर ईडी और इनकम टैक्स की कई रेड भी हो चुकी थी। वह जांच का सामना कर रहे थे। आप के इन बयानों में कुछ सच्चाई भी हो सकती है कि उनके पास इस्तीफा देने के अलावा कोई और विकल्प नहीं था। लेकिन बड़ा तथ्य है कि 'आप' दिल्ली की जनता के साथ न्याय नहीं कर सकी है, वह केंद्र सरकार से बात-बात में झगड़ा मोल लेने के लिए जानी जाती है। इससे इन्कार नहीं कि केंद्र सरकार भी आम आदमी पार्टी से उलझती हुई दिखती है, लेकिन दिल्ली सरकार की छवि ऐसी बन गई है कि वह केंद्र सरकार पर दोषारोपण करने का मौका ढूंढ़ती रहती है। दिल्ली और केंद्र सरकार के बीच हर मुद्दे पर खींचतान जारी रहने से सबसे अधिक नुकसान दिल्ली की जनता को हुआ है। दिल्ली की कई समस्याएं नहीं सुलझ पाने, दिल्ली का अपेक्षित विकास न हो पाने एवं अपने चुनावी वादों को पूरा न करने के कारणों के लिये 'आप' नेताओं ने हमेशा ही केन्द्र सरकार एवं भाजपा को दोषी ठहराया है। गहलोत ने कहा कि पार्टी से जुड़ी उनकी यात्रा का उद्देश्य दिल्ली के लोगों की सेवा करना था, लेकिन अब उन्होंने महसूस किया कि पार्टी सिर्फ अपने राजनीतिक एजेंडे के लिए लड़ रही है, जिससे दिल्लीवासियों को बुनियादी सेवाएं प्रदान करने में मुश्किलें आ रही हैं। ऐसे में उनके सामने पार्टी से अलग होने के अलावा कोई और विकल्प नहीं था। 'आप' टकराव की राजनीति में व्यस्त रही, अच्छे गवर्नेंस और बेहतर राजनीति का दामन उसके हाथ से लगातार छूटता रहा। दिल्ली में पार्टी ने असंख्य मुद्दे उठाये लेकिन वह इन सबको आखरी मंज़लि तक नहीं पहुंचा पायी। यह भविष्य ही बताएगा कि कैलाश गहलोत का त्यागपत्र आम आदमी पार्टी को राजनीतिक रूप से महंगा पड़ेगा या नहीं, लेकिन इसमें दो राय नहीं कि उन्होंने अपने इस्तीफे में जिस तरह 'आप' की गलत नीति एवं केजरीवाल की अति-महत्वाकांक्षाओं का जिक्र किया, वह अरविंद केजरीवाल के साथ-साथ पूरी आम आदमी पार्टी की साख को करारा आघात देने वाला है। यह एक तथ्य है कि आम आदमी पार्टी आज तक इस प्रश्न का कोई संतोषजनक उत्तर नहीं दे सकी कि आखिर अरविंद केजरीवाल को मुख्यमंत्री रहते अपने सरकारी आवास की साज-सज्जा पर 45 करोड़ रुपये खर्च करने की क्या जरूरत थी? कैलाश गहलोत ने अपने पत्र में यह भी आरोप लगाया है कि 'आप' अपनी रीति-नीति से भटक गई है। केजरीवाल और उनके सहयोगी इससे सहमत नहीं होने वाले, लेकिन इसमें कोई दो राय नहीं कि 'आप' की भ्रष्टाचार विरोधी राजनीतिक दल की छवि का बहुत अधिक क्षरण हुआ है। 'आप' ने नई तरह की एवं मूल्यों की राजनीति करने के जो तमाम दावे किए थे, वे दावे यदि खोखले नजर आने लगे हैं तो इसके लिए अरविंद केजरीवाल और उनके सहयोगी अन्य किसी को जिम्मेदार नहीं ठहरा सकते। एक बड़ा सवाल है कि 'आप' की इस दुर्दशा के चलते क्या वह दिल्ली पर अपनी मजबूत पकड़ को क्या कायम रख पायेगी? क्या दिल्ली में भाजपा या अन्य दलों के लिये अब सत्ता तक पहुंचने की संभावनाएं बढ़ गयी है? आप एवं उसकी सरकार के लिये अभी भी देर नहीं हुई है, ज़रूरत है कि वह जन मुद्दों के बीच प्राथमिकता तय करे। अनावश्यक टकराव से बचते हुए अपने एजेंडे को अमलीजामा पहनाये।

दृष्टि कोण

आतंकवाद पर रुख स्पष्ट करे सियासत

सेवा अस्माकं धर्मः, अर्थात 'राष्ट्र की सेवा हमारा धर्म है।' यह प्रसंग भारतीय थलसेना का आदर्श वाक्य है। सेना के लिए राष्ट्र हमेशा सर्वोपरि रहा है। इसीलिए देश सुरक्षित है। मगर देश पर हुक्मरानी करने वाले सियासी निजाम के लिए वोट बैंक व सत्ता सर्वोपरि होती है। इस नवंबर महीने में वीरभूमि हिमाचल के हिस्से दो और सैन्य बलिदानों का इजाफा हो गया। जम्मू कश्मीर के किश्तवाड़ में सेना की 'दो पैरा स्पेशल फोर्स' के जेसीओ राकेश कुमार दस नवंबर 2024 को आतंकियों से लड़ते बलिदान हो गए। 13 नवंबर को हवलदार सुरेश कुमार 'डोगरा रेजिमेंट' लद्दाख क्षेत्र में वास्तविक नियंत्रण रेखा पर वीरगति को प्राप्त हो गए। राष्ट्र के लिए सर्वोच्च बलिदान देने की सैन्य परंपरा को निभाने वाले दोनों सपूतों का संबंध मंडी जिला से था। डोगरा शासकों के समय से लेकर मौजूदा दौर तक जम्मू कश्मीर के लिए हिमाचल प्रदेश के रणबांकुरों की दास्तान-ए-सुजात की फेहरिस्त काफी लंबी है। जम्मू कश्मीर रियासत के जरनैल 'जोरावर सिंह कहलूरिया' ने डोगरा सल्तनत की सरहदों को अफगानिस्तान से लेकर तिब्बत के महाज तक विस्तार देकर लद्दाख के रणक्षेत्र में अपना बलिदान दिया था। कैप्टन संजय चौहान 'शौर्य चक्र', पवन घंगल 'कीर्ति चक्र', कुलभूषण मांटा 'शौर्य चक्र' तथा सूबेदार संजीव कुमार 'कीर्ति चक्र' जैसे हिमाचल के सैंकड़ों बहादुर सैनिकों ने कश्मीर की सुरक्षा के लिए आतंकवाद से लडक़र अपना सर्वस्व न्योछावर कर दिया था। लेकिन देश की फिजाओं में हरदम सियासी माहौल रहता है। सियासी हुक्मरान देश का राष्ट्रीय खेल बन चुकी सियासत में मशगूल रहते हैं। सियासत जाति, मजहब व वंशवाद की तवाफ करती है। मुल्क का मीडिया सियासत की तवाफ करता है। नतीजतन फिदा-ए-वतन हो रहे जांबाजों का सर्वोच्च बलिदान कभी न्यूज चैनलों की सुर्खियां नहीं बनता। युवा वर्ग के लिए प्रेरणास्रोत हमारा गौरवशाली सैन्य इतिहास कभी शिक्षा पाठ्यक्रम का हिस्सा नहीं बना। सैनिकों की रक्तरंजित शूरवीरता पर मायानगरी के अदाकार फिल्में बनाकर करोड़ों रुपए कमा लेते हैं, मगर वतन-ए-अजीज की हशमत के लिए अपनी जान का नजराना पेश करने वाले वास्तविक नायक गुमनामी के अंधेरे में खो जाते हैं। सुरक्षा के लिहाज से जम्मू कश्मीर भारत के लिए एक मुद्दत से चुनौती बन चुका है। मुल्क के नीति-निर्माताओं के गलत फैसलों का खामियाजा सैनिक व सैन्य परिवार भुगत रहे हैं। कश्मीर हथियाने के लिए चार बड़े युद्धों में मिली शर्मनाक शिकस्त के बदनुमां दाग मिटाने के लिए पाक सेना ने भारत के खिलाफ आतंक को अपना हथियार बनाया। मजहबी रहनुमाओं की जहरीली तालीम ने युवाओं को जन्नत में बहत्तर हूरों का जहालत भरा ख्वाब दिखाकर उनके जहन में मजहबी जिहाद का मवाद भरकर उन्हें हथियार उठाने के लिए प्रेरित किया। पाक परस्त दहशतगर्दों को कश्मीर की स्थानीय आबादी व सियासत की पूरी हिमायत हासिल हुई। बिना लोकल स्पोर्ट के आतंकवाद, अलगाववाद व चरमपंथ कभी पैर नहीं पसार सकते। इसी पाक परस्त आतंक के कारण 1990 के दशक में कश्मीर के मूल निवासी लाखों बेगुनाह लोग घाटी से हिजरत करके अपने ही मुल्क में शरणार्थी बन गए। लेकिन आतंक व पलायन के उस खौफनाक मंजर पर भी कश्मीर से लेकर मरकजी हुकूमत तक देश की सियासत मौन थी। मुफ्तखोरी की खैरात के जरिए मुल्क की हर सियासी जमात सत्ता के फलक पर विराजमान होने को बेताब रहती है। आतंकवाद का मसला तथा कश्मीरी पंडितों के पलायन का मुद्दा जम्हूरियत की पंचायतों में कभी चर्चा का मरकज नहीं बना। जम्मू कश्मीर रियासत के हुक्मरान हरि सिंह की रियासती सेना सन् 1947 में पाक सेना के हमले को रोकने में विफल रही थी। उस वक्त भारतीय सेना ने जोरदार पलटवार करके कश्मीर को बचाया था। पाक परस्त आतंक से निपटने में जम्मू कश्मीर राज्य की पुलिस फोर्स भी नाकाम रही है। नतीजतन 'राष्ट्रीय राइफल्स' की साठ से अधिक बटालियन घाटी में तैनात करनी पड़ी। इसके अलावा पाकिस्तान से सटी जम्मू-कश्मीर की सरहदों पर सेना के सात डिवीजन तैनात हैं। बेतुकी बयानबाजी से अपनी सियासी जमीन मजबूत करने वाले कश्मीर के सियासी रहनुमा खुद सेना की सर्वश्रेष्ठ सिक्योरिटी के दायरे में महफूज रहते हैं। राज्य की पुलिस फोर्स अपने अधिकारियों व प्रशासन तथा सियासतदानों की सुरक्षा में मशरूफ है। घाटी में काम करने वाले अप्रवासी मजदूरों की टारगेट कीलिंग हो रही है। 'ग्राम सुरक्षा गार्डों' का अपहरण करके कत्ल किया जा रहा है। सैनिक शहीद हो रहे हैं।

कुछ अलग

ऐसे थोड़े ही होता है...

बंधुओं! गलतियों के निरंतर क्रम में मुझसे सच बोलने की गलती हुई तो मेरे भगवान ने मुझे कोसा, 'गधे कहीं के! इतना भी नहीं समझते कि सच बोलना गुनाह होता है। अगली बार सब कुछ करना, पर सच बोलने की गलती मत करना', और मैंने उनका आदेश पा सच कहने की गलती सुधार ली। मित्रो! आदमी गलती का पुतला हो या न, पर मैं ठहरा गलती का पुतला। और गलतियों के अनवरत क्रम में मुझसे एक और गलती हो गई। आदमी नहीं हूं न! मुझसे अचानक अपने खास पर विश्वास करने की गलती हो गई। गलती होने पर मेरे भगवान ने मुझे फिर फटकारते कहा, 'सूअर कहीं के! इतना भी नहीं समझते कि अपने पर भी विश्वास करना गुनाह होता है। अगली बार सब कुछ करना, पर अपने पर भी विश्वास करने की गलती मत करना', और मैंने अपने खास पर विश्वास करने पर हुई गलती सुधार ली। कसम खाई कि भविष्य में और चाहे कितनी ही गलतियां करूंगा, पर मरने के बाद भी अपने पर विश्वास करने की गलती न करूंगा। आदमी गलती का पुतला हो या न, पर मैं ठहरा गलती का पुतला। गलती का खेल देखिए, अचानक मुझसे ईमानदारी करने की गलती हो गई। गलती होने पर मेरे भगवान से मुझे फिर फटकारते कहा, 'उल्लू कहीं के! इतना भी नहीं समझते कि नख से शिख तक बेईमानी में सने समाज में किसी से भी ईमानदारी करना गुनाह होता है। अगली बार सब कुछ करना, पर ईमानदारी करने की गलती मत करना', और मैंने ईमानदारी करने की गलती भी सुधार ली। टांगों के नीचे से कान पकड़े, कसम खाई कि मर जाऊं, जो आगे किसी से भी ईमानदारी करूं। जनाब! आदमी गलती का पुतला हो या न, पर मैं ठहरा गलती का पुतला। गलतियों के क्रम में मुझसे एक और गलती हो गई। मुझसे सडक़ पर मर रहे की वीडियो बना उसे वायरल करने के बदले उसे अस्पताल ले जाने की गलती हो गई। गलती होने पर मेरे भगवान से मुझे फिर फटकारते कहा, 'हे गलतियों के भंडार! माना, तुम गलतियों के भंडार हो, पर कदम कदम पर गलती करते फिरो, ये कहां की बदतमीजी है? इतना भी नहीं समझते कि राह में किसी मरते को उठाकर अस्पताल ले जाने के बदले उसका वीडियो बना वायरल करना ही सच्ची मानवता है। राह में किसी मरते को देख उसे अस्पताल ले जाना सबसे बड़ा गुनाह होता है। अगली बार सब कुछ करना, पर किसी भी जरूरतमंद को अस्पताल ले जाने की गलती मत करना', और मैंने फिर किसी राह मरते को उठाकर उसका वीडियो बना वायरल करना शुरू कर उसे अस्पताल ले जाने की गलती भी सुधार ली। हुजूर! आदमी गलती का पुतला हो या न, पर मैं ठहरा गलती का पुतला। और इस गलती के पुतले से कल फिर एक और गलती हो गई। हालांकि मैंने तय कर लिया था कि अब अपने भगवान से अपनी और फजीहत करवाने के बदले मैं और तो सब कुछ करूंगा, पर कोई गलती न करूंगा। पर गलती करने से मेरे जैसे को कौन रोक सकता है? और मुझसे फिर गलती हो गई। इधर मुझसे गलती हुई तो उधर मेरे भगवान को मुझे डांटने फटकारने का एक और अवसर मिला, 'रे सूअर के बच्चे के बच्चे! कर दी न फिर गलती। पता नहीं तुम कितनी गलतियों से बने हो कि जितना तुम्हें गलती न करने की सलाह देता हूं, तुम उतनी ही गलतियां करते हो। समझ में नहीं आता कि तुम जैसे को मैंने आदमी क्यों बनाया?' अब कोई किसी को कितना बर्दाश्त करे? आदमी हो चाहे भगवान! भाई साहब! सहन करने की भी एक हद होती है। वे केवल मेरे भगवान हैं तो इसका मतलब ये तो नहीं हो जाता कि...। आखिर मुझे भी गुस्सा आ गया।

देश दुनिया से

'स्लीप डिवोर्स' का कड़वा सच

आजकल के शादीशुदा जोड़ों के बीच एक नया ट्रेंड देखने को मिल रहा है और इसकी सोशल मीडिया पर भी जबरदस्त चर्चा हो रही है। इसे स्लीप डिवोर्स, यानी कि नींद में तलाक का नाम दिया जा रहा है। पूरी दुनिया के समाज शास्त्री और मनोवैज्ञानिक इसको लेकर चिंताएं व्यक्त कर रहे हैं। यह सिंड्रोम यानी विकार कॉर्पोरेट कल्चर के वर्क कल्चर के कारण अपने देश में भी फैल चुका है। हमारे बड़े शहरों में इन दिनों खास तौर पर कॉर्पोरेट दुनिया में काम कर रहे अनेक युवा कपल्स अपनी नींद को तरजीह देते हुए स्लीप डिवोर्स की तरफ बढ़ रहे हैं। स्लीप डिवोर्स का मतलब है कि पार्टनर्स अलग-अलग बिस्तर पर सोना शुरू कर देते हैं, ताकि उनकी नींद खराब न हो और वे पूरी नींद ले सकें। लेकिन कपल्स के आपसी रिश्ते, सेक्स लाइफ और करीबी को लेकर अनेक विसंगतियां पैदा हो जाती हैं। आइए इस मुद्दे का गहन विश्लेषण करें। 'स्लीप डिवोर्स' में पार्टनर ब्रेकअप या तलाक के फेर में नहीं जाते, बल्कि एक ही घर में रहते हुए अलग-अलग सोना शुरू कर देते हैं। ऐसा इसलिए किया जाता है ताकि एक-दूसरे को परेशान किए बिना पार्टनर रातों को चैन की नींद सो सकें। स्लीप डिवोर्स के दौरान अक्सर कपल्स भावनात्मक लेवल पर अलग नहीं होते, बल्कि अपनी नींद पूरी करने के लिए एक-दूसरे से अलग सोते हैं। स्लीप डिवोर्स शब्द का पहली बार प्रयोग कब हुआ, यह ठीक-ठीक कह पाना मुश्किल है। लेकिन 2013 से ही इस शब्द को मीडिया में पढ़ा जा सकता है। अच्छी नींद और सेहत से जुड़े कई हालिया शोधों में भी यह समस्या तेजी से उभरकर सामने आई है। कई विशेषज्ञ अच्छी सेहत को अच्छी नींद से जोड़ते हैं। उनका मानना है कि स्लीप डिवोर्स से न सिर्फ रिश्ते मजबूत होते हैं, बल्कि सेहत भी सुधरती है। स्लीप डिवोर्स या फिर नींद में तलाक का मतलब, असल में एक-दूसरे से अलग हो जाना या तलाक ले लेना नहीं है। इसका मतलब है कि पार्टनर्स क्वालिटी स्लीप लेने के लिए अलग सोना पसंद करते हैं। इसके अलावा, अलग-अलग स्लीपिंग शेड्यूल होने के चलते, दूसरे पार्टनर के नींद में हाथ-पैर चलाने के कारण, खर्राटे लेने की आदत के चलते या कोई स्लीप डिसोर्डर के कारण स्लीप डिवोर्स की जरूरत पड़ सकती है। लेकिन, अच्छी नींद स्वस्थ रहने के लिए जरूरी है और इसीलिए बहुत से पार्टनर्स यह मानते हैं कि स्लीप डिवोर्स उनके लिए फायदेमंद है। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक उत्तर प्रदेश निवासी एक महिला ने कुछ वक्त पहले तो इस समस्या से जूझ रहे पति से तलाक की अर्जी ही कोर्ट में दाखिल कर दी। काउंसलर्स के लाख समझाने पर महिला तलाक लेने पर ही अड़ी रही। महिला के पति को दरअसल खर्राटे बहुत आते थे। महिला ने तलाक का कारण पति के खर्राटों की वजह से उसे होने वाला मानसिक तनाव प्रमुख वजह बताई थी। इंटरनेशनल हाउसवेयर्स एसोसिएशन ने जनवरी 2023 में एक सर्वे किया था। पता चला कि अमेरिका में तो 20 फीसदी जोड़ों ने एक साथ सोना ही छोड़ दिया, जिसके पीछे प्रमुख वजह पति या पत्नी में से किसी न किसी एक को खर्राटों की समस्या थी। सेंट मैरी यूनिवर्सिटी की मनोवैज्ञानिक डा. स्टेफनी जे. विल्सन द्वारा किए गए एक अध्ययन में पाया गया कि जब दो लोग नींद से वंचित होते हैं, तो इससे शरीर में सूजन की प्रतिक्रिया बढ़ जाती है, और जोड़े एक-दूसरे के साथ अधिक आक्रामक तरीके से और अक्सर झगडऩे लगते हैं। यह कितना सच है? स्लीप डिवोर्स को कई लोग अच्छा नहीं मानते हैं। हम इसकी वकालत तो नहीं कर सकते हैं। कुछ मनोवज्ञानिक मानते हैं कि नींद में तलाक के फायदे अनेक हैं, क्योंकि कई बार नींद पूरी न होने के कारण चिड़चिड़ापन बढ़ जाता है। अगर कपल अलग-अलग सोते हैं तो उनकी नींद पूरी होती है। ऐसे में उनका हेल्थ भी अच्छा रहता है। कई बार ऐसा होता है कि कपल्स के बीच में पर्सनल स्पेस बेहद जरूरी होता है। तो ऐसी स्थिति में वह खुद के साथ कुछ वक्त बिताना चाहते हैं। ऐसे में जब वह अकेले सोते हैं तो उन्हें काफी अच्छा महसूस होता है। क्या यह सच नहीं है कि हर एक व्यक्ति का एक स्लीप रूटीन होता है। यह स्लीप का रूटीन कई बार पार्टनर से मैच नहीं करता है, जिसके कारण उनके रिलेशन में कई तरह की प्रॉब्लम्स होने लगती हैं। जब वे अलग-अलग सोते हैं, उनके बीच झगड़े भी कम होते हैं। हालांकि, कई बार कपल्स बिना लड़ाई के भी अलग-अलग सोते हैं। इसके पीछे कारण होता है कि वो अलग इसलिए सोते हैं ताकि वे अच्छी नींद ले सकें। आसपास के लोगों को लगता है कि कपल्स के बीच लड़ाई है। तभी वे अलग-अलग सोते हैं, लेकिन ऐसा कुछ नहीं है। मनोचिकित्सक कहते हैं की स्लीप डिवोर्स रिश्ते को ज्यादा बेहतर बनाता है। डिवोर्स शब्द सुनते ही हमारे मन में दो व्यक्तियों के बीच अलगाव होने की छवि उभती है, लेकिन स्लीप डिवोर्स में ऐसी कोई बात नहीं। अलग-अलग सोने का बस यही मतलब है कि आपकी नींद की जरूरतें आपके साथी की जरूरतों से मेल नहीं खाती हैं। इसमें संबंधों में कुछ भी अटपटा नहीं है और यह सामान्य है। असल में, अपने पति या पत्नी से अलग दूसरे कमरे में या अलग बिस्तर पर सोना ताकि रात में वह शांति से चैन की नींद ले सके, इसी स्लीप यानी नींद की अवधारणा को स्लीप डिवोर्स कहा जाता है। नींद में तलाक के नुकसान भी हैं। बहुत से एक्सपर्ट्स का यह विपरीत मत है कि स्लीप डिवोर्स के कारण कपल्स के बीच दूरियां आ सकती हैं। अगर वे अपने कनेक्शन को बनाए रखने के लिए कोई दूसरा तरीका नहीं ढूंढते हैं, तो स्लीप डिवोर्स के कारण, उनके रिश्ते में दूरी पैदा हो सकती है। एक साथ सोने से टचिंग, किसिंग, कडलिंग और स्पूनिंग पार्टनर के साथ रिश्ते को मजबूत बनाते हैं। नींद में तलाक के दौरान व्यक्ति पहले पहल पार्टनर को मिस करने लगता है और फिर उसी रूटीन को फॉलो करने लगता है। इससे सेक्सुअल लाइफ प्रभावित होती है, जिससे कुछ लोग तनाव का सामना करने लगते हैं। कई अध्ययनों में यह बात सामने आई है कि जो जोड़े एक साथ बिस्तर शेयर करते हैं, उनमें मनमुटाव या विवाद के सुलझने की संभावनाएं ज्यादा होती हैं। जबकि अलग-अलग सोने वाले जोड़े एक ही मुद्दे पर लंबे समय तक झगड़ते रह सकते हैं। ऐसे में रिश्ता टूटने या किसी एक या दोनों के कहीं और स्पेस तलाशने का जोखिम ज्यादा बढ़ जाता है। स्लीप डिवोर्स तभी बेहतर तरह से काम कर सकता है, जब दोनों पार्टनर्स की इस पर सहमति हो। दोनों में ढेर सारा प्यार और एक-दूसरे पर विश्वास हो।

आप का नजरिया

बच्चों के अधिकार

प्रति वर्ष 20 नवंबर को दुनियाभर में बच्चों के स्वास्थ्य में सुधार करने, बच्चों की समस्याओं को हल करने, बच्चों के बीच जागरूकता तथा बच्चों के कल्याण के लिए काम करने और अंतरराष्ट्रीय एकजुटता को बढ़ावा देने के उद्देश्य से अंतरराष्ट्रीय बाल दिवस मनाया जाता है। यह दिवस बच्चों के अधिकारों की वकालत करने और उन्हें बढ़ावा देने के लिए प्रेरित करता है। इस वर्ष बाल दिवस का विषय है 'प्रत्येक बच्चे के लिए, प्रत्येक अधिकार', जो यह सुनिश्चित करने के महत्व पर जोर देता है कि सभी बच्चों की शिक्षा, स्वास्थ्य देखभाल, सुरक्षा और सुरक्षित वातावरण सहित उनके मौलिक अधिकारों तक पहुंच हो। यह एक ऐसी दुनिया बनाने के लिए सामूहिक कार्रवाई का आह्वान करता है जहां प्रत्येक बच्चा फल-फूल सके और अपनी पूरी क्षमता तक पहुंच सके। वयस्कों से अलग बच्चों के अधिकारों को बाल अधिकार कहा जाता है। सही मायनों में अंतरराष्ट्रीय स्तर पर बाल दिवस की शुरुआत किए जाने का मूल उद्देश्य बच्चों की जरूरतों को पहचानना, उनके अधिकारों की रक्षा करना और उनके शोषण को रोकना है, ताकि बच्चों का समुचित विकास हो सके। भारतीय संविधान में भी बच्चों के कई अधिकार निर्धारित हैं। हमारे संविधान के अनुसार प्रत्येक बच्चे को जिंदा रहने का मौलिक अधिकार है और इसकी पूरी जिम्मेदारी राज्य पर है। हर राज्य की यह नैतिक जिम्मेदारी है कि वह बच्चों को किसी भी तरह के भेदभाव से बचाए और उनके अधिकारों को बढ़ाने के लिए उचित कदम उठाए। बच्चे को उच्चतम स्वास्थ्य एवं चिकित्सा सुविधा पाने का अधिकार है। राज्य का यह कत्र्तव्य है कि वह बच्चे के लिए प्राथमिक स्तर की शिक्षा निःशुल्क व अनिवार्य करे। प्रत्येक बच्चे को अच्छा जीवन स्तर पाने का अधिकार है। अक्षम बच्चे को विशेष देखभाल, शिक्षा, प्रशिक्षण पाने का अधिकार है। बच्चे को नशीली दवाओं, मादक पदार्थों के उपयोग से बचाए जाने का अधिकार है। राज्य का यह कत्र्तव्य है कि वह बच्चों को हर तरह के दुव्र्यवहार से बचाए। समाज के अनाथ बच्चों को सुरक्षा पाने का अधिकार है, बच्चों को ऐसे कार्यों से बचाए जाने का अधिकार है, जो उसके स्वास्थ्य, शिक्षा, विकास को हानि पहुंचाएं। किसी बच्चे को बेचना, अपहरण करना या जबरन काम करवाना कानूनी अपराध है, राज्य की यह नैतिक जिम्मेदारी है कि वह बच्चे को इससे बचाए। राज्य की यह भी जिम्मेदारी है कि वह बच्चों को यौन अत्याचारों, वेश्यावृत्ति आदि से बचाए। अंतरराष्ट्रीय बाल दिवस मनाने की शुरुआत वैसे तो संयुक्त राष्ट्र द्वारा वर्ष 1954 में की गई थी, लेकिन वास्तव में यह दिवस वर्ष 1857 में जून के दूसरे रविवार को चेल्सी (मैसाचुसेट्स) में यूनिवर्सल ऑफ दि रिडीमर के पादरी रेवरेंड डा. चाल्र्स लियोनार्ड ने शुरू किया था। लियोनार्ड ने बच्चों के लिए और उनके लिए समर्पित एक विशेष सेवा का आयोजन किया था, जिसे रोज डे का नाम दिया था। कुछ समय बाद इसे फ्लावर संडे नाम दिया गया और बाद में इसका नाम चिल्ड्रन्स डे कर दिया गया। बहरहाल, सभी सरकारों को बच्चों के कल्याण के लिए काम करने की शपथ लेनी चाहिए।

पाकिस्तान में बलूचिस्तान लिबरेशन आर्मी के खिलाफ सैन्य अभियान शुरू करने की घोषणा

इस्लामाबाद, 20 नवंबर (एजेंसियां)।

पाकिस्तान के प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ ने प्रतिबंधित बलूचिस्तान लिबरेशन आर्मी (बीएलए) के खिलाफ सैन्य अभियान शुरू करने की घोषणा की।

शहबाज ने राष्ट्रीय कार्ययोजना (एनएपी) की शीर्ष समिति की बैठक में आतंकवाद पर चर्चा के दौरान सरकार के भावी कदमों की जानकारी दी।

बैठक की अध्यक्षता प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ ने की। शीर्ष समिति ने आतंकवाद और अलगाववादी गतिविधियों के खिलाफ बलूचिस्तान में पूर्ण सैन्य अभियान को मंजूरी दी। साथ ही राष्ट्रीय आतंकवाद विरोधी प्राधिकरण को पुनर्जीवित करने की कसम खाई। शहबाज शरीफ ने प्रतिबंधित बीएलए को कुचलने के लिए दृढ़ प्रतिबद्धता व्यक्त की।

बैठक में थल सेनाध्यक्ष जनरल असीम मुनीर, सभी मुख्यमंत्री, संघीय कैबिनेट सदस्य और वरिष्ठ अधिकारी शामिल हुए। सभी ने एक स्वर से कहा कि मजीद ब्रिगेड, बीएलए, बीएलएफ (बलूचिस्तान लिबरेशन फ्रंट) और बीआरएएस (बलूच राजी आजोई संगर) सहित बलूचिस्तान में सक्रिय आतंकवादी संगठन मुल्क की आर्थिक स्थिति को खराब करने के लिए निर्दोष नागरिकों और विदेशी नागरिकों को निशाना बना रहे हैं। इसलिए इनके खिलाफ व्यापक सैन्य अभियान जरूरी है। थल सेनाध्यक्ष जनरल मुनीर ने शांति और स्थिरता सुनिश्चित करने के लिए सरकार की पहल का समर्थन किया।

न्यूज ब्रीफ

कनाडा सुरक्षा एजेंसियों का दावा: पीएम मोदी को निज्जर की हत्या की पहले से थी जानकारी

ओटावा। कनाडा ने खालिस्तानी नेता हरदीप सिंह निज्जर की हत्या मामले में भारत के पीएम नरेंद्र मोदी पर सवाल उठाए हैं। कनाडा की सुरक्षा एजेंसियों का मानना है कि पीएम मोदी को इस हत्या और इससे जुड़ी साजिशों के बारे में पहले से जानकारी हो सकती थी। कनाडा के एक वरिष्ठ राष्ट्रीय सुरक्षा अधिकारी के मुताबिक भारत के गृह मंत्री अमित शाह, सलाहकार अजीत डोभाल और विदेश मंत्री सुब्रह्मण्यम जयशंकर भी इस मामले में शामिल थे और यह संभावना भी जताई कि पीएम मोदी को इस हत्या की जानकारी हो सकती है। एक रिपोर्ट में बताया गया है कि कनाडा और अमेरिकी खुफिया एजेंसियों ने खालिस्तानी नेता हरदीप सिंह निज्जर की हत्या को भारत सरकार के अधिकारियों से जोड़ा है। कनाडा के पास इस बात का कोई ठोस प्रमाण नहीं है कि पीएम मोदी को हत्या के बारे में पहले से जानकारी थी, फिर भी यह माना जा सकता है कि पीएम मोदी और उनके वरिष्ठ मंत्रियों के बीच इस पर चर्चा हुई हो। कनाडा पीएम जस्टिन ट्रूडो ने हाल ही में ब्राजील में जी20 शिखर सम्मेलन के दौरान कहा था कि उन्होंने भारतीय अधिकारियों से खालिस्तान समर्थक गतिविधियों के बारे में बातचीत की और अपनी सरकार के रुख को साफ किया है। उन्होंने यह भी कहा कि उनकी प्राथमिकता हमेशा कनाडाई नागरिकों की सुरक्षा करना है। कनाडा ने निज्जर की हत्या के बाद भारत पर आरोप लगाते हुए कहा था कि भारत सरकार के एजेंट कनाडा में गंभीर आपराधिक गतिविधियों में शामिल हो सकते हैं।

पीओके में अशांति के बादल, पांच दिसंबर से बंद का ऐलान

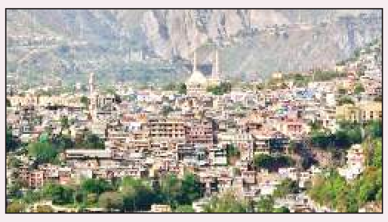

मुजफ्फराबाद। पाकिस्तान अधिकृत कश्मीर (पीओके) में राष्ट्रपति अध्यादेश का विरोध तेज हो गया है। अध्यादेश के खिलाफ शुरू आंदोलन के दौरान रावलकोट और मीरपुर में हुई गिरफ्तारियों से पीओके में अशांति के बादल मंडराने लगे हैं। संयुक्त पीपुल्स एक्शन कमेटी ने पांच दिसंबर से पीओके में एक बार फिर बंद (हड़ताल) का आह्वान किया है। एआरवाई न्यूज चैनल के अनुसार संयुक्त पीपुल्स एक्शन कमेटी ने कहा कि राष्ट्रपति अध्यादेश को समाप्त कर चार्टर को लागू किया जाए। इस अध्यादेश में हर तरह के विरोध प्रदर्शन के लिए प्रशासन की अनुमति लेना अनिवार्य कर दिया गया है। पीओके के लोगों ने इससे पहले सस्ती बिजली और आटे की मांग को लेकर मई में चक्काजाम हड़ताल की थी। इस दौरान रावलकोट, मीरपुर और क्षेत्र के अन्य इलाकों में सभी व्यापार केंद्र, कार्यालय और शैक्षणिक संस्थान बंद रहे।

भारत के थल सेनाध्यक्ष का पांच दिवसीय नेपाल भ्रमण

काठमांडू। भारत के थल सेनाध्यक्ष उपेन्द्र द्विवेदी बुधवार को नेपाल पहुंच रहे हैं। वह नेपाली सेना के मानद महारथी का पद प्राप्त करने के लिए नेपाल आने वाले हैं। नेपाली सेना के मुताबिक 21 नवंबर को राष्ट्रपति रामचन्द्र पौडेल द्वारा उन्हें मानद महारथी का दर्जा देने का कार्यक्रम है। नेपाल और भारत में एक-दूसरे के सेना प्रमुखों को मानद महारथी सम्मान से सम्मानित करने की परंपरा है। इसी परंपरा का निर्वहन करते हुए भारतीय सेना प्रमुख भी नेपाल आने वाले हैं। वह 24 नवंबर तक नेपाल में रहेंगे। अपने पांच दिवसीय नेपाल भ्रमण के दौरान वह राष्ट्रपति रामचंद्र पौडेल, प्रधानमंत्री केपी शर्मा ओली, रक्षा मंत्री मनवीर राई और नेपाली सेना प्रमुख अशोक राज सिगदेल के साथ औपचारिक बैठक करेंगे। दोपहर सेना के विशेष विमान से उनके नेपाल पहुंचने पर काठमांडू के त्रिभुवन अंतरराष्ट्रीय विमानस्थल पर अतिविशिष्ट कक्ष में नेपाली सेना के उपप्रमुख द्वारा उनका स्वागत किया जाएगा। विमानस्थल से सीधे वह सैनिक मंच टुंडीखेल जाएंगे और वीर स्मारक पर श्रद्धा-सुमन अर्पित करेंगे। औपचारिक और शिष्टाचार मुलाकातों के अलावा नेपाल सेना के प्रधान सेनापति के साथ द्विपक्षीय सहयोग पर बैठक में शामिल होंगे। इसके अलावा कमांड एंड स्टाफ कॉलेज के छात्रों के साथ बातचीत और वेस्ट कमांड मुख्यालय का दौरा करने का भी उनका कार्यक्रम है। नेपाल और भारत के बीच सन् 1950 से ही एक-दूसरे के सेना प्रमुख को अपने देश के सेना प्रमुख की मानद उपाधि देने की परंपरा है।

पीएम मोदी से बोले ब्राजील के राष्ट्रपति, भारत के जी-20 अनुभव से बहुत कुछ सीखा

रियो डी जेनेरियो, 20 नवंबर (एजेंसियां)।

भारत के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और ब्राजील के राष्ट्रपति लुइज इंसियो लूला दा सिल्वा ने द्विपक्षीय बैठक की। इस दौरान उन्होंने स्वीकार किया कि ब्राजील ने दो दिवसीय जी-20 रियो शिखर सम्मेलन के आयोजन के लिए भारत के अनुभव से बहुत कुछ सीखा है। राष्ट्रपति लूला ने पीएम मोदी की दूसरे और अंतिम दिन की बैठक के शुरुआत में म्यूजियम ऑफ मॉडर्न आर्ट में द्विपक्षीय बैठक में उनका स्वागत किया।

बैठक के बाद ब्राजील के राष्ट्रपति कार्यालय ने एक बयान में कहा, राष्ट्रपति ने प्रधानमंत्री मोदी को भूख और गरीबी के खिलाफ वैश्विक गठबंधन में शामिल होने के लिए धन्यवाद दिया और पिछले वर्ष जी-20 के आयोजन के लिए उन्हें बधाई दी। लूला ने कहा कि ब्राजील ने रियो शिखर सम्मेलन के आयोजन के लिए भारतीय अनुभव से बहुत कुछ सीखा है। बैठक के दौरान, राष्ट्रपति लूला ने 2025 में सरकार, वैज्ञानिक समुदाय और व्यापारियों के एक प्रतिनिधिमंडल के साथ भारत की यात्रा करने की अपनी इच्छा भी व्यक्त की। पीएम मोदी ने कहा कि भारत को अगले साल राष्ट्रपति लूला और प्रतिनिधिमंडल का स्वागत करने में खुशी होगी और वह 2025 में ब्राजील की राजकीय यात्रा की दिशा में काम करेंगे।

पीएम मोदी ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर एक पोस्ट में कहा, रियो डी जेनेरियो में जी-20 शिखर सम्मेलन के दौरान राष्ट्रपति लूला के साथ बातचीत की। जी-20 की अध्यक्षता के दौरान ब्राजील द्वारा किए गए विभिन्न प्रयासों के लिए उनकी सराहना की। हमने अपने देशों के बीच द्विपक्षीय संबंधों का मूल्यांकन किया और ऊर्जा, जैव ईंधन, रक्षा, कृषि आदि क्षेत्रों में सहयोग बढ़ाने की अपनी प्रतिबद्धता की फिर से पुष्टि की। पीएम मोदी ने जी-20 के कार्य को जारी रखने और समूह के एजेंडे के मुद्दों पर प्रगति के लिए ब्राजील की अध्यक्षता की प्रशंसा की।

डोनाल्ड ट्रंप की नई टीम में भारत के समर्थक तो पाकिस्तान के आलोचक

वॉशिंगटन। अमेरिका राष्ट्रपति चुनाव जीतने के बाद डोनाल्ड ट्रम्प अपनी दूसरी कैबिनेट तैयार कर रहे हैं। उनकी टीम ने पाकिस्तान की चिंता बढ़ा दी है। टीम में शामिल नेता न केवल पाकिस्तान के आलोचक हैं, बल्कि भारत समर्थक भी हैं। सेक्रेटरी ऑफ स्टेट सीनेटर मार्को रुबियो ने भारत समर्थित बिल पेश किए हैं। उन्होंने पाकिस्तान को आतंकवाद का प्रायोजक बताया और अमेरिकी मदद रोकने की बात कही है। यूएस-इंडिया डिफेंस को-ऑपरेशन एक्ट में उन्होंने भारत के साथ रक्षा सहयोग बढ़ाने और पाकिस्तान को आतंकवाद के लिए जवाबदेह ठहराने की सिफारिश की। रुबियो ने क्षेत्र में चीन के प्रभाव को संतुलित करने के लिए भारत को अहम सहयोगी माना है। राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार माइकल वॉल्ट्ज ने पाकिस्तान को आतंकवाद के खिलाफ सख्त संदेश दिए हैं। उन्होंने लश्कर-ए-तैयबा जैसे संगठनों पर कार्रवाई करने और आतंकवाद को विदेश नीति के औजार के रूप में न इस्तेमाल करने की चेतावनी दी है। वॉल्ट्ज पाकिस्तान पर आतंकवाद को खत्म करने का दबाव बना सकते हैं। भारतीय मूल की नेशनल इंटेलिजेंस डायरेक्टर तुलसी गाबार्ड पाकिस्तान के खिलाफ मुखर हैं। पुलवामा हमले के बाद उन्होंने खुलकर भारत का समर्थन किया और पाकिस्तान की आतंकवाद को शरण देने की नीति की निंदा की। 2011 में एबटाबाद में ओसामा बिन लादेन को शरण देने के लिए भी उन्होंने पाकिस्तान को आड़े हाथों लिया था। सीआईए चीफ जॉन रैटक्लिफ ने चीन और ईरान के साथ-साथ पाकिस्तान की गतिविधियों पर सख्त नजर रखने की बात कही है। ट्रम्प टीम के नेता आतंकवाद को खत्म करने के लिए पाकिस्तान पर अधिक दबाव डाल सकते हैं।

बमबारी के बीच गाजा में नेतन्याहू की दस्तक बोले-यहां नहीं होगा हमास का राज

तेलअवीव, 20 नवंबर (एजेंसियां)।

इजरायल के पीएम बेंजामिन नेतन्याहू ने कसम खाई कि गाजा में अब किसी भी कीमत पर हमास का राज नहीं होगा। साथ ही उन्होंने बंधकों की रिहाई के लिए भी बड़ा ऐलान किया। उन्होंने गाजा दौरे पर कहा कि इस युद्ध के बाद हमास कभी भी फलस्तीनी इलाके यानी गाजा पर राज नहीं कर पाएगा।

नेतन्याहू ने हमास को खत्म करने के अपने वादे को दोहराया और कहा कि इजरायली सेना ने हमास की सैन्य क्षमताओं को पूरी तरह से नष्ट कर दिया है। सोशल मीडिया पर उन्होंने अपने दौरे का वीडियो शेयर किया।

वीडियो में बेंजामिन नेतन्याहू बुलेटप्रूफ जैकेट और हेलमेट पहने गाजा में समुद्र किनारे एक जगह पर खड़े दिखे। उन्होंने एक वीडियो रिकॉर्ड किया, जिसमें उन्होंने कहा कि 'हमास वापस नहीं आएगा।' उन्होंने गाजा में बंधक बनाए गए इजरायलियों का भी जिक्र किया। नेतन्याहू ने कहा कि गाजा में लापता बचे 101 इजरायली बंधकों की तलाश जारी रहेगी। उन्होंने तो हर एक बंधक की वापसी के लिए 50 लाख डॉलर यानी करीब 42,19,56,596 रुपए के इनाम की पेशकश भी की। दुश्मन की धरती पर कदम रख बेंजामिन नेतन्याहू ने हमास आतंकियों को चेतावनी देते हुए कहा, 'जो कोई भी हमारे बंधकों को नुकसान पहुंचाने की हिम्मत करेगा, समझो उसकी मौत होगी। हम तुम्हारा पीछा करेंगे, और हम तुम्हें पकड़ तुम्हारा शिकार करेंगे।' नेतन्याहू ने हर बंधक की वापसी पर 50 लाख डॉलर के इनाम की पेशकश करते हुए कहा, 'जो कोई भी बंधक को वापस लाएगा, उसे सुरक्षित रास्ता निकालने में मदद की जाएगी।

सूडान : अल फशेर में भीषण लड़ाई, एसएएफ का दावा- आरएसएफ के 150 लड़कों की मौत

पोर्ट सूडान,20 नवंबर। सूडानी सशस्त्र बलों (एसएएफ) ने दावा किया है कि एक भीषण लड़ाई में अर्धसैनिक रैपिड सपोर्ट फोर्सेज (आरएसएफ) के 150 लड़ाके मारे गए। एसएएफ के मुताबिक पश्चिमी सूडान के उत्तरी दारफुर राज्य की राजधानी अल फशेर में यह लड़ाई हुई है।अल फशेर में एसएएफ की 6वीं इन्फैंट्री डिवीजन की कमान ने एक बयान में कहा, हमारे बल एल फशेर के दक्षिण-पूर्व में लगातार लड़ाई में लगे हुए हैं।बयान में कहा गया, अब तक कई मिलिशिया ठिकानों पर कब्जाी कर लिया गया है, जिसमें दुश्मन के 150 से अधिक हताहत होने का अनुमान है, साथ ही यह भी कहा गया कि एसएएफ यूनिट महत्वपूर्ण कामयाबी हासिल कर रही है।आरएसएफ ने अभी तक संघर्ष पर कोई टिप्पणी नहीं की है।सूडान अप्रैल 2023 के मध्य से एसएएफ और आरएसएफ के बीच विनाशकारी संघर्ष में उलझा हुआ है। अंतरराष्ट्रीय संगठनों के अनुमान के अनुसार, इस घातक संघर्ष की वजह से 24,850 से अधिक लोगों की मौत हो गई है और 14 मिलियन से अधिक लोग विस्थापित हुए हैं।हाल ही में संयुक्त राष्ट्र के मानवीय सहायताकर्मियों ने चेतावनी दी है कि सूडान में बढ़ती हिंसा के कारण हजारों लोग खतरे में हैं। यह हिंसा मानवीय संकट को और गंभीर बना रही है।

'इंटरनेशनल माइग्रेशन ऑर्गेनाइजेशनळ के अनुसार, एक महीने से भी कम समय में, सूडान की राजधानी 'खार्तूमळ के दक्षिण में अज जजीरा राज्य में 3,43,000 से अधिक सूडान के नागरिक विस्थापित हो गए हैं। ये नागरिक लगातार बढ़ रही लड़ाई और असुरक्षा के बीच मौजूद हैं।

समाचार एजेंसी सिन्हुआ की रिपोर्ट के अनुसार उनमें से अधिकांश पड़ोसी राज्यों 'गेदारेफळ और 'कसाला में भाग गए हैं, जहां संयुक्त राष्ट्र और उनसे साझेदार, मेजबान लोगों के साथ मिलकर भोजन, शेल्टर, हेल्थ केयर, मनोवैज्ञानिक सेवाएं, पानी और स्वच्छता समेत इमरजेंसी सहायता प्रदान करने के लिए काम कर रहे हैं।

रूस के खिलाफ यूक्रेन का आक्रामक रुख बना संकट, रूस ने कुर्स्क और डोनबास पर किया कब्जा

मास्को, 20 नवंबर (एजेंसियां)।

यूक्रेन के राष्ट्रपति वोलोडिमिर जेलेंस्की के लिए रूस के खिलाफ उनका आक्रामक रुख अब गंभीर संकट बनता जा रहा है। 2024 के शुरुआती महीनों में रूस ने यूक्रेन के बड़े हिस्सा कब्जा लिया है, खासतौर पर कुर्स्क और डोनबास क्षेत्रों। आंकड़ों के मुताबिक रूस ने इस साल यूक्रेन के अब तक 2,700 वर्ग किलोमीटर क्षेत्र पर कब्जा किया है, जो 2023 के मुकाबले छह गुना ज्यादा है। रूस के तेजी से बढ़ते कदम ने यूक्रेनी सैन्य रणनीति को गहरे संकट में डाल दिया है।

विशेषज्ञों का मानना है कि यूक्रेन की ओर से लगातार आक्रमण और जवाबी हमलों के बावजूद रूस ने अपनी स्थिति मजबूत की है। विशेषकर कुर्स्क क्षेत्र में रूस ने यूक्रेनी आक्रमण को न सिर्फ रोका, बल्कि उस पर फिर से कब्जा कर लिया।

यूक्रेन के लिए यह स्थिति बेहद नाजुक है, क्योंकि रूस की आक्रामकता ने न सिर्फ जमीन के बड़े हिस्से पर कब्जा किया है, बल्कि यूक्रेन की सैन्य ताकत भी खतरे में है। 2023 में जिस क्षेत्र को यूक्रेनी सेना ने रूस से मुक्त किया था, अब वहां रूस ने फिर से अपनी पकड़ मजबूत कर ली है। यह यूक्रेन के लिए एक रणनीतिक झटका साबित हो रहा है, खासतौर पर कुर्स्क जैसे महत्वपूर्ण क्षेत्र में।

यूक्रेन के राष्ट्रपति जेलेंस्की के सामने अब चुनौती यह है कि वह सैन्य आक्रमणों के बावजूद अपने क्षेत्रों को फिर से बचा पाए, ताकि संघर्ष में कोई निर्णायक बदलाव न आए।

नेपाल के पूर्व उपप्रधानमंत्री रवि लामिछाने के खिलाफ सहकारी घोटाले में तीसरा वारंट

काठमांडू, 20 नवंबर (एजेंसियां)।

नेपाल के पूर्व उपप्रधानमंत्री रवि लामिछाने के खिलाफ सहकारी घोटाले में तीसरा वारंट जारी हुआ है। पोखरा के सूर्यदर्शन सहकारी बैंक घोटाले में पिछले एक महीने से पुलिस हिरासत में रहे पूर्व गृह मंत्री रहे रवि लामिछाने के खिलाफ अब काठमांडू के स्वर्णलक्ष्मी सहकारी घोटाले में वारंट जारी किया है। इससे पहले उन पर भैरहवा के सुप्रीम सहकारी बैंक घोटाला में वारंट जारी कर पूछताछ हो चुकी है। पोखरा और भैरहवा के बाद काठमांडू तीसरी जगह है जहां से रवि के खिलाफ वारंट जारी हुआ है।

सहकारी घोटाले की जांच कर रहे केंद्रीय अनुसंधान ब्यूरो (सीआईबी) के प्रवक्ता दीपक थापा ने कहा कि काठमांडू जिला अदालत से रवि लामिछाने के खिलाफ वारंट जारी किया गया है। काठमांडू में हुए सहकारी घोटाले में पूछताछ के लिए लामिछाने को पोखरा से काठमांडू लाने की तैयारी की जा रही है। लामीछाने को पोखरा से काठमांडू लाने के लिए पोखरा के कास्की जिला अदालत में अर्जी दी गई है। उन्होंने कहा कि जैसे ही अदालत से अनुमति मिल जाती है रवि लामिछाने को काठमांडू लाकर पूछताछ की जाएगी।

पोखरा के पुलिस रिमांड में रहे रवि लामिछाने के खिलाफ दो अन्य सहकारी बैंक घोटाले में भी नामजद अभियुक्त बनाया गया है। सीआईबी के प्रवक्ता ने बताया कि काठमांडू के अलावा दो अन्य स्थानों से भी रवि लामिछाने के खिलाफ वारंट जारी करने का प्रयास चल रहा है। पोखरा, भैरहवा और काठमांडू के बाद अब बीरगंज और चितवन में रहे सहकारी बैंक घोटाले में पूछताछ के लिए ले जाया जाएगा।

रवि लामिछाने पर पांच अलग-अलग शहरों के सहकारी बैंक के करोड़ों रुपये अनाधिकृत रूप से अपने गैलेक्सी टीवी चैनल में निवेश का आरोप है। इन सहकारी बैंकों के सदस्य नहीं होने के बावजूद रवि लामिछाने पर इन बैंकों से ऋण के रूप में करोड़ों रुपए की निकासी कर अपने नाम से गैलेक्सी टीवी में निवेश किया था। राजनीति में आने से पहले पत्रकार रहे रवि लामिछाने सहकारी बैंकों के साझेदार के साथ मिल कर गैलेक्सी टीवी संचालन किया करते थे।

पाकिस्तानः आतंकवादियों से मुठभेड़ में 11 जवानों की मौत

पेशावर। पाकिस्तान के खैबर पख्तूनख्वा प्रांत के अशांत बन्नू जिले में पिछले 24 घंटों के दौरान आतंकवादियों से मोर्चा लेते समय सुरक्षाबलों के कम से कम 11 जवानों की जान चली गई। सूत्रों के हवाले से छपी खबर के अनुसार, मंगलवार को बन्नू के जानीखेल इलाके में माली खेल चौकी के पास एक आत्मघाती हमले में लगभग 11 जवानों की मौत हो गई, जबकि दो जवानों की हालत गंभीर बताई जा रही है।

घटनास्थल पर अतिरिक्त सुरक्षा बलों के पहुंचने के बाद घायलों और सैनिकों के शवों को निकाला गया। पिछले महीने के अंत में इसी जिले के बक्का खेल इलाके में हुई गोलीबारी में सेना के मेजर समेत तीन सुरक्षाकर्मियों की मौत हो गई थी। खैबर पख्तूनख्वा प्रांत की तिराह घाटी में सप्ताहांत आतंकवादियों के साथ भीषण गोलीबारी में कम से कम आठ सुरक्षाकर्मियों की मौत हो गई थी।

विश्व कप क्वालीफायर में जापान से हारा चीन

जियामेन,20 नवंबर (एजेंसियां)।

जापान ने मंगलवार को 2026 फीफा विश्व कप क्वालीफायर में चीन को 3-1 से हरा दिया। सितंबर में दोनों टीमों के बीच पहले चरण के मुकाबले में जापानी टीम ने चीन को 7-0 से हराया था।

चीनी टीम ने मैच की शुरुआत बेहतरीन डिफेंस के साथ की। हालांकि 39वें मिनट में कोकी ओगावा ने कॉर्नर क्रॉस पर हेडर से गोल कर जापान को 1-0 की बढ़त दिला दी। पहले हाफ के स्टॉपेज टाइम में, जापान ने एक और कॉर्नर किक में अपनी बढ़त दोगुनी कर ली, जब को इटाकुरा का हेडर नेट में चला गया।

दूसरे हाफ के तीसरे मिनट में लिन लियांगमिंग ने गोल कर चीन का खाता खोला और स्कोर 2-1 हो गया।

हालांकि, जापानी टीम ने छह मिनट बाद ही घरेलू दर्शकों को शांत कर दिया, जब जुन्या इटो ने दाएं फ्लैंक में प्रवेश किया और ओगावा ने हेडर के जरिए अपना दूसरा गोल कर जापान को 3-1 से आगे कर दिया। 70वें मिनट में, वेई शिहाओ चीन के लिए गोल करने के करीब थे, लेकिन उनके शॉट को जापानी गोलकीपर ज़ायन सुजुकी ने रोक दिया। अंतिम सीटी बजने तक जापान ने 3-1 की अपनी बढ़त बरकरार रखी और मैच अपने नाम किया।

हार के बावजूद, चीनी टीम के मुख्य कोच ब्रैंको इवानकोविच ने कहा कि वह अपने खिलाड़ियों द्वारा मैदान पर दिखाए गए जुझारूपन से वास्तव में संतुष्ट हैं।

उन्होंने कहा, मैं अपने खिलाड़ियों के बारे में खुश हूँ। एक मजबूत जापानी टीम के खिलाफ, वे सभी मैदान पर कड़ी टक्कर देते रहे और आगे की ओर दबाव बनाने के लिए बहादुर थे। हमने पहले कुछ सेट पीस डिफेंडिंग अभ्यास किए थे। एक सेकंड के ध्यान भटकने से परिणाम बदल गया। हम भविष्य में अपने सेट पीस डिफेंस में सुधार करेंगे और अपने खिलाड़ियों को मैदान पर अधिक ध्यान केंद्रित करने में मदद करेंगे।

जापान के कोच हाजीमे मोरियासु ने चीनी टीम की क्षमताओं की बहुत प्रशंसा की।

उन्होंने कहा, यह हमारे पहले चरण के मैच की तुलना में पूरी तरह से अलग टीम है। चीनी कोच अपने खिलाड़ियों को अच्छा प्रदर्शन करने में मदद करने के लिए बहुत अच्छा काम कर रहे हैं। यह शुरू से ही एक कठिन खेल था। खेल में हमें लंबे समय तक पीछे धकेला गया, लेकिन हम सेट पीस से दो गोल करने में सफल रहे। कॉर्नर से पहला गोल मैच का बदलावकारी क्षण था।

दूसरी ओर, मंगलवार को इंडोनेशिया ने सऊदी अरब को घरेलू मैदान पर 2-0 से हराकर ग्रुप में अपनी पहली जीत दर्ज की। जापान के पास अब 16 अंक हैं और वह पांच जीत और एक ड्रॉ के साथ ग्रुप में शीर्ष पर है, जबकि सऊदी अरब, इंडोनेशिया और चीन के ग्रुप में छह-छह अंक हैं।

न्यूज ब्रीफ

केरल में खेलते दिखेंगे लियोनेल मेसी, अर्जेंटीना अगले साल कोच्चि में दोस्ताना मैच खेलने के लिए तैयार

नई दिल्ली। अर्जेंटीना की राष्ट्रीय फुटबॉल टीम अगले साल केरल में दो प्रदर्शनी मैच खेलेगी, केरल के खेल मंत्री वी. अब्दुल रहमान ने मंगलवार को एक प्रेस कॉन्फ्रेंस में इसकी घोषणा की। जापान और कतर को अर्जेंटीना के लिए संभावित प्रतिद्वंद्वी माना जा रहा है और लियोनेल मेसी के टीम का हिस्सा होने की उम्मीद है। मंत्री ने कहा, कोच्चि अस्थायी स्थल है, हालांकि अन्य शहरों में मैच आयोजित करने की व्यवहार्यता पर भी चर्चा की जाएगी। मंत्री ने यह भी कहा कि कुल खर्च लगभग 100 करोड़ रुपये होगा और इसे प्रायोजन के माध्यम से पूरा किया जाएगा। उन्होंने कहा कि राज्य व्यापारी संघ इस आयोजन को प्रायोजित करने के लिए आगे आया है। मंत्री ने कहा कि अर्जेंटीना फुटबॉल एसोसिएशन (एएफए) का एक प्रतिनिधिमंडल बातचीत करने के लिए जल्द ही केरल का दौरा करेगा और उसके बाद अंतिम घोषणा की जाएगी। केरल के खेल मंत्री ने इस साल की शुरुआत में स्पेन में एएफए अधिकारियों के साथ प्रारंभिक चर्चा की थी।

माराडोना की बराबरी पर मार्टिनेज

ब्यूनस आयर्स। अर्जेंटीना के लौटारो मार्टिनेज ने पेरू के खिलाफ विश्वकप फुटबॉल क्वालीफायर मुकाबले में गोल कर महान खिलाड़ी डिएगो माराडोना के राष्ट्रीय टीम की ओर से 32 गोल करने रिकार्ड की बराबरी की है।

मार्टिनेज के नाम इस मैच से पहले 31 गोल थे और वह माराडोना से केवल एक गोल ही पीछे थे। वहीं इस सूची में अर्जेंटीन के स्टार खिलाड़ी लियोनेल मेसी 112 गोल के साथ ही नंबर एक पर हैं। मार्टिनेज के दूसरे हाफ में किये गोल के कारण पेरु के खिलाफ मिली 1-0 की जीत से फीफा विश्व कप क्वालीफायर में अर्जेंटीना का शीर्ष स्थान पर कब्जा और मजबूत हुआ है। मार्टिनेज ने कहा,प्रदर्शन, गोल और खेले गए मैचों के मामले में यह एक शानदार साल रहा है। हमें खेलते रहना है और हर दिन और बेहतर करना है। अर्जेंटीना की राष्ट्रीय टीम हमेशा ही आगे रही है। हमें भी कुछ चीजें सुधारने की हैं क्योंकि हर टीम हमें हराना चाहती है। मार्टिनेज ने पेरु के साथ गोल के साथ ही इस साल का अपना 11वां अंतरराष्ट्रीय गोल किया। वह अर्जेंटीना के लिए एक कैलेंडर वर्ष में 10 गोल करने वाले केवल तीसरे खिलाड़ी हैं। उनसे पहले गैब्रियल बतिस्तुता (1998 में 12) और मेसी (2012 में 12 और 2022 में 18) ने गोल किए थे। इस जीत से अर्जेंटीना 12 मैचों में 25 अंकों के साथ ही अंक तालिका में शीर्ष पर बना हुआ है, इस प्रकार वह उरुग्वे से पांच अंक आगे है जबकि पेरू केवल सात अंकों के साथ ही सबसे निचले स्थान पर है। वहीं अर्जेंटीना दक्षिण अमेरिकी क्वालीफायर पेरू के खिलाफ अपने पिछले 18 मैचों में अपराजित रहा है। अर्जेंटीना के खिलाफ दक्षिण पिछले 11 घरेलू मैचों में से 10 में एक भी गोल नहीं हुआ है।

पहले टेस्ट के लिए उछाल भरी रहेगी पिच : क्यूरेटर, बारिश के कारण नमी और घास रहेगी

पर्थ (ईएमएस)। यहां शुक्रवार से भारत और ऑस्ट्रेलिया के बीच आप्टस स्टेडियम में शुरु होने वो बॉर्डर-गावस्कर ट्रॉफी में पिच उछाल भरी रहेगी जिससे तेज गेंदबाजों को लाभ होगा। वाका के मुख्य क्यूरेटर इसाक मैकडोनाल्ड ने कहा कि यहां हाल में हुई बारिश से पिच पर प्रभाव पड़ा है जिससे उसमें दरारें तो नहीं पड़ी हैं पर घास से उछाल जरुर रहेगा और नमी के कारण ये टूटेगी भी नहीं। वैसे भी आप्टस स्टेडियम की पिचों पर गति और उछाल मिलता हैं और सूखे हालात में बनने वाली दरारों से तेज गेंदबाजों को ही अधिक सहायतात मिलती है। यहां पिछले कुछ दिन से बारिश हो रही है और मंगलवार को पिच पर पूरे दिन कवर बिछे थे जिससे क्यूरेटरों को तैयारी के लिये पर्याप्त समय नहीं मिल पाया। मैकडोनाल्ड ने कहहा ,'' जैसी तैयारी होने चाहिये नहीं हो सकी है। कल पूरे दिन पिच पर कवर बिछे थे। अब अगले दो दिन हम जल्दी तैयारी शुरू करेंगे।'' मैच के दिन पर पिच में नमी बनी रहने की उम्मीद है जिससे टेस्ट के पांच दिन भी इसके टूटने की आशंका नहीं है। क्यूरेटर ने कहा ,'' मुझे नहीं लगता कि अब यह पिच टूटेगी। इस पर घुमावदार दरारें पड़ने की संभावना नहीं है परा घास उगने से समान उछाल मिलेगा।'' वहीं मौसम विभाग के अनुसार शुक्रवार के बाद से आसमान साफ रहेगा पर तापमान बढ सकता है। मैकडोनाल्ड ने कहा कि धूप निकलने पर ही वे पिच को सही तरीके से तैयार कर सकेंगे।

फीबा एशिया कप क्वालीफायर

नए कोच के नेतृत्व में भारत की नजरें कतर के खिलाफ जीत दर्ज करने पर

चेन्नई,20 नवंबर (एजेंसियां)।

भारतीय पुरुष राष्ट्रीय बास्केटबॉल टीम शुक्रवार को यहां नेहरू इंडोर स्टेडियम में ग्रुप ई मैच में कतर का सामना करके अपने एफआईबीए एशिया कप 2025 क्वालीफायर अभियान को पुनर्जीवित करने की कोशिश करेगी। फरवरी में आयोजित क्वालीफायर के पहले दो मैचों में कजाकिस्तान और ईरान से लगातार हार के बाद भारत इस मुकाबले में उतरेगा। मई में टीम की कमान संभालने के बाद से यह हेड कोच स्कॉट फ्लेमिंग की पहली असली परीक्षा होगी। उन्होंने 2012-15 तक टीम को कोचिंग दी थी। अमेरिकी कोच ने सर्बियाई वेसलिन मैटिक की जगह ली है। फ्लेमिंग ने मंगलवार को एक प्रेस कॉन्फ्रेंस के दौरान कहा, मैं इस टूर्नामेंट के पिछले मैचों में नहीं था। इसलिए, मेरे लिए, हम कतर के खिलाफ यहां शुरुआत कर रहे हैं और फिर हम वहां से आगे बढ़ेंगे।

फीबा विश्व रैंकिंग में 76वें स्थान पर काबिज भारत क्वालीफिकेशन राउंड में पहली बार कम रैंकिंग वाली टीम का सामना करेगा। कतर, जिसका सामना उसने आखिरी बार 2015 में फीबा एशियाई चैम्पियनशिप में किया था, 101वें स्थान पर है।

उन्होंने कहा, मैं पिछले कई महीनों से अपने खिलाड़ियों से बात कर रहा हूं। हम हर दिन अभ्यास करते हैं और अपने प्रतिद्वंद्वियों से अंतर कम करने की कोशिश करते हैं। घर पर खेलना शानदार है और अगर हम अपनी पूरी क्षमता तक पहुंचते हैं, तो मुझे शुक्रवार की रात जो भी हो सकता है, वह पसंद आएगा।

फ्लेमिंग के पिछले कार्यकाल के दौरान, भारत ने फीबा एशिया कप 2014 में एशियाई दिग्गज चीन के खिलाफ एक प्रसिद्ध जीत दर्ज की और 2014 लुसोफोनिया खेलों में टीम को स्वर्ण पदक भी दिलाया।

उन्होंने कहा कि मई में उनके पदभार संभालने के बाद से, टीम ने कई शिविरों में भाग लिया है और यहां तक कि दुबई की दो एक्सपोजर यात्राएं भी पूरी की हैं, जहां उन्होंने शीर्ष स्तरीय क्लबों के खिलाफ खेला।

फ्लेमिंग ने कहा, 2013-14 में मेरे पास एक ऐसी टीम थी जिसके बारे में मुझे लगता था कि वह एशिया में किसी से भी मुकाबला कर सकती है। इसलिए, ऐसा किया जा सकता है और उस समय ऐसा करने में लगभग एक साल लग गया था और इस बार मुझे उम्मीद है कि यह समय और भी कम होगा।

उन्होंने कहा, हर कोई सालों पहले चीन के खिलाफ़ मिली जीत के बारे में बात करता है, लेकिन मुझे सबसे ज़्यादा लगता है कि हम सभी के साथ प्रतिस्पर्धी थे। अब हमारी टीम में बहुत प्रतिभा है। हमें बस इतना चाहिए कि वे एक साथ आएं और खेल की एक प्रणाली बनाएं।

भारत वर्तमान में अपने ग्रुप में दो मैच खेलकर अंतिम स्थान पर है, कतर के साथ दो अंक बराबर हैं, जो तीसरे स्थान पर है। रैंकिंग में उनके बीच अंतर के बावजूद, कतर ने भारत पर बेहतर रिकॉर्ड का आनंद लिया है, उन्होंने अपने पिछले पांच मुकाबलों में से चार में जीत हासिल की है।

शीर्ष दो टीमों को अगले साल सऊदी अरब में होने वाले टूर्नामेंट के फाइनल के लिए सीधे क्वालीफिकेशन मिलेगा, जबकि छह समूहों में से प्रत्येक से तीसरे स्थान पर रहने वाली सर्वश्रेष्ठ टीमें अंतिम चार स्थानों के लिए एक और क्वालीफाइंग दौर में भाग लेंगी।

फ्लेमिंग ने कहा कि वह और उनके खिलाड़ी जानते हैं कि वे अंडरडॉग हैं, लेकिन उन्होंने कहा कि उनके पास एक टीम है जो उन्हें विश्वास है कि जीत सकती है। फ्लेमिंग ने निष्कर्ष निकाला, मैं अपने खिलाड़ियों से केवल तीन चीजें करने के लिए कहता हूं - कड़ी मेहनत करें, एक साथ खेलें और टीम को खुद से ऊपर रखें।

एन्किसो के अंतिम क्षणों में किए गए गोल की बदौलत पैराग्वे ने बोलीविया के खिलाफ ड्रॉ खेला

एल आल्टो, 20 नवंबर (एजेंसियां)।

ब्राइटन फॉरवर्ड जूलियो एन्किसो के बेहतरीन प्रदर्शन की बदौलत पैराग्वे ने मंगलवार को विश्व कप क्वालीफायर में बोलीविया के साथ 2-2 से ड्रा खेला। एन्किसो ने एक गोल किया और एक में सहायता की। मैच में बोलीवियाने शानदार शुरुआत की और 15वें मिनट में ही रामिरो वेका के बेहतरीन पास के बाद एर्विन वेका ने नज़दीकी रेंज से गोल किया और अपनी टीम को 1-0- की बढ़त दिला दी।

पहले हॉफ तक बोलीवियाने अपनी बढ़त बरकरार रखी। दूसरे हॉफ में मैच के 71वें मिनट में मिगुएल अल्मिरोन ने एन्किसो के पास पर 12-यार्ड से बेहतरीन गोल कर पैराग्वे को 1-1 से बराबरी दिला दी।

मिगुएल टेरसेरोस ने 80वें मिनट में पेनल्टी स्पॉट से गोल कर बोलीविया को 2-1 से आगे कर दिया। इसके बाद अतिरिक्त समय में एन्किसो ने 30-यार्ड ड्राइव के साथ गोल कर अपनी टीम को 2-2 से बराबरी पर ला दिया।

मैच के बाद एन्किसो ने संवाददाताओं से कहा, बोलीविया अपने घरेलू मैदान पर बहुत मजबूत है, लेकिन हमने दिखाया कि हम किस चीज से बने हैं।

उन्होंने समुद्र तल से 4,000 मीटर से अधिक ऊंचाई पर खेलने की कठिनाई का जिक्र करते हुए कहा, हमने मैदान पर अपना सब कुछ झोंक दिया और यहां एक अंक हासिल करना एक बड़ी उपलब्धि है।

इस परिणाम के साथ पैराग्वे के 12 मैचों में 17 अंक हो गए हैं, जो दक्षिण अमेरिकी समूह में बोलीविया से चार अंक आगे है।

ऑस्ट्रियाई क्रिकेट ने टी20 विश्व कप क्वालीफायर के दौरान हुई घटना के लिए इजरायल क्रिकेट से मांगी माफी

नई दिल्ली,20 नवंबर (एजेंसियां)।

ऑस्ट्रियाई क्रिकेट एसोसिएशन (एसीए) ने 10 जून को पुरुषों के टी20 विश्व कप यूरोप क्वालीफायर ए मैच से पहले इजरायल क्रिकेट एसोसिएशन (आईसीए) और इजरायल क्रिकेट टीम से किसी भी तरह की चोट या अपराध के लिए बिना शर्त माफी मांगी है।

हालाँकि घटना की बारीकियाँ अभी तक अज्ञात हैं, आईससी के एक बयान में कहा गया है कि एसीए ने जिम्मेदार खिलाड़ी के साथ इस मुद्दे को सुलझाने के लिए त्वरित कार्रवाई की है, और एसीए की अनुशासनात्मक प्रक्रियाओं के अनुसार खिलाड़ी पर उचित अनुशासनात्मक प्रतिबंध लगाए हैं।

घटना के बाद, आईसीसी ने एसीए और आईसीए के बीच समझौता प्रक्रिया आयोजित की, ताकि आईसीसी के भेदभाव-विरोधी कोड के अनुसार, सहमति से समाधान निकाला जा सके। यह प्रक्रिया भेदभाव-विरोधी और नस्ल संबंधों के क्षेत्र में एक स्वतंत्र विशेषज्ञ पॉल मॉर्टिमर द्वारा गोपनीय रूप से संचालित की गई थी।

यूएसपीएल सीज़न-3 की शुरुआत 22 से, कैलिफोर्निया गोल्डन ईगल्स से भिड़ंत को तैयार कैरोलिना ईगल्स

फ्लोरिडा, 20 नवंबर (एजेंसियां)।

यूनाइटेड स्टेट्स प्रीमियर लीग (यूएसपीएल) के तीसरे सीजन की शुरुआत 22 नवंबर से हो रही है। लीग का पहला मुकाबला कैरोलिना ईगल्स और कैलिफोर्निया गोल्डन ईगल्स के बीच फ्लोरिडा के ब्रोवार्ड काउंटी स्टेडियम में होगा। कैरोलिना ईगल्स के कप्तान गजानंद सिंह यूएसपीएल सीजन 3 में टीम की कप्तानी को लेकर काफी उत्साहित नजर आ रहे हैं। 32 वनडे और 13 टी20 मैच खेले चुके गजानंद ने उद्घाटन मैच से पहले कहा कि, यूएसपीएल के तीसरे सीज़न में कैरोलिना ईगल्स का नेतृत्व करना मेरे लिए गर्व की बात है। हमारी टीम पूरी तरह से संतुलित है और मुझे पूरा भरोसा है कि हम एक मजबूत प्रतिद्वंदी बनकर उभरेंगे।

उन्होंने आगे कहा कि हमारे पास युवाओं और अनुभव का अच्छा मिश्रण है, जिससे टीम काफी संतुलित नजर आ रही है। मुझे पूरी उम्मीद है कि सभी खिलाड़ी मैदान पर अपनी योग्यता दिखाएंगे और इस सीजन को शानदार बनाएंगे।

कैरोलिना ईगल्स अपना दूसरा मैच 23 नवंबर को मैरीलैंड मेवरिक्स के खिलाफ खेलेगी। लीग के प्रत्येक दिन ट्रिपल-हेडर मुकाबले खेले जाएंगे ताकि प्रशंसकों को रोजाना एक्शन से भरपूर क्रिकेट देखने को मिले।

नडाल ने टेनिस से लिया संन्यास, कहा- खुशकिस्मत हूं कि अपने शौक को करियर में बदल सका

मलागा,20 नवंबर (एजेंसियां)।

नीदरलैंड के खिलाफ अपने घरेलू मैदान पर डेविस कप मुकाबले के बाद पेशेवर टेनिस से संन्यास लेने वाले दिग्गज स्पेनिश टेनिस स्टार राफेल नडाल ने कहा कि वह अपने शौक को एक शानदार करियर में बदलने के लिए बेहद भाग्यशाली हैं।

22 बार के ग्रैंड स्लैम चैंपियन नडाल का पेशेवर टेनिस सफर मंगलवार देर रात डेविस कप में नीदरलैंड के खिलाफ स्पेन के क्वार्टर फाइनल मैच के शुरुआती मुकाबले में बोटिक वैन डे ज़ैंड्सचुल्प से 6-4, 6-4 से सीधे सेटों में हार के साथ समाप्त हो गया।

इसके बाद युवा सनसनी कार्लोस अल्काराज ने टैलोन ग्रीक्सपूर के खिलाफ 7-6 (0), 6-3 से जीत के साथ स्कोरलाइन को बराबर कर दिया। लेकिन बाद में, अल्काराज और मार्सेल ग्रैनोलर्स को युगल निर्णायक मुकाबले में 7-6 (4), 7-6 (3) से हार का सामना करना पड़ा और नीदरलैंड अगले दौर में पहुंचा गया।

एटीपी की आधिकारिक वेबसाइट के हवाले से मैच के बाद नडाल ने कहा, मैं वह व्यक्ति हूं जिसे इतने सारे लोगों का आभारी होना चाहिए। यह जानना मुश्किल है कि कहां से शुरू करें।

नडाल ने प्रशंसकों को उनके असाधारण समर्थन के लिए धन्यवाद दिया। उन्होंने कहा, स्पेन और सामान्य रूप से दुनिया में, मुझे इतना स्नेह पाकर बहुत सौभाग्यशाली महसूस हुआ है।

नडाल ने विरोधियों के साथ-साथ अपने साथियों को भी बधाई देते हुए कहा, मैं यहां मौजूद पूरी स्पेनिश टीम का शुक्रिया अदा करना चाहता हूं। आप सभी ने मुझे इस डेविस कप में खेलने का मौका दिया। यह वैसा नहीं हुआ जैसा हम चाहते थे, मैंने अपना सबकुछ दिया। मेरे करियर के कई सबसे भावनात्मक पल यहां मौजूद कई लोगों के साथ रहे हैं, यह मेरे लिए बहुत बड़ा सम्मान रहा है। हमने साथ मिलकर कई शानदार चीजें हासिल की हैं और अब समय आ गया है कि आप सभी उन्हें हासिल करते रहें।

नडाल ने कहा कि एक खिलाड़ी नहीं चाहता कि रिटायरमेंट का यह पल आए, लेकिन उसका शरीर अब टेनिस नहीं खेलना चाहता। उन्होंने कहा, आपको स्थिति को स्वीकार करना होगा, मैं बहुत खुशकिस्मत महसूस करता हूं। मैं अपने शौक में से एक को अपने करियर में बदलने में सक्षम रहा हूं, और यह मेरी कल्पना से कहीं ज्यादा लंबा था। मैं केवल जीवन का आभारी हो सकता हूं। उन्होंने प्रेस, टेनिस संस्थानों और बिरादरी को उनके समर्थन के लिए धन्यवाद दिया, जिसने उन्हें आगे बढ़ने में मदद की और स्टैंड में मौजूद अपने परिवार और टीम के लिए एक विशेष संदेश भी दिया।

उन्होंने आंखों में आंसू भरकर कहा, मैं शांत हूं, क्योंकि मुझे ऐसी शिक्षा मिली है, जिससे मैं अपने नए जीवन को मन की शांति के साथ जी सकता हूं। मेरे आसपास एक अच्छा परिवार है, जो मेरी मदद करता है।

बोटिक से हारने के बाद नडाल ने यह भी कहा कि यह उनके लिए एक भावनात्मक दिन था।

उन्होंने कहा, मुझे पता था कि यह एक पेशेवर टेनिस खिलाड़ी के रूप में मेरा आखिरी मैच हो सकता है। इससे पहले के पल भावनात्मक थे, सामान्य तौर पर उन्हें संभालना थोड़ा मुश्किल था। बहुत सारी भावनाएँ थीं। मैंने इसे यथासंभव बेहतर तरीके से करने की कोशिश की। मैंने परिणाम चाहे जो भी हो, मैंने आवश्यक ऊर्जा के साथ, यथासंभव सर्वश्रेष्ठ रवैया रखने की कोशिश की। अंत में उम्मीद की एक किरण दिखी, लेकिन ऐसा नहीं हो सका। मेरा प्रतिद्वंद्वी आज मुझसे बेहतर था और बस यही बात है।

जुलाई में नोवाक जोकोविच से हारने के बाद पेरिस ओलंपिक के दूसरे दौर के बाद से प्रतिस्पर्धी टेनिस नहीं खेलने वाले नडाल तब से कोर्ट पर अभ्यास कर रहे थे और अपने कप्तान डेविड फेरर के लिए खेलने में सक्षम महसूस कर रहे थे।

उन्होंने कहा, यह निर्णय लिया गया कि मैं खेलूंगा। हम जानते थे कि यह थोड़ा जोखिम भरा निर्णय था। डेविड ने हम सभी को अभ्यास करते हुए देखा था और हम सभी को लगा कि मैं मैच के लिए सही खिलाड़ी हूं।

घरेलू ताप विद्युत संयंत्रों के कोयला आयात में आई गिरावट : कोयला मंत्रालय

नई दिल्ली,20 नवंबर (एजेंसियां)।

देश में घरेलू कोयला आपूर्ति बढ़ने के कारण इसके आयात में गिरावट दर्ज हुई है। चालू वित्त वर्ष 2024-25 की अप्रैल-सितंबर अवधि के दौरान गैर-विनियमित क्षेत्रों (एनआरएस) का कोयला आयात 9.83 फीसदी घटकर 63.28 मीट्रिक टन (एमटी) रह गया।

गैर-विनियमित क्षेत्रों का कोयला आयात 9.83 फीसदी घट कर 63.28 मीट्रिक टन

पिछले वित्त वर्ष की समान अवधि में एनआरएस ने 70.18 मीट्रिक टन कोयला आयात किया था। इसी तरह मिश्रण उद्देश्य के लिए घरेलू ताप विद्युत संयंत्रों का कोयला आयात भी अप्रैल-सितंबर अवधि में 8.59 फीसदी घटकर 9.79 मीट्रिक टन रह गया, जो पिछले वित्त वर्ष की इसी अवधि में 10.71 मीट्रिक टन रहा था।

कोयला मंत्रालय ने बुधवार को जारी बयान में कहा कि चालू वित्त वर्ष 2024-25 की अप्रैल-सितंबर के दौरान कुल कोयला आयात पिछले वित्त वर्ष की इसी अवधि में 127.78 मीट्रिक टन की तुलना में 1.36 फीसदी बढ़ कर 129.52 मीट्रिक टन हो गया। वहीं, मूल्य के संदर्भ में अप्रैल-सितंबर के दौरान कुल आयातित कोयला 1,38,763.50 करोड़ रुपये रहा, जो पिछले वित्त वर्ष की इसी अवधि के 1,52,392.23 करोड़ रुपये से कम है। मंत्रालय के मुताबिक आयात में कमी के परिणामस्वरूप 13,628.73 करोड़ रुपये की बचत हुई है, जो कोयला खरीद के लिए अधिक लागत प्रभावी दृष्टिकोण को दर्शाता है।

मंत्रालय ने कहा कि यह इन क्षेत्रों के लिए घरेलू कोयले की आपूर्ति पर बढ़ती निर्भरता को दर्शाता है। हालांकि, इस्पात उद्योग के लिए जरूरी कोकिंग कोयले और आयातित कोयला आधारित (आईसीबी) बिजली संयंत्रों के लिए कोयले के आयात में वृद्धि हुई है, जिन्हें घरेलू कोयले से प्रतिस्थापित नहीं किया जा सकता है। मंत्रालय ने कहा कि सरकार घरेलू उत्पादन को बढ़ाकर और लॉजिस्टिक्स को सुव्यवस्थित करके जहां संभव हो, आयातित कोयले पर निर्भरता कम करने के लिए प्रतिबद्ध है। इसके साथ ही बिजली और इस्पात जैसे महत्वपूर्ण उद्योगों को समर्थन देने के लिए गैर-प्रतिस्थापनीय कोयले के आयात को रणनीतिक रूप से बनाए रखा गया है।

न्यूज ब्रीफ

बिटकॉइन ने बनाया नया रिकॉर्ड, 94 हजार डॉलर के पार पहुंची कीमत बिटकॉइन का बाजार मूल्य 1.82 ट्रिलियन डॉलर पर

वाशिंगटन। आधुनिक वित्तीय दुनिया में क्रिप्टोकरेंसी के क्षेत्र में बिटकॉइन ने एक बार फिर से अपनी ताकत दिखाते हुए नई ऊंचाई को छू लिया है। बिटकॉइन की कीमत 94,000 डॉलर के पार पहुंच गई है, जो एक रिकॉर्ड है। इस बड़ी बढ़त के पीछे बितकॉइन के प्रमुख समर्थक पूर्व अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप और टेस्ला के मालिक एलन मस्क का समर्थन माना जा रहा है। कंपनी क्वाइन डेस्क के आंकड़ों के मुताबिक बिटकॉइन की कीमत ने 94,038.97 डॉलर के स्तर तक पहुंच कर रिकॉर्ड बनाया। पिछले हफ्ते में बिटकॉइन में 2 फीसदी की वृद्धि देखने को मिली, जबकि पिछले महीने में इसने 33 फीसदी से अधिक का रिटर्न दिया। वर्तमान में बिटकॉइन का बाजार मूल्य 1.82 ट्रिलियन डॉलर पर पहुंच गया है। इसके साथ ही एलन मस्क की पसंदीदा क्रिप्टोकरेंसी डॉगकॉइन की भी कीमत में बढ़ोतरी देखने को मिली है। वर्तमान में डॉगकॉइन की कीमत 0.38 डॉलर हो गई है, जो पिछले हफ्ते में 1.30 फीसदी तक बढ़ गई है। ट्रंप की जीत के बाद डॉगेकॉइन ने निवेशकों को 175 फीसदी का रिटर्न दिया है, जबकि पिछले एक साल में इसने 400 फीसदी से ज्यादा की कमाई दी है। ग्लोबल क्रिप्टोकरेंसी मार्केट ने भी नई ऊंचाई छू ली है और अब यह 3 ट्रिलियन डॉलर से ऊपर पहुंच चुका है। हालांकि पिछले 24 घंटे में गिरावट आई है, लेकिन कुल मार्केट कैप में 5 नवंबर के बाद से 800 बिलियन डॉलर से ज्यादा का इजाफा हुआ है।

ओला इलेक्ट्रिक मोबिलिटी का शेयर 55 फीसदी तक गिरा, निवेशकों को 38,000 करोड़ रुपए का नुकसान

नई दिल्ली,20 नवंबर (एजेंसियां)।

हाल ही में लिस्टेड कंपनी ओला इलेक्ट्रिक मोबिलिटी ने अपने निवेशकों को बड़ी चोट पहुंचाई है। इस कंपनी का शेयर करीब 55 फीसदी तक गिर चुका है, जिससे निवेशकों के लगभग 38,000 करोड़ रुपए का नुकसान हो गया है। मंगलवार को यह शेयर 70 रुपए पर बंद हुआ, जबकि 20 अगस्त को यह उच्चतम स्तर पर था। ओला इलेक्ट्रिक के ग्राहकों की खराब सेवा और उत्पाद गुणवत्ता का आरोप शेयरों में गिरावट का मुख्य कारण बन रहा है। कई ग्राहकों ने गाड़ी में तकनीकी समस्याओं की शिकायत की है, जैसे कि ब्रेक शू की खराबी और बैटरी व सॉफ़्टवेयर की समस्याएं। इससे कंपनी के शेयरों में व्यापक गिरावट देखने को मिल रही है।

इसके अतिरिक्त ओला इलेक्ट्रिक के खराब वित्तीय नतीजे भी शेयर में गिरावट का बड़ा कारण है। कंपनी की दूसरी तिमाही में 495 करोड़ रुपए का घाटा हुआ, जो कंपनी की बढ़ती संख्याओं को दर्शाता है। ओला के फाउंडर भाविश अग्रवाल की कॉमेडियन कुणाल कामरा के साथ सोशल मीडिया पर हुई बहस के बाद, कंपनी की भड़की किरकिरी का सामना करना पड़ा। कुणाल कामरा ने कंपनी के उत्पादों में पाई जा रही समस्याओं को सामने रखकर कंपनी पर हमला किया, जिससे कंपनी की साख और धक्का लगा। ओला इलेक्ट्रिक मोबिलिटी के शेयरों में गिरावट और वित्तीय संकष्टों के बढ़ते दबाव के बीच कंपनी का भविष्य अभी अनिश्चित बना हुआ है। निवेशकों और ग्राहकों की उम्मीदें कंपनी पर बड़ी चुनौतियों का सामना कर रहा है।

पोस्ट ऑफिस की नेशनल सेविंग्स सर्टिफिकेट स्कीम: अच्छा निवेश विकल्प, ऑनलाइन निवेश की सुविधा भी उपलब्ध

नई दिल्ली । आजकल निवेश करने वाले लोग बेहद सावधानी से अपनी धनराशि लगाने की प्रक्रिया में जुटे हैं। इस संदेश को ध्यान में रखते हुए, सरकारी पोस्ट ऑफिस द्वारा संचालित नेशनल सेविंग्स सर्टिफिकेट स्कीम एक अच्छा निवेश विकल्प प्रस्तुत करती है। यह स्कीम विभिन्न आयु समूहों के लिए रुचिकर ब्याज दर के साथ आता है। एनएससी स्कीम में निवेश करने वालों को मिलने वाला 7.7 फीसदी का ब्याज न केवल उनके पैसे को दोगुना करता है, बल्कि इनकम टैक्स एक्ट के तहत निवेश की रकम पर टैक्स छूट का भी लाभ मिलता है। इस स्कीम का लॉक-इन पीरियड 5 वर्ष का होता है, जो निवेशकों के लिए एक सावधानीपूर्ण समयावधि प्रदान करता है। इस सेविंग्स स्कीम में छोटे बच्चों के नाम से भी अकाउंट ओपन कराने की सुविधा दी गई है, जिससे उनका भविष्य सुरक्षित रहे। निवेशकों को सरकार द्वारा दी गई गारंटी के साथ निवेश करने का मौका मिलता है। इस स्कीम के तहत ऑनलाइन निवेश की सुविधा भी उपलब्ध है, जिससे निवेशकों को किसी भी समय और किसी भी स्थान से आसानी से निवेश करने का अवसर मिलता है। इस प्रकार, नेशनल सेविंग्स सर्टिफिकेट स्कीम एक सुरक्षित, लाभकारी और आसान निवेश विकल्प प्रदान करती है जो निवेशकों के लिए एक बेहतर भविष्य की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम साबित हो सकता है।

पब्लिक सब्सक्रिप्शन के लिए खुला नया सेक्टोरल फंड, 5000 रुपए से शुरू कर सकते हैं निवेश

नई दिल्ली,20 नवंबर (एजेंसियां)।

एसेट मैनेजमेंट कंपनी पीजीआईएम इंडिया म्यूचुअल फंड इक्विटी कैटेगरी में नया सेक्टोलर फंड पीजीआईएम इंडिया हेल्थकेयर फंड लेकर आया है। यह न्यू फंड ऑफर 19 नवंबर से पब्लिक सब्सक्रिप्शन के लिए खुल गया है और इसमें 3 दिसंबर, 2024 तक निवेश किया जा सकता है। यह स्कीम 11 दिसंबर, 2024 को रेगुलर बिक्री और रीपर्चेज के लिए फिर से खुलेगी। यह हेल्थकेयर और फार्मास्युटिकल कंपनियों की इक्विटी और इक्विटी से संबंधित सिक्योरिटीज में निवेश करने वाली एक ओपन एंडेड इक्विटी स्कीम है। इस फंड के लिए बेंचमार्क बीएसई हेल्थकेयर टीआरआई है। म्यूचुअल फंड हाउस का कहना है कि इस स्कीम में न्यूनतम 5,000 रुपये और इसके बाद 1 रुपये के मल्टीपल में निवेश शुरू कर सकते हैं। इसके अलावा न्यूनतम 1,000 रुपये और इसके बाद 1 रुपये के मल्टीपल में अतिरिक्त खरीद की जा सकती है। इसमें निवेशकों को एसआईपी (सिस्टमेटिक इन्वेस्टमेंट प्लान) के जरिए निवेश का भी मौका है। एसआईपी के जरिए कम से कम 5 किस्त और हर किस्त के लिए कम से कम 1,000 रुपये की राशि और उसके बाद 1 रुपये के मल्टीपल में निवेश किया जा सकता है। इस स्कीम में एग्जिट लोड है। एकमुश्त, स्विच-इन, सिस्टमैटिक इन्वेस्टमेंट प्लान (एसआईपी) और सिस्टमैटिक ट्रांसफर प्लान (एसटीपी) के माध्यम से यूनिट की प्रत्येक खरीद के लिए यूनिट्स के आवंटन की तारीख से 90 दिनों के भीतर रिडम्शन पर 0.50 फीसदी, एग्जिट लोड है। टोटल एग्जिट लोड अगर कोई हो, योजना में जमा किया जाएगा। पीजीआईएम इंडिया एसेट मैनेजमेंट के सीईओ अजीत मेनन का कहना है कि पीजीआईएम इंडिया हेल्थकेयर फंड निवेशकों को भारत के तेजी से बढ़ रहे हेल्थकेयर सेक्टर में निवेश कर मुनाफा कमाने का एक अच्छा अवसर उपलब्ध देता है। कम लागत, इनोवेशन, हेल्थ इंश्योरेंस के लिए बढ़ती जागरुकता, बढ़ते एफडीआई इन्फ्लो और लगातार बढ़ रहे मेडिकल टूरिज्म और अन्य कई फैक्टर के चलते निवेशकों को इस फंड में निवेश करने का फायदा मिलेगा।

प्रथम पृष्ठ का शेष...

सुरक्षा तंत्र की...

उसने नामांकन दाखिले में दिए जाने वाले हलफनामे में भी झूठे तथ्य दर्ज किए। उसने साल 1989 से 1991 के बीच पाक अधिकृत कश्मीर (पीओके) और अफगानिस्तान में आतंकवाद की ट्रेनिंग ली थी। ट्रेनिंग पूरा होने के बाद वह 1991 में देवबंद आया और पहचान छिपाकर रहने लगा। तीन दशक के बाद उसे फिर गिरफ्तार किया जा सका, इस दरम्यान उसने भारत के सुरक्षा तंत्र की खूब धज्जियां उड़ाईं और यह साबित किया कि भारत के आंतरिक सुरक्षा तंत्र में छेद ही छेद हैं।उस नायाब शख्स और कुख्यात आतंकी का नाम है नजीर अहमद उर्फ मुस्तफा बानी उर्फ जावेद इकबाल। फरारी के दौरान ही उसने जम्मू-कश्मीर में विधानसभा चुनाव भी लड़ लिया। नजीर अहमद बानी लगातार अपना नाम बदलता रहा है। देवबंद में दर्ज मुकदमे में उसका नाम नजीर अहमद है। लेकिन वह सहारनपुर में मुश्ताक अहमद के नाम से रहता था। ग्रेनेड अटैक के बाद फरार होने पर उसने अपना नाम मुस्तफा रख लिया। बाद में जमानत मिलते ही वह कश्मीर वापस लौट गया। फिर अपना नाम जावेद इकबाल बानी रख लिया। नाम के साथ उसने अपने पते भी बदले। पहले नजीर अहमद का पता जम्मू-कश्मीर के बड़गाम जिले में पड़ने वाले इंजक शरीफाबाद हुआ करता था। यह पता पारिमपुरा थाना क्षेत्र में पड़ता है। जमानत के बाद कश्मीर लौट कर वह बड़गाम जिले के ही सोईबुध कस्बे के पास गांव हाकर मुल्ला में रहने लगा। जिस थाना क्षेत्र का नजीर अहमद बानी रहने वाला है, वहां से लगभग 50 सक्रिय आतंकी अलग-अलग दौर में निकल चुके हैं।

देवबंद में पुलिस पर किए गए ग्रेनेड हमले के समय नजीर अहमद की उम्र 20 वर्ष थी। वह अविवाहित था। जमानत के बाद कश्मीर लौटते ही उसने सबरीना नाजिर से निकाह कर लिया। उसके 3 बच्चे हैं। इनके नाम मकीत, सादात और सुगरा हैं। साल 2019 में उसने वैगन आर कार खरीदी थी। सरकारी दस्तावेजों में वह खुद को और अपनी बीवी को कारोबारी बताता था। नजीर अहमद बानी ने 2024 का जम्मू कश्मीर का विधानसभा चुनाव लड़ा। उसने बड़गाम सीट से उमर अब्दुल्ला के खिलाफ निर्दलीय प्रत्याशी के तौर पर नामांकन किया। चुनाव आयोग की वेबसाइट पर उपलब्ध जानकारी के अनुसार उसे विधानसभा चुनाव में केवल 1583 वोट मिले। इससे पहले उसने नगर पालिका का भी चुनाव लड़ा था। लेकिन इसमें भी उसे हार मिली थी।

विधानसभा चुनाव के लिए नजीर अहमद ने जो हलफनामा दाखिल किया है उसमें देवबंद के ग्रेनेड अटैक को लेकर जानकारी नहीं दी है। केवल एक केस का जिक्र किया है जो उसके खिलाफ जनवरी 2023 में बड़गाम जिले में दर्ज हुआ था। केस में आईपीसी की धारा 341 और 506 के तहत कार्रवाई की गई थी। जबकि साल 1993 में नजीर अहमद बानी पर पुलिसकर्मियों सहित आम नागरिकों पर ग्रेनेड फेंकने की घटना पर आईपीसी की धारा 307 और विस्फोटक अधिनियम के तहत मामला दर्ज हुआ था। 1994 में उसकी गिरफ्तारी के बाद उस पर फर्जी दस्तावेज प्रयोग करने के अपराध में आईपीसी की धारा 467, 468 व 471 के तहत एक और एफआईआर दर्ज हुई थी। इन दोनों मुकदमों में नजीर अहमद करीब 30 वर्षों से पेश नहीं हो रहा था।नजीर अहमद सोशल मीडिया पर बानी जावेद इकबाल के नाम से सक्रिय है। इस प्रोफाइल को खंगालने पर आम आदमी पार्टी से उसके जुड़ाव की पुष्टि होती है। आपा के दिल्ली मुख्यालय से जारी एक आधिकारिक पत्र में उसका नाम कश्मीर विधानसभा चुनावों के लिए शीर्ष 40 स्टार प्रचारकों की सूची में दर्ज है। यह पत्र 24 अगस्त 2024 को आपा के नोडल अधिकारी बिपुल डे ने जारी किया था। इसमें 38वें नंबर पर जावेद इकबाल नाम का जिक्र है। पत्र की प्रतियां नई दिल्ली और जम्मू कश्मीर चुनाव आयोग को भी प्रेषित की गई थीं। नजीर ने इसे फेसबुक पर शेयर करते हुए पार्टी को धन्यवाद भी दिया है।

नजीर अहमद के खिलाफ 20 मई 2024 को सहारनपुर की एक अदालत ने स्थायी वारंट जारी किया था। इसके बाद उसकी गिरफ्तारी के लिए पुलिस ने 25 हजार रुपए का इनाम घोषित किया था। 17 नवंबर 2024 को यूपी एटीएस ने उसे श्रीनगर से दबोच लिया। एक रिपोर्ट में सहारनपुर के पुलिस अधीक्षक (ग्रामीण) सागर जैन के हवाले से बताया गया है कि नजीर अपनी पहचान बदलकर इतने समय तक बचता रहा था।

पीएम मोदी के...

प्रदान किया गया। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को अब तक दुनियाभर में 19 देशों की तरफ से राष्ट्रीय सम्मान मिल चुके हैं। गुयाना में पीएम मोदी को सर्वोच्च राष्ट्रीय सम्मान- द ऑर्डर ऑफ एक्सीलेंस से सम्मानित किया जाएगा, वहीं बारबाडोस में पीएम मोदी को प्रतिष्ठित ऑनररी ऑर्डर ऑफ फ्रीडम ऑफ बारबाडोस सम्मान दिया जाएगा।इससे पहले नाइजीरिया ने रविवार को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को अपने दूसरे सबसे बड़े राष्ट्रीय सम्मान ग्रैंड कमांडर ऑफ द ऑर्डर नाइजर से सम्मानित किया। इस सम्मान के साथ ही प्रधानमंत्री मोदी दूसरी ऐसे विदेशी नेता बन गए हैं, जिन्हें प्रतिष्ठित पुरस्कार प्रदान किया गया है।पुरस्कार प्राप्त करने के बाद पीएम मोदी ने कहा, नाइजीरिया के ग्रैंड कमांडर ऑफ द ऑर्डर ऑफ द नाइजर पुरस्कार से सम्मानित होने पर मैं बहुत गौरवान्वित महसूस कर रहा हूं। मैं इसे बड़ी विनम्रता के साथ स्वीकार करता हूं और इसे भारत के लोगों को समर्पित करता हूं। मोदी को दिया गया यह 17वां अतरराष्ट्रीय पुरस्कार है। इससे पहले 1969 में ब्रिटेन की महारानी एलिजाबेथ को इस पुरस्कार से सम्मानित किया गया था।वैश्विक स्तर पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की लोकप्रियता सर्वाधिक है। एक सर्वे में उन्हें सबसे लोकप्रिय नेता करार दिया गया था। इतना ही नहीं कई देश भी उन्हें अपने सर्वोच्च पुरस्कार से सम्मानित कर चुके हैं। क्षेत्रीय और वैश्विक स्तर पर उनके नेतृत्व के लिए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को 2014 से अब तक 19 देशों के सर्वोच्च राष्ट्रीय पुरस्कारों समेत संयुक्त राष्ट्र का सर्वोच्च पर्यावरण पुरस्कार से भी सम्मानित किया गया है। पीएम मोदी को साल 2016 में अफगानिस्तान द्वारा स्टेट ऑर्डर ऑफ गाजी अमीर अमानुल्लाह खान, फरवरी 2018 में फिलिस्तीन द्वारा ग्रैंड कॉलर ऑफ द स्टेट ऑफ फिलिस्तीन, अक्टूबर 2018 में संयुक्त राष्ट्र द्वारा यूएन चैंपियन ऑफ द अर्थ अवार्ड दिया गया था। वहीं, अप्रैल 2019 में यूएई द्वारा ऑर्डर ऑफ जायद और अप्रैल 2019 में ही रूस द्वारा ऑर्डर ऑफ सेंट एंड्रयू अवार्ड से सम्मानित किया गया था। इसके अलावा, पीएम मोदी को जून 2019 में मालदीव से ऑर्डर ऑफ द डिस्टिंग्विश्ड रूल ऑफ इजुद्दीन, अगस्त 2019 में बहरीन द्वारा किंग हमाद ऑर्डर ऑफ द रेनेसां, दिसंबर 2020 में अमेरिका द्वारा लीजन ऑफ मेरिट, दिसंबर 2021 में भूटान द्वारा ऑर्डर ऑफ द ड्रैगन किंग और इस साल मई में फिजी द्वारा ऑर्डर ऑफ फिजी और पापुआ न्यू गिनी द्वारा ऑर्डर ऑफ लोगोहू से सम्मानित किया गया था।

पिछले साल जून में मिस्र के राष्ट्रपति अब्देल फतह अल-सीसी ने प्रधानमंत्री मोदी को ऑर्डर ऑफ द नाइल पुरस्कार से सम्मानित किया। यह मिस्र का सर्वोच्च राजकीय सम्मान है। मई 2023 में पापुआ न्यू गिनी द्वारा कंपेनियन ऑफ द ऑर्डर ऑफ लोगोहू, मई 2023 में कंपेनियन ऑफ द ऑर्डर ऑफ फिजी, मई 2023 में पलाऊ गणराज्य द्वारा एबाकल पुरस्कार से सम्मानित किया गया था। जुलाई 2023 में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को फ्रांस ने लीजन ऑफ ऑनर से सम्मानित किया। यह फ्रांस का सर्वोच्च सम्मान है। पीएम मोदी यह सम्मान पाने वाले पहले भारतीय प्रधानमंत्री हैं। लीजन ऑफ ऑनर दुनिया भर के चुनिंदा प्रमुख नेताओं और प्रतिष्ठित हस्तियों को दिया गया है। इनमें दक्षिण अफ्रीका के पूर्व राष्ट्रपति नेल्सन मंडेला, वेल्स के तत्कालीन राजकुमार किंग चार्ल्स, जर्मनी की पूर्व चांसलर एंजेला मर्केल, संयुक्त राष्ट्र के पूर्व महासचिव बुट्रोस बुट्रोस-घाली समेत अन्य शामिल हैं। बीते जुलाई में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को रूस के सर्वोच्च सम्मान ऑर्डर ऑफ सेंट एंड्रयू एपोस्टल से सम्मानित किया गया।

निर्णायक साबित...

गाजा में भयावह मानवीय हालात का जिक्र करते हुए मदद के लिए कदम उठाने पर जोर दिया गया। शिखर सम्मेलन के दूसरे दिन मंगलवार को जी-20 नेताओं की बैठक का एजेंडा जलवायु परिवर्तन पर केंद्रित रहा। मेजबान ब्राजीलियाई राष्ट्रपति लूला दा सिल्वा ने अपने प्रस्ताव में आने वाली पीढ़ियों के लिए टिकाऊ भविष्य सुनिश्चित करने पर जोर दिया। उन्होंने कहा, जी-20 देशों को उत्सर्जन कटौती लक्ष्यों पर तत्काल अमल करना आवश्यक है, क्योंकि 80 फीसदी ग्रीन हाउस गैसों के उत्सर्जन के लिए इसके सदस्य देश ही जिम्मेदार हैं।ब्राजील के राष्ट्रपति लूला दा सिल्वा ने द्विपक्षीय बैठक के दौरान नई दिल्ली में जी-20 के सफल आयोजन को लेकर पीएम मोदी की सराहना की। राष्ट्रपति लूला ने बताया कि उन्होंने बहुत-सी ऐसी चीजें दोहराने की कोशिश की, जो भारत में हुए शिखर सम्मेलन से प्रेरित हैं। उन्होंने कहा, हमने भारत के निर्णयों को आगे बढ़ाया। ब्राजील उसी स्तर की दक्षता से सम्मेलन करना चाहता था, जैसा भारत ने किया था।

अब चीन के...

दोनों देश एक दूसरे के यहां सीधी विमान सेवा फिर से आरम्भ करने के लिए प्रक्रिया आगे बढ़ाने को राजी हुए हैं। वर्षों से लटका कैलाश मानसरोवर यात्रा का मुद्दा सुलझने की संभावना से भारत के श्रद्धालुओं, विशेषकर शिवभक्तों में एक उम्मीद जगी है। चीन के विदेश मंत्रालय का कहना है कि यह सिर्फ एक शुरुआती बिंदु ही है दोनों देशों के बीच संबंध को वापस पहले जैसा बनाने की ओर।

जयशंकर पहले भी वांग के साथ लाओस में वार्ता कर चुके हैं, जिसमें उस बातचीत का क्रम आगे बढ़ाने की बात हुई थी। संभवत: उसी संकल्प के साथ भारत और चीन ने यह विशेष बैठक आयोजित की और इसमें चर्चा भी संदर्भों के आसपास ही रही। चीन ने दो दिन पहले ही भारत के साथ समझौते और सहमति के मुद्दों पर आगे बढ़ने की वकालत की थी। माना जा सकता है कि इस चर्चा से कुछ प्रगति हुई है। इस महत्वपूर्ण बैठक में जयशंकर भारत-चीन रिश्तों के महत्व पर बल देते हुए वांग को संबोधित करके कहा, जी-20 के दौरान आपसे बात करना अच्छा रहा। जैसा आपने कहा, हमने गत दिनों ब्रिक्स बैठक के दौरान भी आपस में चर्चा की थी। दोनों ही मंचों पर हमारा योगदान अंतिम नतीजों को स्वरूप देने में महत्वपूर्ण रहा।

दलित छात्रा का...

प्रशांत यादव और उसके साथियों ने एक दलित बेटी की हत्या सिर्फ इसलिए कर दी क्योंकि उसने साइकिल पर वोट देने से मना कर दिया था। मैनपुरी में सैफई परिवार और अखिलेश यादव के गुंडे फिर से आंतक का माहौल बनाने की कोशिश कर रहे हैं। मतदान करने से पहले एक पिता की पीड़ा जरूर सुनें।

उत्तर प्रदेश के उपमुख्यमंत्री बृजेश पाठक ने सपा पर इस मामले में हमला बोला है। बृजेश पाठक ने कहा, मैनपुरी के करहल में एक दलित बेटी की समाजवादी पार्टी के कार्यकर्ता और उसके साथियों द्वारा हत्या किया जाना अत्यंत दुखद एवं घोर निंदनीय कृत्य है। सपा का असली चेहरा यही है, निज स्वार्थ,सत्ता स्वार्थ के लिए किसी भी हद तक गिर सकती है।

करहल विधानसभा सीट पर भाजपा ने अनुजेश यादव को प्रत्याशी बनाया है जबकि सपा ने पूर्व सांसद तेज प्रताप यादव को उतारा है। दलित युवती की सपा को वोट न देने के चलते हुई हत्या के कारण करहल में माहौल तनावपूर्ण बना हुआ है। मृतका के शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया है।

दुनिया में शिव की एकमात्र अष्टमुखी मूर्ति

आक्रांताओं के भय से शिवना नदी में छुपा दिया गया था

शिवना के तट पर भगवान पशुपतिनाथ का प्रसिद्ध मंदिर है। यहां विश्व की एकमात्र शिव की अष्टमुखी मूर्ति है। यह पांचवीं सदी में निर्मित बताई जाती है। संभवत: आक्रांताओं के भय से इसे शिवना नदी में छुपा दिया गया था, जो वर्ष 1940 में बाहर निकाली गई। 1961 में मार्गशीर्ष पंचमी पर मूर्ति को विधिवत वर्तमान मंदिर के गर्भगृह में प्रतिष्ठित किया गया था। 20 नवंबर को मंदिर का 64वां प्रतिष्ठा महोत्सव मनाया जा रहा है।

21 साल तक खेत में रही मूर्ति

भगवान शिव की मूर्ति के आठ मुख, जीवन की चार अवस्थाओं का वर्णन करते हैं। पूर्व मुख बाल्यावस्था, दक्षिण का किशोरावस्था, पश्चिम का युवावस्था और उत्तर का मुख प्रौढ़ावस्था के रूप में दिखता है।

19 जून 1940 को शिवना नदी से इस अष्टमुखी मूर्ति को निकाला गया था। इसके बाद 21 साल तक भगवान पशुपतिनाथ की मूर्ति नदी के तट पर स्थित पूर्व विधायक बाबू अग्रवाल के खेत पर रखी रही।

मूर्ति का पूरा ध्यान भी उन्होंने ही रखा। मूर्ति के आठों मुखों का नामकरण भगवान शिव के अष्ट तत्व के अनुसार किया गया है। इनमें शर्व, भव, रुद्र, उग्र, भीम, पशुपति, ईशान और महादेव के रूप में पूजे जा रहे हैं।

सम्राट यशोधर्मन काल में हुआ था मूर्ति का निर्माण

इतिहासकारों की मानें तो इस मूर्ति का निर्माण विक्रम संवत 575 ई. के आसपास सम्राट यशोधर्मन के काल में हुआ होगा। बाद में मूर्ति भंजकों से बचाने के लिए इसे शिवना नदी में बहा दिया गया होगा।

कलाकार ने मूर्ति के ऊपर चार मुख पूरी तरह बना दिए थे, जबकि नीचे के चार मुख निर्माणाधीन थे। मंदसौर के पशुपतिनाथ की तुलना काठमांडू स्थित पशुपतिनाथ से की जाती है। मंदसौर स्थित पशुपतिनाथ की मूर्ति अष्टमुखी है, जबकि नेपाल स्थित पशुपतिनाथ चारमुखी हैं।

एक क्विंटल है कलश का वजन

27 नवंबर 1961 को कृष्ण पक्ष पंचमी पर स्वामी प्रत्यक्षानंद महाराज के करकमलों से अष्टमुखी मूर्ति की प्रतिष्ठा की गई थी। मप्र के योजना तथा सूचना उपमंत्री सीताराम जाजू भी उपस्थित रहे। 26 जनवरी 1968 को मंदिर के शिखर पर स्वर्ण कलशारोहण हुआ था। इस समय विजयाराजे सिंधिया भी उपस्थित थीं।

कार्यक्रम में स्वामी सत्यमित्रानंद गिरि महाराज, स्वामी प्रत्यक्षानंदमहाराज का सान्निध्य मिला था। कलश के गोलम्बोर पर श्री पशुपतिनाथ के चार मुख तथा कमल अंकित हैं। कमल पर कलश स्थित है। कलश का वजन एक क्विंटल है। इस पर 51 तोला सोना चढ़ा हुआ है। त्रिशूल पर 10 तोला सोना मंडित किया है। 1963 से नगर पालिका ने श्री पशुपतिनाथ मेला मेला प्रारंभ किया।

51 हजार लड्डुओं का महाभोग लगेगा

श्री पशुपतिनाथ मंदिर पुजारी परिवार द्वारा 20 नवंबर को 64वां प्रतिष्ठा महोत्सव मनाया गया। सुबह 7.30 बजे से 51 पंडितों द्वारा महारुद्र अभिषेक किया गया। इसके बाद मूर्ति एवं गर्भगृह का फूलों से नयनाभिराम शृंगार किया। श्रद्धालुओं को चारों द्वार से भगवान के विभिन्न रूपों में दर्शन होंगे। 51 हजार लड्डुओं का भोग लगाया गया। शाम 6.15 बजे महाआरती हुई । महाआरती में विशेष कलाकारों द्वारा बैंड तथा नासिक व अहमदाबाद के ढोल की प्रस्तुति दी गई । आतिशबाजी भी हुई ।

नकारात्मक शक्तियों से बचना है तो घर में जरूर रखें एरोवाना मछली

जिस प्रकार गोल्ड फिश शुभता का प्रतीक है, ठीक उसी प्रकार वास्तु शास्त्र के अनुसार घर में एरोवाना मछली को भी रखना शुभ माना जाता है। एरोवाना सुख-समृद्धि, धन और अच्छे स्वास्थ्य का प्रतीक मानी जाती है। एरोवाना मछली को घर में रखने से नकारात्मक शक्तियां दूर होती हैं और घर के अंदर सकारात्मक ऊर्जा का संचार होता है।

वास्तु शास्त्र के अनुसार घर में फिश एक्वेरियम रखना शुभता का सूचक माना जाता है। वैसे तो लोग फिश एक्वेरियम में रंग बिरंगी मछलियां ख़ास तौर पर गोल्ड फिश हैं। लेकिन क्या आप जानते हैं कि असल में वास्तुशास्त्र के अनुसार आपको फिश एक्वेरियम में कौन सी मछली रखनी चाहिए। ऐसी कौन सी मछली है जो आपके जीवन में सकारात्मक प्रभाव लेकर आती है और आपकी सभी नकारात्मक ऊर्जा को स्वयं ग्रहण कर लेती है। ज्योतिषाचार्या एवं फेमस कार्ड रीडर नीतिका शर्मा ने बताया कि वास्तु शास्त्र के अनुसार आपको अपने घर में कौन सी मछली स्थापित करनी चाहिए जिससे आपके घर कि नेगेटिव एनर्जी दूर हो सके।

एरोवाना मछली करें स्थापित

ज्योतिषाचार्या एवं फेमस टैरो कार्ड रीडर नीतिका शर्मा ने बताया कि घर में यदि आपने एक्वेरियम स्थापित किया है तो आमतौर पर उनमें 9 मछलियां होनी चाहिए जिसमें से 1 काली मछली और अन्य 8 गोल्ड फिश।

घर में एरोवना फिश स्टेचू भी कर सकते हैं स्थापित

ज्योतिषाचार्या एवं फेमस टैरो कार्ड रीडर नीतिका ने बताया कि अक्सर कई लोग घर में एक्वेरियम नहीं रखना चाहते ऐसे में आप एरोवना फिश स्टेचू भी स्थापित की जा सकती है। एरोवना फिश स्टेचू को घर की उत्तर-पूर्व या पूर्व दिशा में रखना लाभदायक होता है। यह भी घर में सुख सम्पदा लाती है। एरोवना फिश मुंह में सिक्के वाली स्टेचू बहुत शुभ परिणाम देगी।

नीतिका शर्मा
ज्योतिषाचार्या एवं फेमस टैरो कार्ड रीडर ,अजमेर

5 गुण, जो बना देते हैं पति-पत्नी के रिश्ते को बेमिसाल!

शादी का मतलब है कि दो लोग एक-दूसरे से प्यार करते हैं और जिंदगी भर साथ रहने का फैसला करते हैं। वे एक-दूसरे को वादा करते हैं कि खुशी हो या गम, हमेशा एक-दूसरे का साथ निभाएंगे। बता जब दो लोग शादी करते हैं, तो सिर्फ वे ही नहीं, बल्कि उनके परिवार वाले भी एक-दूसरे से जुड़ जाते हैं। वे एक-दूसरे के घर आते-जाते हैं, एक-दूसरे के साथ त्योहार मनाते हैं और एक-दूसरे के सुख-दुख में शामिल होते हैं।

शादी के बाद, पति और पत्नी दोनों की बदल जाती है। अब उन्हें सिर्फ अपने बारे में नहीं, बल्कि एक-दूसरे के बारे में भी सोचना होता है। उन्हें एक-दूसरे की खुशी का ख्याल रखना होता है और एक-दूसरे को सपोर्ट करना होता है। एक अच्छी शादी में, पति और पत्नी एक-दूसरे को समझते हैं और एक-दूसरे के की कद्र करते हैं। वे एक-दूसरे की कमजोरियों को स्वीकार करते हैं और एक-दूसरे की ताकतों को बढ़ावा देते हैं। वे एक-दूसरे पर विश्वास करते हैं और एक-दूसरे के साथ ईमानदार होते हैं। आइए

इस आर्टिकल में आपको ऐसे 5 गुण बताते हैं जो पति-पत्नी के रिश्ते को मजबूती हैं और रिश्तेदार भी इसे देखकर जमाने में ऐसे कपल की मिसाल देते फिरते हैं।

रिश्ते की नींव है प्यार

पति-पत्नी का रिश्ता प्यार पर टिका होता है। यह बाहरी खूबसूरती से कहीं ज्यादा गहरा और मजबूत होता है। जब आप अपने पार्टनर के दिल से जुड़ते हैं, उनकी को समझते हैं और बिना किसी शर्त के प्यार करते हैं, तभी आपका रिश्ता सच्चा और खास होता है।

गलतियों को सुधारना जरूरी

एक मजबूत शादी की नींव होती है एक-दूसरे की इच्छाओं की कद्र करना। हर फैसले, हर कदम पर अपने पार्टनर को साथ लेकर चलना, रिश्ते को गहरा बनाता है। वहीं सब्र और समझदारी से बुना प्यार का यह बंधन, शादीशुदा जिंदगी को खुशहाल बनाने का मूलमंत्र भी होता है।

एक-दूसरा का सपोर्ट

एक अच्छे शादीशुदा रिश्ते में इज्जत और अपने-पन के साथ-साथ सपोर्ट की जगह भी जरूर होती है। ऐसे में, दोनों पार्टनर एक दूसरे ख्वाहिशों का ख्याल रखते हुए एक दूसरे को बराबरी का दर्जा भी देते हैं और हर छोटे-बड़े काम में अपने पार्टनर को सपोर्ट करते हैं।

इज्जत भी है जरूरी

इज्जत हर रिश्ते को चाहिए होती है, लेकिन जब बात पति-पत्नी के रिश्ते की आती है तो यह और भी हो जाती है। चाहे आपका पार्टनर कितना भी अमीर हो या गरीब उसकी इज्जत करना आपका फर्ज बन जाता है। ध्यान रहे, शादी के बाद आप दोनों एक-दूसरे के जीवन साथी हैं और ऐसे में, जो कपल एक-दूसरे को इज्जत देते हैं उनके लिए आगे की जिंदगी भी आसान जाती है।

इच्छाओं की कद्र

पति-पत्नी का रिश्ता एक खूबसूरत बगीचे की तरह होता है, जिसमें हर पौधे को प्यार और देखभाल की जरूरत होती है। इसलिए, एक-दूसरे की इच्छाओं को समझना और उनकी कद्र करना भी इस रिश्ते में बेहद जरूरी है। जो लोग कोई भी बड़ा फैसला से पहले, अपने पार्टनर की राय लेते हैं, वही इस खूबसूरत बगीचे को सींच पाते हैं।

मंत्रों के जप से दूर होते हैं ग्रहों के दोष

जीवन की इस आपाधापी में हर आदमी दो पैसे कमाने और बचाने के लिए दिन-रात जुटा रहता है। लेकिन कई तमाम कोशिशों के बावजूद मेहनत के मुताबिक न तो धन मिलता है और न ही उसकी बचत हो पाती है। ज्योतिष के अनुसार हमारे जीवन से जुड़े तमाम प्रकार के सुख-दु:ख का हमारी कुंडली के नौ ग्रहों से सीधा संबंध होता है। पाल बालाजी ज्योतिष संस्थान जयपुर - जोधपुर निदेशक ज्योतिषाचार्य डा. अनीष व्यास ने बताया कि ग्रहों के दोष को दूर करने के लिए और उनकी शुभता प्राप्त करने के लिए ज्योतिष शास्त्र में कई तरह के उपाय बताये गये हैं। जिन्हें करने पर जीवन से जुड़ी जहां तमाम तरह की समस्याएं दूर होती हैं, वहीं सुख, और सौभाग्य बढ़ता है।

सूर्य – जीवन में सुख-संपत्ति और साहस को कायम रखने के लिए सूर्यदेव की कृपा पाना जरूरी है। ज्योतिष शास्त्र के अनुसार किसी भी जातक की कुंडली में सूर्य दशा न सिर्फ उसकी सेहत, संपत्ति एवं सुख-शांति पर असर डालती है बल्कि उसे राजा से रंक बनाने का भी माद्दा रखती है। जन्मांग में ग्रहों का राजा यदि सूर्य मजबूत अवस्था में हो, तो जातक राजा, मंत्री, सेनापति, प्रशासक, मुखिया, धर्म संदेशक आदि बनाता है। लेकिन यदि सूर्य में निर्बल अवस्था में हो तो वह शारीरिक तथा सफलता की दृष्टि से बड़ा ही खराब परिणाम देता है। सूर्यदेव की शुभता बढ़ाने और उनकी नाराजगी दूर करने के लिए कभी भी झूठ न बोलें। इस उपाय को करने से सूर्य से संबंधी दोष दूर हो जायेगा और उनके फल मिलने प्रारंभ हो जाएंगे। साथ ही प्रतिदिन उगते सूर्य का दर्शन एवं उन्हें 'ॐ घृणि सूर्याय नम:' कहते हुए जल अर्पित करना चाहिए। प्रतिदिन सूर्य को जल देने के पश्चात् लाल आसन में बैठकर पूर्व दिशा में मुख करके निम्न मंत्र का 108 बार जप करें।

"एहि सहस्त्रांशो तेजोराशे जगत्पते।

अनुकम्पय मां भक्त्या गृहणाध्य दिवाकर।।"

चंद्र– सूर्य की तरह चंद्रमा भी प्रत्यक्ष देवता हैं। नवग्रहों में चंद्र देवता को माता और मन का कारक माना जाता है। कुंडली में चन्द्र ग्रह की अशुभता का मनुष्य के मन पर प्रभाव पड़ता है। चंद्र दोष के कारण घर में कलह, मानसिक विकार, माता-पिता की बीमारी, दुर्बलता, धन की कमी जैसी समस्याएं सामने आती हैं। चंद्र देव की शुभता पाने और उनसे जुड़े दोष दूर करने के लिए जितना ज्यादा हो सके साफ-सफाई पर ध्यान दें। चंद्र दोष को दूर और उनकी कृपा पाने के लिए चंद्र देवता के निम्न मंत्रों का जाप काफी शुभ और असरकारक साबित होता है।

ॐ ऐं क्लीं सोमाय नम:।।

ॐ श्रां श्रीं श्रौं स: चन्द्रमसे नम:।।

दधिशंख तुषाराभं क्षीरदार्णव संभवम्।

नमामि शशिनं समं शम्भोर्मकुट भूषणम्।।

मंगल– अदम्य साहसी और पराक्रमी पृथ्वी पुत्र मंगल को ग्रहों का सेनापति माना गया है। वैदिक ज्योतिष के मुताबिक किसी भी व्यक्ति में ऊर्जा का प्रवाह बनाए रखने के लिए मंगल दोष के प्रभाव को दूर करना अत्यंत आवश्यक होता है। शनि की तरह मंगल ग्रह की से आमतौर पर लोग डरते हैं। मंगल देवता की कृपा पाने और उससे जुड़े दोष को दूर करने के लिए इस मंत्र का जाप करें।

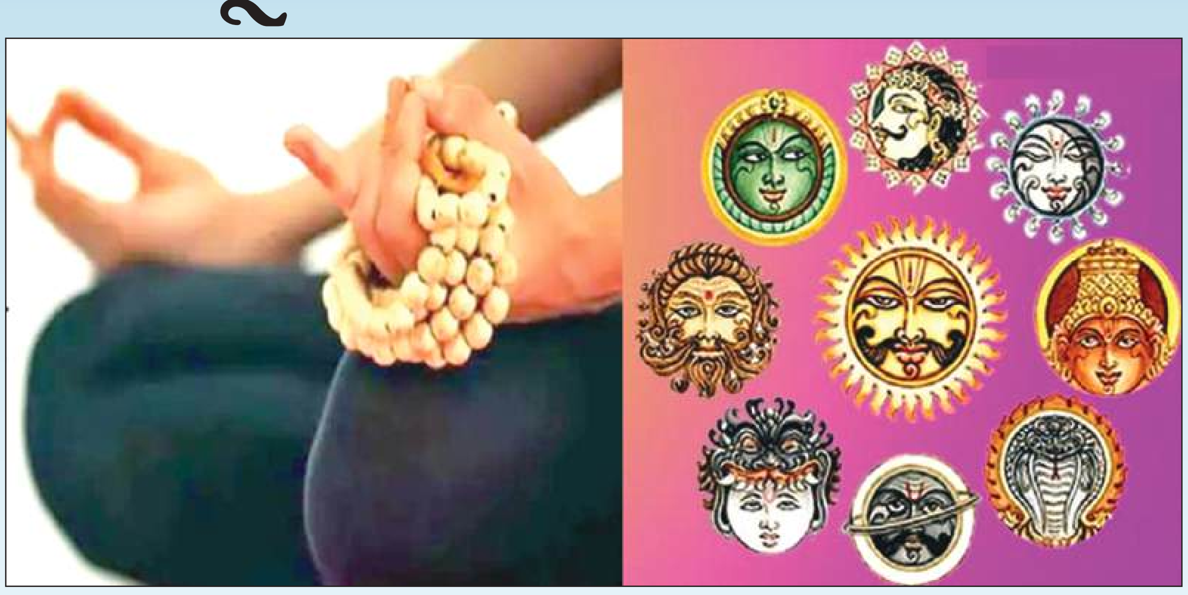

ॐ अं अंगारकाय नम:।

धरणीगर्भसंभूतं विद्युत्कांति समप्रभम्।

कुमारं शक्तिहस्तं च भौममावाह्यम्।

बुध– शास्त्र के अनुसार बुध बुद्धि, व्यापार, त्वचा एवं धन का ग्रह है। बुध ग्रह का रंग हरा है। वह नौ ग्रहों में शारीरिक रूप से सबसे कमजोर और बौद्धिक रूप में सबसे आगे है। ऐसे में प्रत्येक व्यक्ति के लिए बुधदेव की कृपा और शुभता अत्यंत जरूरी है। यदि कुंडली में बुध ग्रह कमजोर है या फिर नीच का हो तो आप बुध ग्रह की शुभता पाने के लिए बुध के बीज मंत्र का जाप करें

ॐ ब्रां ब्रीं ब्रौं स: बुधाय् नम:।।

प्रियंगुकलिकाश्यामं रूपेणाप्रतिमं बुधम।

सौम्यं सौम्य गुणोपेतं तं बुधं प्रणमाम्यहम्।।

बृहस्पति– ज्योतिष में देवताओं के गुरु बृहस्पति को एक शुभ देवता और ग्रह माना गया है। बृहस्पति के शुभ प्रभाव से सुख, सौभाग्य, लंबी आयु, धर्म लाभ आदि मिलता है। आमतौर पर देवगुरु बृहस्पति शुभ फल ही प्रदान करते हैं, लेकिन यदि कुंडली में किसी पापी ग्रह के साथ बैठ जाएं तो कभी-कभी अशुभ संकेत भी देने लगते हैं। ऐसे में बृहस्पति की कृपा पाने और इनसे जुड़े दोष को दूर करने के लिए प्रतिदिन तुलसी या चंदन की माला से 'ॐ बृं बृहस्पतये नमः' का 108 बार जप अवश्य करे।

देवानां च च गुरुं कांचनसंनिभम्।

बुद्धिभूतं त्रिलोकशं तं नमामि बहस्पतिम्।।

शुक्र– ज्योतिष में शुक्र ग्रह को जीवन से जुड़े सभी भौतिक सुख-सुविधाओं का कारक माना गया है। शुक्र ग्रह से ही किसी जातक के जीवन में स्त्री, वाहन, धन आदि सुख सुनिश्चित होता है। कुंडली में शुक्र मजबूत होने पर इन सभी सुखों की प्राप्ति होती है लेकिन अशुभ होने पर तमाम तरह के आर्थिक कष्टों का सामना करना पड़ता है। दांपत्य जीवन के सुख का अभाव रहता है। शुक्र ग्रह की शुभता पाने के लिए इस मंत्र का करें।

ॐ शुं शुक्राय नम:।

ॐ हिमकुन्दमृणालाभं दैत्यानां परमं गुरुम्

सर्वशास्त्रप्रवक्तारं भार्गवं प्रणमाम्यहम्।।

शनि– कुंडली में शनि ऐसे देव हैं जिनसे अक्सर लोग डरते हैं। जबकि शनि कर्म के देवता हैं और आपके किए गए कार्य का फल देते हैं। यदि आपकी कुंडली में शनि दोष है तो आप उसे दूर करने के लिए सबसे पहले अपने अपने व्यवहार में जरूर परिवर्तन लाएं। विशेष रूप से अपने माता-पिता का सम्मान और उनकी सेवा करें। साथ ही शनिदेव से जुड़े मंत्रों का जाप करें। शनिदेव के ये मंत्र प्रभावी है। शनिदेव को समर्पित इस मंत्र को श्रद्धा के साथ जपने से निश्चित रूप से आपको लाभ होगा।

ॐ शं शनैश्चराय नमः।

ॐ प्रां प्रीं प्रौ सं शनैश्चराय नमः।

सूर्य पुत्रो दीर्घ देहो विशालाक्ष: शिव प्रिय:।

मंदाचाराह प्रसन्नात्मा पीड़ां दहतु में शनि:।।

राहू–भविष्यवक्ता और कुण्डली विश्लेषक अनीष व्यास ने बताया कि कुंडली में राहु और केतु छाया ग्रह हैं। कुंडली में यदि राहु अशुभ स्थिति में है तो व्यक्ति को आसानी से सफलता नहीं मिल पाती है और परेशानियां बनी रहती है। कुंडली में इस ग्रह को राहु के दोष को दूर करने के लिए मंत्र का जाप करने पर शुभ फल प्राप्त होते हैं।

ॐ भ्रां भ्रीं भ्रौं स: राहवे नम:'।

अर्धकायं महावीर्यं चंद्रादित्यविमर्दनम्।

सिंहिकागर्भसम्भूतं तं राहुं प्रणमाम्यहम्।।

केतु– ज्योतिष के अनुसार केतु को सर्प का धड़ माना गया है। गौरतलब है बगैर सिर के धड़ को कुछ दिखाई नहीं देता कि क्या किया जाए और क्या नहीं। यही कारण है कि केतु ग्रह के दोष के कारण अक्सर व्यक्ति भ्रम का शिकार होता है। जिसके कारण उसे तमाम परेशानियां झेलनी पड़ती है। केतु के दुष्प्रभाव से बचने के लिए सबसे आप अपने बड़े-बुजुर्ग की सेवा करना प्रारंभ कर दें। साथ में केतु के इन मंत्रों का जप करें।

ॐ कें केतवे नम:।

पलाशपुष्पसंकाशं तारकाग्रहमस्तकम्।

रौद्रं रौद्रात्मकं घोरं तं केतुं प्रणमाम्यहम्।।

डॉ. अनीष व्यास
भविष्यवक्ता और कुण्डली विश्लेषक
पाल बालाजी ज्योतिष संस्थान,जयपुर-जोधपुर
मो.9460872809

खबरें जो सोच बदल दे
शुभ लाभ
हिंदी दैनिक समाचार पत्र

एक हाथ में खंजर, दूजे में शराब, बागी 4 से टाइगर श्रॉफ का खूंखार लुक आउट

टाइगर श्रॉफ की बागी 4 की रिलीज डेट का अनाउंसमेंट हो चुका है वो भी एक खतरनाक पोस्टर के साथ। जिसमें टाइगर श्रॉफ खूंखार अवतार में नजर आ रहे हैं। हाल ही में टाइगर ने अपने ऑफिशियल इंस्टाग्राम अकाउंट पर बागी 4 का नया पोस्टर रिलीज किया। इसके साथ ही उन्होंने अपनी अपकमिंग फिल्म की रिलीज डेट भी अनाउंस कर दी। इस फ्रेंचाइजी की तीनों फिल्में हिट रही हैं।नए पोस्टर में टाइगर श्रॉफ एक नए और खूंखार अवतार में नजर आ रहे हैं। उनके लुक से लग रहा है कि बागी 4 फुल ऑफ एक्शन से भरपूर होने वाली है। पोस्टर में टाइगर हाथ में चाकू और पास में शराब की बोतल लिए टॉयलेट सीट पर बैठे नजर आ रहे हैं। उनका चेहरा, दीवारें और फर्श खून से लथपथ हैं, टाइगर का लुक देखते ही फैंस सरप्राईज हो गए क्योंकि इस अवतार में दर्शकों ने टाइगर को कभी नहीं देखा। टाइगर ने पोस्ट को कैप्शन दिया, एक गहरी भावना, एक खूनी मिशन, इस बार वह वैसा नहीं है। साजिद नाडियाडवाला की बागी 4।नए पोस्टर के साथ टाइगर ने बागी 4 की रिलीज डेट भी अनाउंस कर दी है। फिल्म 5 सितंबर 2025 को सिनेमाघरों में रिलीज होगी। बागी फ्रेंचाइजी की शुरुआत 2016 में पहली फिल्म की रिलीज के साथ हुई, जिसका निर्देशन सब्बीर खान ने किया था। एक हाई-ऑक्टेन एक्शन थ्रिलर, बागी कुछ हद तक 2004 की तेलुगु फिल्म वर्शम और 2011 की इंडोनेशियाई फिल्म द रेड: रिडेम्पशन से प्रेरित थी। फिल्म में टाइगर श्रॉफ, श्रद्धा कपूर और सुधीर बाबू ने काम किया था। जिसके बाद इसका सीक्वल, बागी 2, 2018 में आया जिसे अहमद खान ने निर्देशित किया था ये तेलुगु फिल्म क्षणम की रीमेक थी। इसमें टाइगर के साथ दिशा पटानी, मनोज बाजपेयी, रणदीप हुडा और अन्य कलाकार शामिल थे। तीसरी फिल्म बागी 3 (2020) को भी अहमद खान ने निर्देशित किया था। इसमें टाइगर, रितेश देशमुख और श्रद्धा कपूर लीड रोल में थे।वर्कफ्रंट की बात करें तो टाइगर को हाल ही में सिंघम अगेन में देखा गया जिसमें अजय देवगन लीड रोल में थे। ये एक मल्टी स्टारर फिल्म थी जिसमें अक्षय कुमार, रणवीर सिंह, दीपिका पादुकोण, अर्जुन कपूर, करीना कपूर जैसे कलाकार नजर आए।

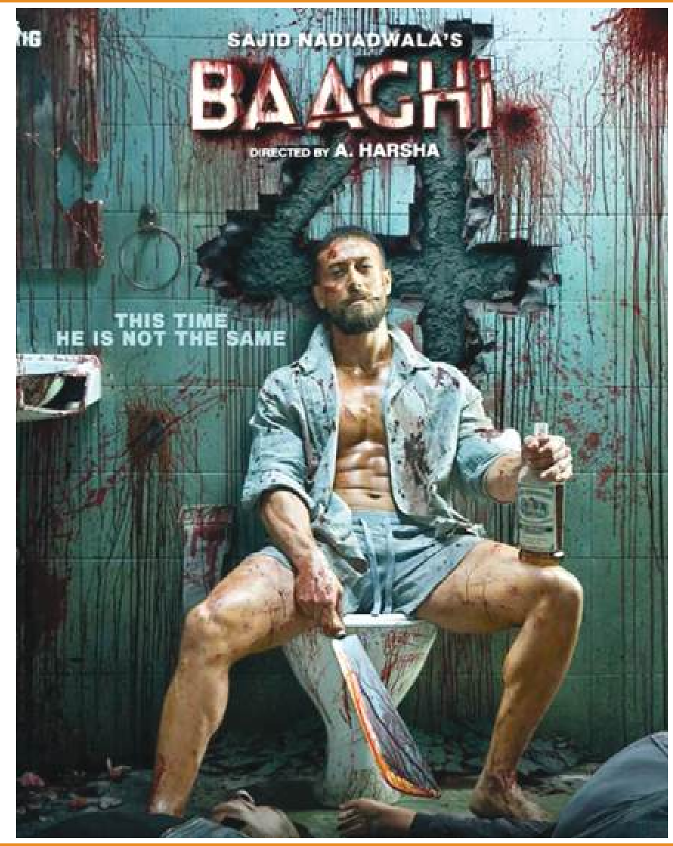

द कॉज ऑफ क्लाइमेट चेंज के चैंपियन जैकी श्रॉफ बने ऑल्ट एनवायर्नमेंटल फिल्म फेस्टिवल के ब्रांड एंबेसडर

जैकी श्रॉफ हमेशा से ही पर्यावरण को सुरक्षित रखने के लिए लोगों को जागरूक करते आये है और अब उन्हें 22 नवंबर से 8 दिसंबर, 2024 तक आयोजित होने वाले ऑल लिविंग थिंग्स एनवायर्नमेंटल फिल्म फेस्टिवल (एएलटी ईएफएफ) का ब्रांड एंबेसडर नियुक्त किया गया है। फिल्मी हस्तियां और प्रोडक्शन बैनर जिसमें इटरनल सनशाइन प्रोडक्शंस, अभिनेत्री श्रिया पिलगांवकर, फिल्म निर्माता रिची मेहता, पद्म श्री पुरस्कार विजेता सुरेश वाडकर, वाइल्डलाइफ फिल्ममेकर गौतम पांडे और कई अन्य शामिल हैं।

ऑल्ट इएफएफ का लक्ष्य सिनेमा की इमोटीव पावर के माध्यम से उन्हें क्लाइमेटअवेयरनेस बढ़ावा देना चाहते हों, और बेहतर कल प्राप्त करने की दिशा में जैकी श्रॉफ का विचारशील योगदान फिल्म महोत्सव के मुख्य उद्देश्य के साथ सही बैठता है, जो उन्हें ब्रांड एंबेसडर के लिए एकदम उपयुक्त बनाता है। एएलटी ईएफएफ के ब्रांड एंबेसडर के रूप में नियुक्ति के बारे में जैकी श्रॉफ कहते हैं कि मुझे बेहद ख़ुशी है कि एएलटी ईएफएफ के ब्रांड एंबेसडर के रूप में मुझे चुना गया है, खासकर ट्रांस्फॉर्मेटिवे क्लाइमेट एक्शन पर काम करने के लिए बेहद उत्साहित हूँ। मेरा मानना है कि फिल्में लोगों को एक साथ लाने वाले दमदार तरीकों में से एक है और अगली पीढ़ी के बेहतर कल के लिए प्रेरित करने के लिए हमारी अपनी फिल्मों से बेहतर क्या हो सकता है।

एएलटी ईएफएफ एक फिल्म महोत्सव से कहीं अधिक है, यह हम सभी का एक बड़ा सहयोग है जिसके लिए हम काम कर रहे हैं एक हरा-भरा कल, और मैं उत्साह और एकता देखने के लिए बहुत उत्सुक हूँ! एएलटी ईएफएफ में रेड कार्पेट मोमेंट्स, सिनेमा की एक शाम, क्लाइमेट एक्शन के आसपास समुदाय और बातचीत, एएलटी ईएफएफ 2024 बेस्ट ऑफ फेस्टिवल फिल्म की स्क्रीनिंग, एक पुरस्कार समारोह और बहुत कुछ शामिल होगा। वर्कफ्रंट की बात करें तो जैकी श्रॉफ नवीनतम ब्लॉकबस्टर 'सिंघम अगेन' में अपने नेगेटिव किरदार उमर हफ़ीज़ को जबरदस्त प्रतिक्रियाएं मिल रही हैं । इस बीच, वह अपनी आगामी रिलीज 'बेबी जॉन' के लिए तैयारी कर रहे हैं, जिसमें वह बब्बर शेर की भूमिका निभाते नजर आएंगे।

हाल ही में, निर्माताओं ने फिल्म के पहले लुक का रिवील किया, जिसने लोगों के बीच की उत्सुकता को और बढ़ा दिया है। अभिनेता वरुण धवन, कीर्ति सुरेश और वामिका गब्बी सहित अन्य लोगों के साथ स्क्रीन स्पेस साझा करते हुए दिखाई देंगे। 'बेबी जॉन' 25 दिसंबर 2024 को सिनेमाघरों में रिलीज होगी।

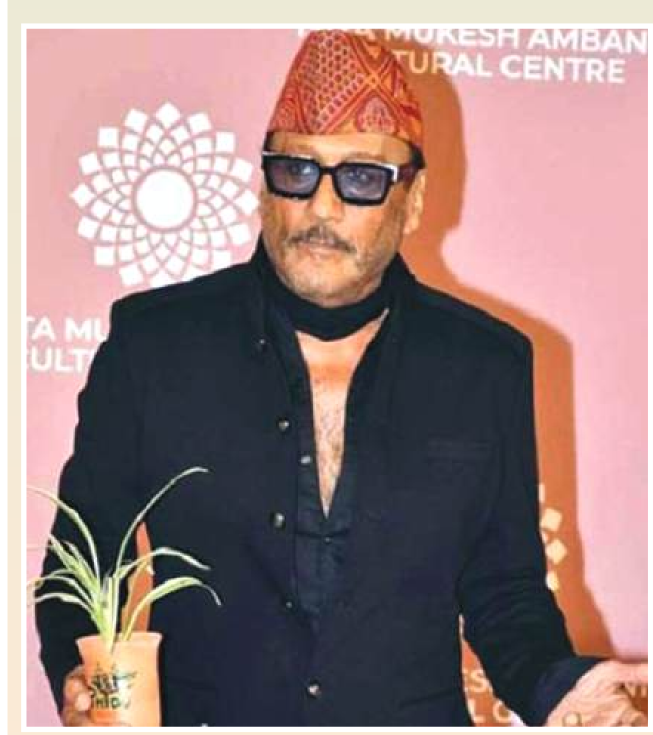

लहंगा पहन ग्लैमरस लुक में नजर आईं सोफी चौधरी

बॉलीवुड एक्ट्रेस और सिंगर सोफी चौधरी अपने बोल्ड और ग्लैमरस लुक्स के कारण सोशल पर लाइमलाइट बटौरती रहती हैं। उन्होंने ना अपनी एक्टिंग से बल्कि सिंगिंग से भी लोगों के दिल पर राज किया है। अब हाल ही में एक्ट्रेस सोफी चौधरी ने अपने लेटेस्ट फोटोशूट की तस्वीरें इंस्टाग्राम पर पोस्ट की हैं। इन तस्वीरों में उनका हॉटनेस भरा अंदाज देखकर फैंस के उड़ गए हैं।एक्ट्रेस और सिंगर सोफी चौधरी हमेशा अपने फैशन स्टेटमेंट्स से फैंस का सारा ध्यान अपनी ओर खींचती रहती हैं। उनका हर एक लुक इंटरनेट पर आते ही तबाही मचाने लगता है।हाल ही में एक्ट्रेस सोफी चौधरी ने अपने लेटेस्ट लुक्स की तस्वीरें फैंस के बीच शेयर की इन फोटोज में उनकी बोल्डनेस और हॉटनेस देखकर फैंस अपने होश खो बैठे हैं।सोफी चौधरी के लेटेस्ट फोटोशूट में आप देख सकते हैं उन्होंने ब्लू कलर का सिंपल लहंगा पहना हुआ है, जिसमें उन्होंने ब्लू कलर का गोटेदार दुपट्टा कैरी किया है।गले में नेकलेस, कानों में इयररिंग्स और लाइट कर के एक्ट्रेस सोफी चौधरी ने अपने आउटलुक को कंप्लीट किया है।बता दें कि एक्ट्रेस सोफी चौधरी अपने हर एक से सोशल मीडिया पर बवाल मचाती रहती हैं। उनका हर एक लुक इंटरनेट पर आते ही तेजी से वायरल होने लगता है।सोफी चौधरी सोशल मीडिया पर काफी एक्टिव रहती इंस्टाग्राम पर उनकी फैन फॉलोइंग लिस्ट काफी जबरदस्त है।

तलाक के ट्वीट के बाद ट्रोलर्स के निशाने पर आए ए.आर. रहमान

एआर रहमान 2 ऑस्कर, 13 फिल्म फेयर समेत कुल 138 से ज्यादा अवॉर्ड्स अपने नाम कर चुके हैं। अपने गानों और खिताबों को लेकर चर्चा में रहने सिंगर और कंपोजर एआर रहमान पहली बार अपनी निजी जिंदगी को लेकर सुर्खियों में हैं। हाल ही में एआर रहमान ने अपनी पत्नी सायरा बानो से 29 साल की शादी को तोड़ दिया है। एआर रहमान ने सोशल मीडिया साइट एक्स पर इसकी जानकारी दी है। लेकिन इस पोस्ट साथ ही एआर रहमान ट्रोलर्स का शिकार हो गए हैं। इस पोस्ट में एआर रहमान ने तलाक की खबर देते हुए एक हैशटैग भी शामिल कर दिया। इस पोस्ट के लास्ट में हैशटैग को देख लोग भी भड़क गए। लोगों ने एआर रहमान को इस मौके पर टैग बनाने लेकर ट्रोल कर दिया।

दरअसल एआर रहमान ने मंगलवार की रात 12 बजकर 10 मिनट पर सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर एक पोस्ट शेयर किया था। जिसमें एआर रहमान ने लिखा, 'हमें 30 साल के सफर पूरे होने की उम्मीद थी। लेकिन तत्कालीन परिस्थियां उतनी ठीक नहीं हैं। टूटे के वजन से ईश्वर का भी सिंघासन डोलने लगता है। मुझे इस वक्त का बेहद दुख है। हम आपसे हमारी निजता का सम्मान करने के लिए धन्यवाद कहते हैं। उन सभी लोगों का भी शुक्रिया जिन्होंने हमारे मुश्किल समय में हमारा साथ दिया है।' इस ट्वीट के बाद एआर ने हैशटैग के 'रींीरळीररल-ीशरर्ज्ञी' के साथ पोस्ट खत्म की। इस हैशटैग को देख ट्रोलर्स भड़क गए।

एआर रहमान के इस पोस्ट को देख पहले तो लोगों ने उन्हें खुश रहने की सलाह दी। कई फैन्स ने उन्हें मुश्किल समय में स्ट्रॉन्ग बने रहने का संदेश भी दिया। वहीं कुछ ने एआर रहमान के पोस्ट के नीचे दिखे हैशटैग को लेकर उन्हें ट्रोल भी कर दिया। लोगों ने इस पोस्ट के नीचे अपनी प्रतिक्रिया देते हुए कहा, 'ऐसी खबर देने के बाद कौन हैशटैग का इस्तेमाल करता है।' इस पोस्ट पर लोगों ने एआर रहमान को जमकर ट्रोल किया एक यूजर ने तो एआर रहमान को अपनी एडमिन टीम को ही नौकरी से निकालने की सलाह दे डाली।

'द साबरमती रिपोर्ट' फिल्म के रिस्पांस से अच्छा लग रहा है : रिद्धि डोगरा

देश के बहुचर्चित गोधरा कांड पर बनी विक्रांत मैसी स्टारर फिल्म 'द साबरमती रिपोर्ट' की देश भर में जम कर तारीफ हो रही है। लोग इस फिल्म को देखने के लिए सिनेमाघरों में पहुंच रहे हैं। इस फिल्म को मिल रही सफलता पर इस फिल्म की अभिनेत्री रिद्धि डोगरा ने खुशी जाहिर की है।

उन्होंने बात करते हुए कहा, मुझे बहुत अच्छा लग रहा है। हमने अपनी मेहनत की है, और जब आप अपनी मेहनत को सामने लाते हैं और उसे ऑडियंस तक पहुंचाते हैं, तो फिर आप सोचते हैं कि लोग इसका कैसा रिस्पॉन्स देंगे। अब जो भी रिस्पॉन्स मिल रहा है, वह बहुत अच्छा है और सच में बहुत अच्छा लग रहा है। लोग खुद बता रहे हैं कि उन्हें फिल्म में क्या-क्या अच्छा लगा। यह बहुत ही बड़ी खुशी की बात है कि हमारे को सराहा जा रहा है।

उन्होंने आगे कहा, प्रधानमंत्री मोदी ने हमारी फिल्म के बारे में बात की है, इससे बढ़कर और कुछ नहीं हो सकता। यह बहुत अच्छा लग रहा है। साथ ही, हरियाणा के मुख्यमंत्री जी भी फिल्म देख रहे हैं, और यह भी बहुत अच्छा लग है। हम बहुत खुश हैं कि हमारी फिल्म सबको इतनी पसंद आ रही है। मैं फिल्म देखने आई हूं। अभी इंटरवल हो चुका है, और अब फिल्म का दूसरा भाग शुरू हो चुका है, तो हम उम्मीद करते हैं कि जैसे पहले भाग को पसंद किया गया, वैसे ही फिल्म भी लोगों को अच्छी लगे। फिल्म खत्म होने के बाद सबसे मिलकर और भी खुशी होगी।

बता दें कि 'द साबरमती रिपोर्ट' साबरमती एक्सप्रेस में आग लगने की घटना पर बनी है। यह घटना 27 फरवरी, 2002 को हुई थी, जिसमें झुलस कर 59 लोगों की मौत हो थी। फिल्म में अभिनेत्री राशि खन्ना, विक्रांत मैसी और रिद्धि डोगरा लीड रोल में हैं और तीनों ही पत्रकार की भूमिका में हैं। बालाजी मोशन पिक्चर्स, विकिर फिल्म्स द्वारा प्रस्तुत, 'द साबरमती रिपोर्ट' शोभा कपूर, एकता आर कपूर, अमूल वी मोहन और अंशुल मोहन द्वारा निर्मित है। यह फिल्म नवंबर को सिनेमाघरों में रिलीज हुई है।

काली काली आंखें सीजन 2 ने प्यार की ताकत का पढ़ाया पाठ: श्वेता त्रिपाठी

अभिनेत्री श्वेता त्रिपाठी इन दिनों अपनी अपकमिंग फिल्म ये काली काली आंखें सीजन 2 की तैयारी में व्यस्त है। उन्होंने कहा कि इस फिल्म की कहानी ने उन्हें सिखाया है कि प्यार में आपको बदलने ताकत होती है।इस फिल्म में श्वेता त्रिपाठी, शिखा के रूप में अपनी भूमिका को फिर से निभाने के लिए तैयार है। वह अपने किरदार की यात्रा और भूमिकाओं को लेकर अपनी सोच पर खुलकर बात करती दिखीं।अपने किरदार के बारे में बात करते हुए अभिनेत्री ने कहा, यह शो में सवाल पूछता है, आप प्यार के लिए कितनी दूर तक जा सकते हैं यही वह यात्रा है जिस पर शिखा इस सीजन में खुद को पाती है, और मुझे लगता है कि यह कुछ ऐसा है जो दर्शकों को शो की गहराई के साथ जोड़ेगा। इस सीजन में को मेरे किरदार का एक और कमजोर पक्ष दिखाई देगा।श्वेता ने कहा, शिखा की दुनिया तब बिखर जाती है जब उसका सच्चा प्यार विक्रांत पूर्वा से शादी कर लेता है, जिससे वह खोई हुई और निराश महसूस करती है। स्वभाव से डरपोक उनका किरदार दूसरों को नुकसान पहुंचाने से है। इस सीजन में शिखा का एक नया पक्ष सामने आता है क्योंकि वह विक्रांत के साथ अपने प्यार के लिए लडऩे का फैसला करती है।इस सीजन में श्वेता का किरदार रोमांस से आगे बढ़कर दर्शकों को प्रेम, त्याग और व्यक्तिगत सीमाओं के बारे में प्रेरित करता नजर आएगा।मिर्जापुर ने बताया कि उन्होंने अपनी पिछली भूमिकाओं में क्रोध और बदले की भावना को दिखाया है, लेकिन इस कहानी ने उन्हें यह दिखाने का मौका दिया गया कि कैसे प्यार आपको बदल सकता है और कभी-कभी आप उसमें पूरी तरह खो भी जाते हैं।सिद्धार्थ सेनगुप्ता द्वारा लिखित और निर्देशित काली काली आंखें सीजन 2 में ताहिर राज भसीन, आंचल सिंह और गुरमीत चौधरी भी हैं। यह शो 22 नवंबर को नेटफ्लिक्स पर रिलीज होगा।

आज का राशिफल

मेष – चू,चे,चो,ला,लि,लू,ले,लो,अ

आज आय के स्रोत बढ़ेंगे क्योंकि दिन बहुत अच्छा हैं। कार्यक्षेत्र में परिश्रम की अधिकता रहेगी, जिससे सभी कार्य सफल होंगे। कारोबार में धनलाभ की स्थिति रहेगी। परिवार का माहौल अच्छा रहेगा और पूरा दिन सुख–शांतिपूर्वक बीतेगा। परिजनों से निकटता का अनुभव करेंगे। उनका सहयोग भी मिलेगा। पुराने मित्रों से मुलाकात हो सकती है और परिजनों के साथ किसी रमणीय पर्यटन स्थल पर जाने का कार्यक्रम बन सकता है। अगर स्वास्थ्य को तंदुरुस्त रखना हैं तो डिनर मे कुछ हल्का और सुपाच्य भोजन लेना होगा।

वृषभ – इ,उ,ए,ओ,वा,वि,वु,वे,वो

आज परिश्रम जरूर करना पड़ेगा जिससे दिन सुनहरा होगा और व्यापारिक की स्थिति और योजनाएं सफल रहेंगी और कारोबार से संबंधित कार्यों में धन लाभ के योग बनेंगे। हालांकि, भागदौड़ अधिक करनी पड़ेगी, लेकिन परिश्रम का फल अच्छा मिलेगा। पुराना अटका पैसा वापस मिलने की संभावना रहेगी। परिवार का माहौल अच्छा रहेगा। शाम के समय किसी सामाजिक कार्यक्रम में भाग लेने का निमंत्रण आ सकता हैं।

मिथुन – क,कि,कृ,घ,ड,छ,के,को,ह

आज समय थोड़ा मध्यम है अनुकूल माहौल नही मिलेगा अनावश्यक खर्च बढ़ने से मन चिंतित हो सकता है। परिवार का वातावरण आनंदमय रहेगा। वाणी की मधुरता से आप अपना निर्धारित कार्य कर सकेंगे। स्वास्थ्य का ध्यान रखें। विद्यार्थियों को सफलता प्राप्त करने के लिए कड़ी मेहनत करनी पड़ेगी। बच्चों को संस्कारित बनाने हेतु धार्मिक विधि को समय दें। गाय को चारा खिलाना होगा मानसिक शान्ति का अनुभव होगा पूर्वजों को तृप्ति होगी।

कर्क – ही,हु,हे,हो,डा,डी,डू,डे,डो

आज लाभकारी योग बन रहा हैं निवेश मे जोखिम नही है फलदायी रहेगा। कार्यक्षेत्र में सफलता मिलेगी और आय वृद्धि के योग रहेंगे। व्यवसाय–धंधा भी अच्छा चलेगा तथा कार्यस्थल पर मित्रों और सहयोगियों का भरपूर सहयोग मिलेगा। कार्यों में सफलता मिलने से आर्थिक स्थिति मजबूत होगी। नौकरी में पदोन्नति भी मिल सकती है। परिवार का माहौल अच्छा रहेगा और गृहस्थ जीवन का संपूर्ण आनंद ले सकेंगे। मित्रों के साथ प्रवास का आयोजन होगा। अधिक तैलीय वसा युक्त भोजन आप को हानिकारक रहेगा।

सिंह – म,मी,मू,मे,मो,टा,टी,टू,टे

आप कुछ समय रुककर कोई भी अन्तिम निर्णय पर पहुंचे क्योंकि समय मध्यम हैं सामान्य हैं। व्यावसायिक क्षेत्र में छोटी–छोटी परेशानियों का सामना करना पड़ सकता है। काम का बोझ अधिक रहेगा और पूरा दिन भागदौड़ में बीतेगा। शारीरिक रूप से थकान का अनुभव करेंगे। क्रोध पर नियंत्रण एवं वाणी पर संयम रखें, अन्यथा किसी वाद–विवाद में उलझ सकते हैं। स्वास्थ्य के प्रति सतर्क रहना होगा। व्यर्थ वाद–विवाद तथा तकरार में उतरने से भी बचना होगा खर्चा ज्यादा होगा।

कन्या – टो,प,पी,पू,ष,ण,ठ,पे,पो

सुबह ही पीपल वृक्ष मे जल दूध चढ़ाए घी का दीपक प्रज्वलित करें मंदिर मे पीली वस्तु का भोग लगाएं। व्यापार–धंधा अच्छा चलेगा और सहकर्मियों के सहयोग से सभी कार्यों में सफलता मिलेगा। कार्यभार की अधिकता से मानसिक और शारीरिक रूप से थकान का अनुभव कर सकते हैं। कामकाज को लेकर प्रवास पर जा सकते हैं, लेकिन स्वास्थ्य के प्रति सतर्क रहने की आवश्यकता है। ऊपरी अधिकारी आपके काम से असंतुष्ट रह सकते हैं। सुख सुविधाओं मे खर्चा अधिक होगा स्वास्थ्य अच्छा रहेगा।

तुला – र,री,रू,रे,रो,ता,ति,तू,ते

आज भाग्य प्रबल हैं नक्षत्रों का बल भी मिलेगा। कर्ज बिल्कुल भी नही लेना हैं व्यापार–धंधे में लाभ की स्थिति रहेगी। कारोबार विस्तार को लेकर व्यवस्थित रूप से आर्थिक योजना बना सकेंगे। प्रॉपर्टी में निवेश लाभदायक रहेगा। कार्यक्षेत्र में काम की अधिकता रहेगी और अपने परिश्रम से कार्यों में सफलता मिलेगा। परिवार का माहौल अच्छा रहेगा। मित्रों से सहयोग मिलेगा, जिससे आत्मविश्वास में वृद्धि होगी।

वृश्चिक – तो,न,नी,नू,ने,नो,या,यी,यू

आज का दिन तो सामान्य से कुछ बढ़ीया रहेगा। काम का ओवरलोड रहेगा व्यस्तता अधिकता रहेगी, लेकिन भागदौड़ और कठिन परिश्रम से कार्यों में सफलता मिलेगा। नये कार्यों की शुरुआत करने से बचें। जीवनसाथी और संतानों के स्वास्थ्य का वशेष ध्यान रखने की आवश्यकता है। वाद–विवाद या बौद्धिक चर्चा से दूर रहें क्रोध पर नियंत्रण रखें अपरिहार्य बोलना मुसीबत मे डाल सकता हैं। सही समय का इंतजार करना ही बुद्धिमानी है व्यर्थ के प्रपंच से दूर रहें।

धनु – ये,यो,भ,भी,भू,धा,फा,ढा,भे

आज कुछ छोटी–मोटी परेशानी को छोडकर सब आप के हाथ मे रहेगा आप टीमवर्क लेकर सब सुव्यवस्थित कर सकते हैं, मन थोडा व्यथित जरूर होगा लेकिन अपने प्रयासों से कार्यों में सफलता मिलेगी और धनलाभ की स्थिति रहेगी। भागदौड़ की अधिकता रहेगी, जिससे शारीरिक और मानसिक रूप से थकान का अनुभव कर सकते हैं। परिजनों के साथ तकरार होने की संभावना है। आर्थिक लाभ का योग बन रहा है शिवजी को ग्यारस बिल्वपत्र चढाए, दूध से स्नान कराए मन शान्त रहेगा।

मकर – भो,ज,जी,खि,खू,खे,खो,ग,गि

आज सुबह.उठते ही किसी बात को लेकर टेंशन बन सकता हैं इसलिए उठते ही सर्व प्रथम धरती को प्रणाम करें कर दर्शन कार्य का भार अधिक होने पर भी सकारात्मकता का अनुभव करेंगे। सामाजिक और धार्मिक कार्यों के प्रति रुझान बढ़ेगा, जिससे समाज में सम्मान बढ़ेगा। व्यापारियों के लिए दिन अच्छा रहेगा। रुका हुआ धन वापस मिल सकता है। स्वास्थ्य पर विशेष ध्यान देना पड़ेगा। परिवार का माहौल अच्छा रहेगा, लेकिन ध्यान रखें कि आपकी बातों से किसी ठेस ने पहुंचे। बिल्ववृक्ष मे जल सींचे एकाएक धन प्राप्त होगा।

कुम्भ – गु,गे,गो,सा,सी,सू,से,सो,द

आज विशेष लाभ दिख रहा हैं रुका हुआ धन आएगा कर्जमुक्त होने की दिशा मे बढ़ेंगे कारोबार में धनलाभ होगा पद प्रतिष्ठा मे तरक्की के योग बन रहे हैं। कार्यों में सफलता मिलेगी आर्थिक स्थिति मजबूत होगी। सामाजिक तथा सार्वजनिक क्षेत्र में प्रशंसा के पात्र बनेंगे। पारिवारिक जीवन में नया खुशी का समाचार मिलेगा मित्रों का भरपूर सहयोग रहेगा। अपनी वाणी पर संयम रखना होगा अन्यथा बनते हुए काम बिगड़ेंगे।

मीन – दी,दू,थ,झ,ञ,दे,दो,चा,ची

आज का शुभ समाचार सुनेंगे वैवाहिक सम्बन्ध बनेगा, दाम्पत्य जीवन का सुख उठाएंगे परिवार के साथ समय व्यतीत करें थकान और चिंता दूर हो जाएगी आप के सभी कार्य निर्धारित रूप से योजना के तहत पूर्ण होंगे। मानसिक रूप से स्वस्थ रहेंगे। सहकर्मियों की मदद से अधूरे कार्य पूर्ण होंगे। सगे–संबंधियों के यहा उत्सव का निमंत्रण मिलेगा आप समारोह का हिस्सा बनेंगे राजनीति जीवन मे पदोन्नति भी मिलेगी मान सम्मानित होंगे।

गुरुवार का पंचांग

दिनांक : 21 नवंबर 2024, गुरुवार
विक्रम संवत : 2081
मास : मार्गशीर्ष, कृष्ण पक्ष
तिथि : षष्ठी सायं 05:05 तक
नक्षत्र : पुष्य दोपहर 03:36 तक
योग : शुक्ल दोपहर 12:00 तक
करण : वणिज सायं 05:05 तक
चन्द्रराशि : कर्क
सूर्योदय : 06:24, सूर्यास्त 05:39 (हैदराबाद)
सूर्योदय : 06:21, सूर्यास्त 05:50 (बैंगलोर)
सूर्योदय : 06:14, सूर्यास्त 05:41 (तिरुपति)
सूर्योदय : 06:14, सूर्यास्त 05:32 (विजयवाडा)

शुभ चौघड़िया
शुभ : 06:00 से 07:30
चल : 10:30 से 12:00
लाभ : 12:00 से 01:30
राहुकाल : दोपहर 01:30 से 03:00
शुभ : 04:30 से 06:00
दिशाशूल : दक्षिण दिशा
उपाय : तिल्ली खाकर यात्रा का आरंभ करें
दिन विशेष : गुरुपुष्य अमृतसिद्धि योग दोपहर 03:36 तक
गण्डमूल दोपहर 03:36 से, भद्रा सायं 05:04 से

❊ पाण्डित्य विषय में सम्पर्क करें ❊

पं.चिदम्बर मिश्र (टिल्लू महाराज)
हमारे यहाँ पाण्डित्य पूर्ण यज्ञ अनुष्ठान, भागवत कथा एवं मूल पारायण, वास्तुशान्ति, गृहप्रवेश,शतचंडी, विवाह, कुंडली मिलान, नवग्रह शान्ति, ज्योतिष सम्बन्धी शंका समाधान किए जाते हैं
फक्कड़ का मन्दिर, रिकाबगंज, हैदराबाद, (तेलंगाना)
9246159232, 9866165126
chidamber011@gmail.com

मुख्यमंत्री से सिंगापुर प्रतिनिधिमंडल की मुलाकात

विकसित राजस्थान-2047 के लक्ष्य में सिंगापुर महत्वपूर्ण साझेदार

जयपुर ,20 नवंबर (एजेंसियां)। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने कहा कि हमारा लक्ष्य राजस्थान को अगले 5 वर्षों में 180 बिलियन से दोगुना करके 350 बिलियन डॉलर की अर्थव्यवस्था बनाना है। प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के विकसित भारत–2047 के विजन के अनुसार हम भी विकसित राजस्थान–2047 के लिए कर रहे हैं और सिंगापुर इसमें हमारा बहुत महत्वपूर्ण साझेदार बन सकता है।

भजनलाल शर्मा बुधवार को सचिवालय के कॉन्फ्रेंस हॉल में सिंगापुर के प्रतिनिधिमंडल के साथ आयोजित बैठक को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने सिंगापुर से आए प्रतिनिधियों का स्वागत करते हुए कहा कि राजस्थान की 'अतिथि देवो की संस्कृति रही है तथा राजस्थान अपने अद्वितीय संस्कृति और विरासत के लिए दुनियाभर में मशहूर है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री जी की 'एक्ट ईस्ट पॉलिसी' का सिंगापुर बहुत महत्व–पूर्ण भागीदार है तथा सिंगापुर ने अपने आर्थिक मॉडल से विश्व को प्रेरित किया है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि राजस्थान स्वास्थ्य, जल संचय, उद्योग सहित विभिन्न क्षेत्रों में अभूतपूर्व काम हो रहा है। राज्य के लोगों को सुलभ स्वास्थ्य सेवा उपलब्ध कराने के लिए हमनें कुल बजट का 8.26 फीसदी बजट स्वास्थ्य क्षेत्र को दिया है। वहीं, कैच द रैन तथा मुख्यमंत्री जल स्वावलंबन 2.0 के माध्यम से राज्य जल संचय को बढ़ावा दिया जा रहा है। उन्होंने कहा कि पूर्वी राजस्थान में पेयजल एवं सिंचाई के लिए हमने ईआरसीपी का ऐतिहासिक एमओयू किया है। साथ ही, इसे धरातल पर उतारने का काम भी शुरू हो चुका है।

भजनलाल शर्मा ने कहा कि राज्य में विश्वभर से निवेश के नए अवसरों को खोलने के लिए हम आगामी 9 से 11 दिसम्बर को राइजिंग राजस्थान ग्लोबल इन्वेस्टमेंट समिट का आयोजन करने जा रहे हैं। इस समिट के तहत अब तक 20 लाख करोड़ रूपए के एमओयू हो हैं। भजनलाल शर्मा ने इस ऐतिहासिक आयोजन में सिंगापुर के प्रतिनिधिमंडल को भी आने का न्यौता दिया। उन्होंने आशा व्यक्त की कि सिंगापुर डेलिगेशन की यह यात्रा न केवल राजस्थान और सिंगापुर के संबंधों को मजबूत बनाएगी

मुख्यमंत्री ने आगामी राइजिंग राजस्थान इन्वेस्टमेंट समिट के सिंगापुर को किया आमंत्रित

बल्कि राजस्थान के विकास और वैश्विक संपर्क में नई संभावनाएं भी खोलेगी।

दौरान राज्य की आर्थिक स्थिति, जल संचय, चिकित्सा एवं राइजिंग समिट से जुड़े कार्यक्रमों, नवाचारों तथा योजनाओं की जानकारी संबंधित वरिष्ठ अधिकारियों द्वारा दी गई। अतिरिक्त मुख्य सचिव वित्त अखिल अरोरा ने प्रस्तुतीकरण के माध्यम से बताया कि राजस्थान में नवीनकरणीय ऊर्जा, पर्यटन, कृषि सहित विभिन्न क्षेत्रों में अपार हैं तथा राजस्थान की जनसंख्या का बड़ा हिस्सा युवा हैं। ऐसे में, राजस्थान विकास की दौड़ में तेजी से आगे बढ़ रहा है। अतिरिक्त मुख्य सचिव जल संसाधन अभय कुमार ने प्रस्तुतीकरण के माध्यम से राजस्थान में चल रहे मुख्यमंत्री जल स्वावलंबन अभियान 2.0, इंटर लिंकिंग रिवर तथा ग्राउण्ड रिर्चाज के बारे में जानकारी दी। इस दौरान प्रमुख शासन सचिव चिकित्सा एवं स्वास्थ्य गायत्री ए. राठौड़ ने बताया कि राज्य सरकार द्वारा मुख्यमंत्री आयुष्मान आरोग्य योजना के माध्यम से राज्य की लगभग 88 प्रतिशत जनसंख्या को निःशुल्क स्वास्थ्य बीमा कवरेज दिया जा रहा है। आयुक्त उद्योग श्री रोहित ने बताया कि राजस्थान देश में रिन्यूबल एनर्जी, जेम्स एंड ज्वैलरी, टैक्सटाईल, माइन्स तथा पैट्रोकेमिकल्स में अग्रणी राज्य हैं। उन्होंने राइजिंग राजस्थान की रूप रेखा भी बैठक में रखी।

बैठक में सिंगापुर से आए प्रतिनिधिमंडल ने राजस्थान के क्षेत्रों में हो रहे कार्यों की तारीफ की। उन्होंने कहा कि राजस्थान अपार संभावनाओं का प्रदेश है तथा स्वास्थ्य, कौशल विकास, ऊर्जा के क्षेत्र में यहां बेहतरीन काम हो रहा है। हमारी इस यात्रा से राजस्थान और सिंगापुर के संबंधों को एक नई दिशा मिलेगी। बैठक में सिंगापुर के विकास और सूचना मंत्रालय वरिष्ठ राज्य मंत्री जेनिल पुथुचेरी, प्रधानमंत्री कार्यालय से वरिष्ठ राज्यमंत्री डेसमंड टैन कोक मेंग, शिक्षा और जनशक्ति राज्य मंत्री गेन सियो हुआंग, शिक्षा और वित्त मंत्रालय से वरिष्ठ संसदीय सचिव शॉन हुआंग एवं संसद सदस्य जी याओ क्वान, राचेल ऑग एवं सक्तियादी सुपाट शामिल थे।

हमारा लक्ष्य राजस्थान को ऊर्जा के क्षेत्र में आत्मनिर्भर बनाना : भजनलाल शर्मा

जयपुर,20 नवंबर (एजेंसियां)। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा की गरिमामयी उपस्थिति में आज एनर्जी प्री–समिट में ऊर्जा क्षेत्र के निवेशकों के साथ 6.57 करोड़ रुपये के निवेश एमओयू का आदान–प्रदान किया गया। आज हस्ताक्षरित एमओयू में सौर, पवन, हरित हाइड्रोजन, हाइब्रिड, पंप स्टोरेज, बैटरी स्टोरेज और हरित अमोनिया परियोजनाओं सहित अक्षय ऊर्जा और बिजली उत्पादन क्षेत्र के विभिन्न खंडों में परियोजनाएं स्थापित करने का प्रस्ताव है। इस अवसर पर बोलते हुए माननीय जी ने कहा कि हस्ताक्षरित निवेश प्रस्तावों के जमीनी स्तर पर क्रियान्वयन से राज्य में लगभग 70000 नए रोजगार सृजित होंगे।

राजस्थान को ऊर्जा के क्षेत्र में आत्मनिर्भर बनाने के लिए निवेशकों से आह्वान करते हुए मुख्यमंत्री जी ने कहा, राजस्थान अक्षय ऊर्जा क्षेत्र में निवेश के लिए एक अवसर प्रस्तुत करता है। राज्य में 2245 मेगावाट की क्षमता वाला दुनिया का सबसे बड़ा सौर पार्क है, यहाँ 325 दिन से अधिक धूप रहती है, हमारे पास सौर और पवन ऊर्जा क्षेत्र में असीमित अवसर मौजूद हैं। हमारा लक्ष्य राजस्थान को एक एनर्जी–सरप्लस राज्य बनाना है जो न प्रदेश बल्कि अन्य राज्यों और देशों की मांगों को भी पूरा करने में भी सक्षम हो।

मुख्यमंत्री जी ने यह भी कहा कि सरकार जल्द ही इंटीग्रेटेड क्लीन एनर्जी पॉलिसी 2024 लाएगी, जिससे ऊर्जा क्षेत्र में कई नए संभावनाओं, जैसे कि पंप भंडारण, हरित हाइड्रोजन, बैटरी भंडारण, जैव ऊर्जा नवीकरणीय ऊर्जा आदि क्षेत्रों को प्रोत्साहित किया जाएगा। इस अवसर पर मुख्यमंत्री के साथ मौजूद राजस्थान सरकार के ऊर्जा राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) हीरालाल नागर ने कहा, सरकार निवेशकों की व्यापक निगरानी और मार्गदर्शन के माध्यम से एमओयू के शीघ्र क्रियान्वयन की दिशा में काम करने के लिए प्रतिबद्ध मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा जी के कार्यकाल के पहले वर्ष में ही 'राइजिंग राजस्थान' वैश्विक निवेश शिखर सम्मेलन 2024 आयोजित करने की यह पहल मजबूत इरादे और हमारे दृढ़ निश्चय को दर्शाती है। आने वाले 3–4 वर्षों में एमओयू को धरातल पर चालू परियोजनाओं में परिवर्तित करने के लिए काम जाएगा

समिट से पहले अक्षय ऊर्जा के विविध क्षेत्रों में एमओयू होने पर प्रसन्नता व्यक्त करते हुए राजस्थान सरकार के मुख्य सचिव सुधांश पंत ने कहा, ऊर्जा क्षेत्र 'राइजिंग राजस्थान' ग्लोबल इन्वेस्टमेंट समिट 2024 के तहत भारी मात्रा में निवेश जुटाने में सबसे आगे रहा है। हालांकि राज्य सौर पवन ऊर्जा क्षेत्रों में एक प्रमुख खिलाड़ी बना हुआ है, लेकिन यह जानकर बहुत खुशी होती है कि आज बहुत सारे निवेशकों ने अक्षय ऊर्जा के नए क्षेत्रों में परियोजनाएं स्थापित करने का प्रस्ताव दिया है।

इस अवसर पर राजस्थान सरकार के अतिरिक्त मुख्य सचिव–ऊर्जा श्री आलोक ने कहा, ने ऊर्जा क्षेत्र में निवेश–अनुकूल पारिस्थितिकी तंत्र और सही नीतिगत माहौल बनाया है, जो न केवल राजस्थान के ऊर्जा परिवर्तन में बल्कि पूरे देश के लिए योगदान देगा। इंटीग्रेटेड क्लीन एनर्जी पॉलिसी 2024 जैसी क्षेत्र में नई नीतियों का शुभारंभ राज्य को इस क्षेत्र में लचीलापन और आत्मनिर्भरता प्राप्त की दिशा में आगे बढ़ाएगा। इस अवसर पर उपस्थित अन्य प्रमुख गणमान्य व्यक्तियों में आरआरईसी के अध्यक्ष और मुख्यमंत्री के प्रधान सचिव आलोक गुप्ता, डिस्कॉम्स की अध्यक्ष आरती डोगरा, राजस्थान सरकार के आरवीपीएनएल के प्रबंध निदेशक नथमल डिडेल, आरआरईसीएल और आरयूवीआईटी के प्रबंध निदेशक ओम प्रकाश कसेरा और राजस्थान के अन्य अधिकारी शामिल थे।

अजमेर में सरस डेयरी समिति के सचिव की दिनदहाड़े हत्या

अजमेर,20 नवंबर (एजेंसियां)। अजमेर में एक दिल दहला देने वाली घटना में सरस डेयरी समिति के सचिव, किशनलाल (42), की दिनदहाड़े हत्या कर दी गई। एक युवक ने उनके ऑफिस में घुसकर पहले चेहरे पर किया और फिर चाकू से हमला कर दिया। यह घटना सीसीटीवी कैमरे में कैद हो गई, जो हत्यारे के भागने और किशनलाल के घायल होने की पूरी तस्वीर दिखाता है।

घटना के अनुसार, सुबह 11 बजे के करीब दिलीप नामक युवक ने किशनलाल पर हमला किया। दिलीप, जो मृतक चचेरा भाई है, पहले ऑफिस में आया और किशनलाल के चेहरे पर स्प्रे छिड़का। इसके बाद उसने चाकू से उनके सीने पर वार कर दिया। किशनलाल को घायल अवस्था में अस्पताल ले जाया गया, जहां उन्हें मृत घोषित कर दिया गया।

पुलिस की जांच में पता चला है कि युवक मानसिक रूप से परेशान था और उसके पत्नी से विवाद चल रहे थे। पत्नी ने उसके खिलाफ दहेज प्रताड़ना का मुकदमा भी दर्ज कराया था। आरोपी अभी भी फरार है और पुलिस उसकी तलाश में जुटी हुई है।घटना स्थल पर लगे सीसीटीवी कैमरों में आरोपी की पूरी कैद हो गई। फुटेज में देखा जा सकता है कि दिलीप ऑफिस में घुसता है और किशनलाल के चेहरे पर स्प्रे छिड़कता है।

इसके बाद वह चाकू से हमला करता है और ऑफिस से बाहर भागता है। आरोपी ने अपनी बाइक मौके पर छोड़ दी और फिर फरार हो परिवारिक विवाद का हो सकता है कारण : पुलिस का मानना है कि आरोपी युवक और उसके परिवार के बीच चल रहे विवाद और मानसिक परेशानी इस हत्याकांड के मुख्य कारण हो सकते हैं।

पुलिस अब आरोपी की गिरफ्तारी के लिए अलग–अलग टीमों को काम पर लगा रही है।

हरियाणा में फिल्म साबरमती रिपोर्ट टैक्स–फ्री

सीएम नायब सैनी की घोषणा

चंडीगढ़,20 नवंबर (एजेंसियां)। हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सैनी ने बहुप्रतीक्षित फिल्म साबरमती रिपोर्ट को राज्य में टैक्स–फ्री करने की घोषणा की है। यह घोषणा चंडीगढ़ में अपनी कैबिनेट के साथ फिल्म देखने के बाद की। फिल्म, जो 2002 के गोधरा कांड की पृष्ठभूमि पर आधारित है, ने दर्शकों और नेताओं को आत्मचिंतन के लिए प्रेरित किया।

मुख्यमंत्री ने कहा कि साबरमती रिपोर्ट गोधरा के तथ्य और उसकी जटिलताओं को संवेदनशीलता के साथ उजागर करती है। उन्होंने इसे हाल के इतिहास की सबसे शर्मनाक घटनाओं में से एक बताते हुए कहा, यह फिल्म हमें यह सोचने पर मजबूर करती है कि भविष्य में ऐसी घटनाओं को कैसे रोका जाए। उन्होंने फिल्म के संदेश सराहना करते हुए कहा कि यह उन 39 निर्दोष पीड़ितों की आवाज को बुलंद करती है, जिन्हें समय ने भुला दिया था।

मुख्यमंत्री नायब सैनी ने अपनी कैबिनेट और अन्य भाजपा नेताओं के साथ चंडीगढ़ के डीटी में इस फिल्म की विशेष स्क्रीनिंग में हिस्सा लिया। फिल्म की निर्देशक, एकता कपूर, भी इस अवसर पर उपस्थित थीं। उन्होंने हरियाणा सरकार को धन्यवाद देते हुए कहा, फिल्म का उद्देश्य सच्चाई को उजागर करना है। प्रधानमंत्री मोदी ने भी की सराहना : प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने भी साबरमती की प्रशंसा की। उन्होंने एक ट्वीट में लिखा, सच्चाई को इस तरह उजागर करना सराहनीय है। झूठी मान्यताएँ थोड़े समय तक ही रहती हैं, लेकिन तथ्य हमेशा सामने आते हैं।

2022 तक सबको छत उपलब्ध करवाने की बात करने वाली भाजपा सरकार अपना ही वायदा भूली : कुमारी सैलजा

चंडीगढ़,20 नवंबर (एजेंसियां)। भारतीय कांग्रेस कमेटी की महासचिव, पूर्व केंद्रीय मंत्री एवं सिरसा की सांसद कुमारी सैलजा ने कहा है कि 2022 तक सबको छत उपलब्ध करवाने वाली भाजपा सरकार आज अपने ही वायदे को भूल गई है, कांग्रेस सरकार के कार्यकाल में जहां सौ–सौ गज के निशुल्क प्लाट देने की योजना की गई थी आज प्रदेश की भाजपा 30 गज के प्लाट देकर किस्तों में उसकी कीमत वसूल रही है। ऐसे में भाजपा अपने संकल्प पत्र में दिए गए वचन–बेघरों को 05 लाख उपलब्ध करवाएंगे को कैसे पूरा कर पाएगी। उन्होंने कहा कि सरकार को जल्द से जल्द अपना वायदा करते हुए सबको छत उपलब्ध करवाई चाहिए।

मीडिया को जारी बयान में कुमारी सैलजा ने कहा कि भाजपा जो भी वायदा करती है या संकल्प लेती है उन सबको भूल जाती है, उस जनता को भी भूल जाती है जिससे कुछ वायदा किया था, भाजपा को तभी तो जुमलेबाज जाता है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री ने कहा था कि 2022 तक सबसे छत उपलब्ध करवा दी जाएगी पर ऐसा हो न सका। कांग्रेस ने अपने कार्यकाल में सौ सौ गज के निशुल्क प्लाट आवंटित करने की योजना लागू की थी पर भाजपा न उस पर कोई ध्यान ही दिया। आज भाजपा लोगों को 30–30 गज के प्लाट दे रही है और किस्तों में उसकी कीमत भी वसूल रही है। सरकार को पता होना चाहिए कि शहरों में 30 गज के प्लाट में आवास बनाकर एक परिवार अच्छी तरह से नहीं रह सकता। ग्रामीण क्षेत्रों में आज भी को इस बात का इंतजार है कि सरकार सौ सौ गज के प्लाट कब देगी।

अब प्रदेश सरकार कह रही है कि बिना जमीन वाले पात्र आवेदकों को मुख्यमंत्री ग्रामीण आवास योजना के तहत गांवों में 100 वर्ग गज के प्लाट दिए जाएंगे। सभी पात्र लाभार्थियों को अलग–अलग चरणों 100 वर्ग गज के भूखंड मिलेंगे, जिनमें से दो लाख व्यक्तियों को जल्द ही लाभ मिलने की उम्मीद है।

निर्माणाधीन अस्पतालों के कार्यों में तेजी लाई जाए : आरती सिंह

चंडीगढ़,20 नवंबर (एजेंसियां)। हरियाणा की स्वास्थ्य मंत्री कुमारी आरती सिंह राव ने स्वास्थ्य विभाग के अधिकारियों को निर्देश दिए कि प्रदेश में निर्माणाधीन अस्पतालों के में तेजी लाएं ताकि नागरिकों को जल्द से जल्द स्वास्थ्य सेवाएं मुहैया करवाई जा सकें। साथ ही, उन्होंने यह भी निर्देश दिए कि प्रदेश के सभी सरकारी और गैर सरकारी अस्पताल फायर एनओसी लेना सुनिश्चित करें जिससे किसी भी अप्रिय घटना से बचा जा सके।

कुमारी आरती सिंह राव यहाँ स्वास्थ्य विभाग के अधिकारियों के साथ समीक्षा बैठक की अध्यक्षता कर रही थी। बैठक के दौरान उन्होंने विभाग में रिक्त पदों पर भर्ती प्रक्रिया में तेजी लाने के निर्देश दिए।

भारत जोड़ो संविधान अभियान शुरू करेगी कांग्रेस

चंड़ीगढ़,20 नवंबर (एजेंसियां)। भारतीय संविधान को अंगीकार करने के 75 साल पूरे होने के मौके विपक्षी कांग्रेस 26 नवंबर से भारत जोड़ो संविधान अभियान शुरू करेगी। हरियाणा के पूर्व मंत्री और कांग्रेस ओबीसी विभाग के राष्ट्रीय चेयरमैन कैप्टन अजय यादव ने बुधवार को एक प्रेस कॉन्फ्रेंस में यह जानकारी दी। उन्होंने बताया कि अभियान की शुरुआत दिल्ली के तालकटोरा स्टेडियम में 26 नवंबर को संविधान की अहमियत पर जोर देते हुए कैप्टन अजय यादव ने कहा कि यह दिन भारतीय लोकतंत्र और हमारे अधिकारों की रक्षा के लिए बेहद महत्वपूर्ण है। अभियान के तहत देशभर में जागरूकता फैलाई जाएगी और संविधान के महत्व से लोगों को अवगत कराया जाएगा।

केंद्र सरकार और आरएसएस आरोप लगाते हुए उन्होंने कहा कि आरएसएस ने कभी भी भारतीय संविधान की बात नहीं की और न ही उन्होंने इस संविधान

को पूरी तरह से अपनाया। उन्होंने कहा कि पिछले 10 साल में देश की संवैधानिक संस्थाओं का दुरुपयोग हो रहा है, जो संविधान के सिद्धांतों के खिलाफ उन्होंने केंद्रीय जांच ब्यूरो (सीबीआई), आयकर विभाग और अन्य संवैधानिक संस्थाओं के दुरुपयोग के उदाहरण देते हुए कहा कि इन संस्थानों का इस्तेमाल राजनीतिक विरोधियों के खिलाफ किया जा रहा है। अजय यादव का कहना था कि इन संस्थाओं का उद्देश्य स्वतंत्रता और निष्पक्षता होनी चाहिए, लेकिन आज इनका सत्ता की राजनीतिक मंशाओं को पूरा करने के लिए किया जा रहा है।

कई नेताओं के खिलाफ लगे मुकदमों का उदाहरण देते हुए कांग्रेस नेता ने कहा कि जब ये नेता भाजपा से जुड़ जाते हैं, तो उनके खिलाफ चल रहे मामले अचानक बंद हो जाते हैं। उन्होंने कहा चंद्र नारायण गाने, प्रफुल्ल पटेल, हेमंत विश्वास और अजित पवार जैसे नेताओं के खिलाफ कई मामले थे, लेकिन जैसे ही वे भाजपा के साथ जुड़े, इन मामलों पर कार्रवाई बंद हो गई।

राष्ट्र प्रथम

बंटेंगे तो कटेंगे
एक रहेंगे तो सेफ रहेंगे

Best Wishes

Naresh Agarwal - 9848020960

Ankush Agarwal - 9885450000

NA **NARESH AGENCIES**

Dealers in :

Welding Electrodes, Welding Accessories,Safety Equipment, Power Tools,
Self Drilling Screws and Cutting Wheels

15-9-216, Near Dargah, Gowliguda, Hyderabad -500 012

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक, सम्पादक गोपाल अग्रवाल द्वारा श्री शेषसाई इंटरप्राइजेज प्लॉट नंबर. 98/1, को-ऑपरेटिव इंडस्ट्रीयल एस्टेट, गांधी नगर, बालानगर के पास मेडचेल-मल्काजगिरि जिला. हैदराबाद 500037, तेलंगाना स्टेट से मुद्रित तथा प्लॉट नं. ए-23/5 तथा 6, दूसरा माला, ओपीआईई, बालानगर, हैदराबाद, मेडचल मलकाजगिरी जिला, तेलंगाना राज्य-500037 से प्रकाशित। आर. एन. आई रजिस्टर्ड नं. TELHIN/2019/78163, फोन नं. 040-29551811. E-mail : dailyshubhlabh@gmail.com.